रायपुर। गुरुवार, 10 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष त्रयोदशी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 39/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ विचार छत्तीसगढ़ का जीवंत उत्सव पोला तिहार...
@ खेल ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ घरेलू सीरीज...
@ व्यापार सेंसेक्स 813 अंक फिसला ...

विश्व केसरी खबर झरोखा

भारतीय शेयर बाजार तीन महीने के निचले स्तर पर

मध्य-पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ तीन महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय

बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड पहली बार जुलाई के बाद 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था, महंगाई और आयात बिल पर दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई। निफ्टी 50 0.86 प्रतिशत गिरकर 23,431.50 अंक पर, जबकि बीएसई सेंसेक्स 1.08 प्रतिशत यानी 813.35 अंक टूटकर 74,764.23 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों का यह 11 जून के बाद का सबसे निचला बंद स्तर है। बाजार में 16 प्रमुख क्षेत्रों में से 13 में गिरावट रही और आईटी सूचकांक 3.2 प्रतिशत लुढ़क गया।बाजार की चिंता का सबसे बड़ा कारण ईरान-अमेरिका संघर्ष का और भड़कना है।

कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली, उनकी बेटी और

चिक्कोड़ी लोकसभा सीट से सांसद प्रियंका जारकीहोली तथा अन्य से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी जांच के तहत की जा रही है। ईडी की टीमें कर्नाटक में करीब 18 ठिकानों पर तलाशी ले रही हैं। इनमें बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी स्थित 64 वर्षीय सतीश जारकीहोली के आवास और उनकी बेटी प्रियंका जारकीहोली से जुड़े परिसरों के अलावा उनके रिश्तेदार एवं आबकारी विभाग के अधिकारी वाई.डी. मंजुनाथ से जुड़े ठिकाने भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा तलाशी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत चल रही जांच का हिस्सा है और इसे मंजुनाथ से जुड़े पहले के आबकारी मामले से अलग बताया गया है। हालांकि, मंजुनाथ भी मौजूदा जांच के दायरे में हैं। ईडी ने इससे पहले जून में कथित रिश्वत वसूली से जुड़े एक मामले में मंजुनाथ के परिसरों पर कार्रवाई की थी।

पाकिस्तान क्रिकेट की समस्याएं गहरी: वसीम अकरम

कराची। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज और पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने देश के क्रिकेट तंत्र की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट की

समस्याएं इतनी गहरी और व्यवस्थागत हो चुकी हैं कि उन्हें कोई एक व्यक्ति अकेले ठीक नहीं कर सकता। अकरम के मुताबिक पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय टीम लगातार बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण—तीनों मोर्चों पर कमजोर नजर आ रही है। इसके पीछे घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट की अस्थिरता और व्यवस्था में निरंतरता तथा धैर्य की कमी को उन्होंने बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में समस्या केवल खिलाड़ियों या कोचों की नहीं है, बल्कि पूरा क्रिकेट तंत्र इसके लिए जिम्मेदार है। घरेलू स्तर पर मजबूत और निरंतर व्यवस्था नहीं होने के कारण राष्ट्रीय टीम के लिए गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ियों की नई पौध तैयार नहीं हो पा रही है।

अमेरिका द्वारा ईरानी तेल टैंकरों को डुबोए जाने के बाद ईरान का जवाबी हमला

होर्मुज के पास ईरान का पलटवार, 10 जहाजों पर हमला

काहिरा/वॉशिंगटन/दुबई

विश्व केसरी ■ ईरान ने बुधवार को कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास 10 जहाजों पर हमला किया है। यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा पांच ईरानी तेल टैंकरों को डुबोए जाने के बाद की गई। दोनों पक्षों के बीच छह महीने से जारी युद्ध शुरू होने के बाद समुद्री जहाजों को निशाना बनाने वाली यह सबसे बड़ी घोषित जवाबी कार्रवाई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हमले के बाद जलते हुए एक जहाज की तस्वीर (प्रतीकात्मक)

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

इन हमलों के बाद अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। अंतराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड पहली बार जुलाई के बाद 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया।

ब्रेंट क्रूड
$100+
प्रति बैरल

एक नांविक की मौत, एक लापता

हमलों में कम से कम एक टैंकर पर सवार नाविक के मारे जाने की खबर है, जबकि एक अन्य नाविक के लापता होने की सूचना सामने आई है।

कैबिनेट ने 10,021 करोड़ रुपए की 5 मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

तमिलनाडु से तेलंगाना तक बढ़ेगी रेलवे कनेक्टिविटी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को भारतीय रेलवे की पांच महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है। लगभग 10,021 करोड़ रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना, माल ढुलाई को तेज करना और दक्षिण भारत के प्रमुख राज्यों में रेल संपर्क को मजबूत बनाना है। इन परियोजनाओं को वर्ष 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंजूर की गई परियोजनाओं में अरक्कोनम-रेनिगुंटा तीसरी और चौथी लाइन (77 किमी), व्हाइटफील्ड-बंगारपेट तीसरी और चौथी लाइन (47 किमी), होसुर-ओमालुर दोहरीकरण (147 किमी), सेलम-करूर-दिंडीगुल दोहरीकरण (159 किमी) और सिकंदराबाद (घाटकेसर)-काजीपेट मल्टीट्रैकिंग (110 किमी) शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भारतीय रेलवे नेटवर्क में लगभग 540 किलोमीटर की अतिरिक्त क्षमता जुड़ जाएगी।

ये परियोजनाएं तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के कुल 17 जिलों को कवर करेंगी। सरकार के अनुसार, इन रेल परियोजनाओं से लगभग 2,121 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जहां करीब 52 लाख लोगों की आबादी निवास करती है।

'मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं एनआईपीयुएन मिशन' को मिली मंजूरी

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में हुई 53वीं कैबिनेट बैठक में युवाओं, रोजगार, निर्यात, कौशल विकास और सरकारी कर्मचारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगाई गई।

बैठक में 'मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं NIPUN मिशन' को मंजूरी देने के साथ अगले पांच वर्षों के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं सरकारी एवं संबद्ध संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों के लिए अधिकतम आयु सीमा में भी बड़ी राहत दी गई है।

'मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं NIPUN मिशन' को मंजूरी

मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास, उद्यमिता और नवाचार के नए अवसर सृजित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 'मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं NIPUN मिशन' को मंजूरी दी है। मिशन के लिए आगामी पांच वर्षों हेतु 500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

इसके अंतर्गत सभी 33 जिलों में उद्यमिता विकास केंद्र, 100 इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब और 5 इंडस्ट्री एक्सीलेंस सेंटर स्थापित किए जाएंगे तथा NIPUN JOB Engine के माध्यम से उद्योगों की जरूरत के अनुरूप कौशल विकास और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा दिया जाएगा। इस मिशन का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर देने के साथ ही उन्हें जॉब-सीकर से जॉब-क्रिएटर बनाना और छत्तीसगढ़ को स्टार्टअप, नवाचार एवं नई तकनीक आधारित उद्योगों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की 'बेताज बादशाह' टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है।

वनडे क्रिकेट में भारतीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है।

2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकाबलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकाबला टाई रहा। टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकाबले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई।

अंबिकापुर डाकघर में 35 लाख का एफडी घोटाला

उमाकांत ■ अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला मुख्यालय स्थित अंबिकापुर प्रधान डाकघर में वित्तीय धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां कुल 15 खाताधारकों की फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) की 35 लाख रुपये से अधिक की राशि में अवैध रूप से हेराफेरी की गई है।

आरोप है कि एफडी की परिपक्वता (Maturity) अवधि पूरी होने के बाद जमाकर्ताओं के बचत खातों में पैसा भेजने के बजाय उसे अन्य फर्जी या अज्ञात खातों में ट्रांसफर करके निकाल लिया गया। इस गंभीर मामले की पुष्टि होने के बाद डाक विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए डाकपाल समेत तीन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

पीड़ित खाताधारक की शिकायत से हुआ पूरे मामले का खुलासा

इस बड़े घोटाले की पोल बलरामपुर जिले के निवासी खाताधारक सिराजुल हक की एक शिकायत के बाद खुली। सिराजुल हक ने अंबिकापुर प्रधान डाकघर में एफडी कराई थी।

केंद्रीय बजट 2026-27 से छत्तीसगढ़ के समावेशी विकास और आर्थिक प्रगति को मिल रही नई गति: रामदास आठवले

केंद्रीय राज्य मंत्री ने रायपुर में जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की

संवाददाता ■ रायपुर

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने छत्तीसगढ़ के आधिकारिक दौरे के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की दृष्टि के तहत राज्य के सर्वांगीण विकास को मजबूत वित्तीय गति प्रदान कर रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के लिए 50,427 करोड़ का कर हस्तांतरण प्रस्तावित किया गया है, साथ ही राज्य की वित्तीय क्षमता और बुनियादी ढांचे के कार्यों को सुदृढ़ करने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 15,000 करोड़ के अनुदान का प्रावधान किया गया है।

राज्य में केंद्रीय प्रमुख योजनाओं की प्रगति को प्रस्तुत करते हुए आठवले ने कहा कि केंद्रीय सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी कार्यक्रम पूरे छत्तीसगढ़ में ग्रामीण, गरीब और आदिवासी समुदायों पर एक परिवर्तनकारी प्रभाव डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत राज्य में 1.88 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिससे 9,324 करोड़ से अधिक की जमा राशि के साथ वित्तीय समावेशन सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 39.75 लाख से अधिक गैस कनेक्शन आवंटित किए गए हैं, जो ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ ईंधन प्रदान कर रहे हैं।

अवसंरचना और स्वास्थ्य विकास पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने रेखांकित किया कि राज्य में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार के लिए 5 नए मेडिकल कॉलेजों की मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा, कोरबा में 130 करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित इंडियन ऑयल का बॉटलिंग प्लांट क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स, स्थानीय रोजगार और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा दे रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 4,699 करोड़ के आवंटन से 1.77 लाख से अधिक मकानों का निर्माण किया गया है, जबकि उजाला योजना के तहत राज्य भर में 1.08 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने वंचित वर्गों के कल्याण पर केंद्र सरकार के निरंतर ध्यान को दोहराते हुए कहा कि सामाजिक सुरक्षा पहलों को समर्थन देने के लिए क्षेत्र में 5 नशा मुक्ति केंद्रों और 3 वृद्ध आश्रमों के लिए धन प्रदान किया गया है। इससे पूर्व दिन में, आठवले ने सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (SC/ST) बैकलाग भर्ती की प्रगति का आकलन करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और रायपुर नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

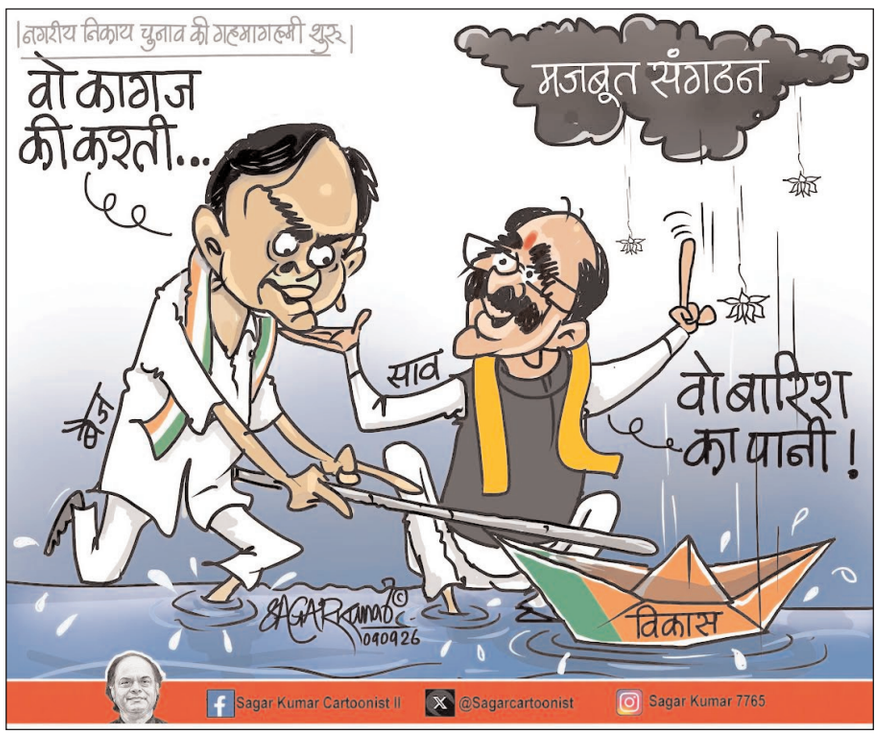

बच्चियों के आत्मसम्मान को समझने के लिए शिक्षकों को तैयार कर रही योगी सरकार

विश्व केसरी■

लखनऊ। यूपी सरकार बालिकाओं की शिक्षा को उनके आत्मसम्मान, सुरक्षा, गरिमा और नेतृत्व क्षमता से जोड़ते हुए विद्यालयी वातावरण को अधिक संवेदनशील बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसी क्रम में बच्चों के आत्मसम्मान को प्रभावित करने वाले संवेदनशील मुद्दों पर शिक्षकों की समझ विकसित की जा रही है। रूप-रंग अथवा शारीरिक बनावट को लेकर चिढ़ाना, स्वयं और दूसरों को केवल शरीर या रूप-रंग के आधार पर देखना, अपने शरीर और उसकी क्षमताओं को पहचानना, सोशल मीडिया का प्रभाव तथा लैंगिक रूढ़ियां प्रशिक्षण के प्रमुख विषय हैं।

विशेष परियोजना फॉर इक्विटी के अंतर्गत मीना मंच कार्यक्रम एवं सेल्फ-एस्टीम परियोजना के लिए आज से दो बैच में 100 प्रतिभागियों का दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण शुरू हो गया है। व्यापक प्रशिक्षण रूपरेखा में कुल 450 मास्टर ट्रेनर्स को तैयार करने का लक्ष्य है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों को बच्चों के संवेदनशील अनुभवों को समझने और उनके साथ प्रभावी संवाद के लिए तैयार करना है, ताकि विद्यालयों में सुरक्षित, सहभागी और सम्मानजनक वातावरण मजबूत हो तथा हर बालिका आत्मविश्वास के साथ अपनी शिक्षा और भविष्य की ओर आगे बढ़ सके।

प्रशिक्षण में नव-विकसित चार कॉमिक पुस्तकों को शिक्षण संसाधन के रूप में शामिल किया गया है। इनके माध्यम से रूप-रंग और शारीरिक बनावट के आधार पर चिढ़ाने एवं परेशान करने, शरीर को लेकर बच्चों की धारणाओं, अपने शरीर से जुड़ाव एवं उसकी क्षमताओं तथा सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विषयों को समझाया जा रहा है। इन संसाधनों के उपयोग से बच्चों के नामांकन, नियमित उपस्थिति और विद्यालयी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के तरीकों का भी प्रदर्शन होगा। प्रशिक्षण में मीना मंच के गठन, 'पॉवर एंजिल' की भूमिका और सहभागितापूर्ण सहजीकरण की प्रक्रिया पर काम हो रहा है।

एसटीएआरएस सिद्धांत के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में बच्चों की बात सुनने, बिना पूर्वधारणा के संवाद करने, सभी आवाजों को महत्व देने और अनुभवों से सीखने की प्रक्रिया समझाई जा रही है। लैंगिक रूढ़ियों की पहचान तथा कॉमिक्स और कक्षा गतिविधियों के माध्यम से इन विषयों पर संवाद का भी अभ्यास हो रहा है। प्रशिक्षण के पहले दिन लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम) पर चर्चा के माध्यम से बाल सुरक्षा के प्रमुख संदेशों को स्पष्ट किया गया। मॉक प्रदर्शन और रचनात्मक प्रतिक्रिया के माध्यम से प्रतिभागियों के सहजीकरण कौशल को मजबूत करने का प्रयास हुआ। बच्चों और शिक्षकों की कहानियों को एकत्रित, दस्तावेजीकृत और प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पर भी काम होगा।

दूसरे दिन संशोधित 'प्रगति के पंख' मॉड्यूल के चार नए अध्यायों, 13 सत्रों और शिक्षक मार्गदर्शिका की समझ विकसित की जाएगी। समूह अभ्यास और मॉक सत्रों के माध्यम से इसके सत्रों को पाठ्यक्रम तथा किशोर-किशोरियों के जीवन से जोड़ने का अभ्यास होगा। 'अरमान' मॉड्यूल और अभिभावक सत्रों की जानकारी भी दी जाएगी। उच्चतम न्यायालय के डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत सरकार एवं अन्य (2026) निर्णय के प्रमुख निहितार्थों पर भी चर्चा होगी।

कलकत्ता हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश रवींद्र विट्ठलराव घुगे को सीएम सुवेंदु ने दी बधाई

विश्व केसरी■

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट को नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। जस्टिस रवींद्र विट्ठलराव घुगे ने प्रतिष्ठित हाईकोर्ट के 45वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह ऐतिहासिक कोर्ट रूम नंबर 1 में आयोजित किया गया।

यह जानकारी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि वे इस गरिमामय समारोह में शामिल हुए।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 219 के तहत संवैधानिक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने जस्टिस घुगे को पद की शपथ दिलाई। समारोह की शुरुआत पूरी औपचारिक गरिमा के साथ हुई। सबसे पहले भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा जारी नियुक्ति वारंट को पढ़ा गया। इसके बाद संविधान के प्रति निष्ठा और वफादारी की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का समापन औपचारिक हस्ताक्षर, राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस मौके पर सुवेंदु अधिकारी के साथ-साथ पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथिंद्र बोस, कलकत्ता हाईकोर्ट के वर्तमान और सेवानिवृत्त न्यायाधीश, बार के विद्वान सदस्य, महाधिवक्ता, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ नागरिक और न्यायिक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण के बाद सुवेंदु अधिकारी ने नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश को बधाई दी। उन्होंने पश्चिम बंगाल के लोगों की ओर से सद्भावना और सम्मान के प्रतीक के रूप में उन्हें फूलों का गुलदस्ता और स्वामी विवेकानंद का फ्रेम किया हुआ चित्र भेंट किया। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने 'एक्स' पोस्ट पर कहा, 'मैं मुख्य न्यायाधीश रवींद्र विट्ठलराव घुगे को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उनका कार्यकाल कानून के शासन को और मजबूत करे, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करे और हमारे राज्य के हर नागरिक के लिए त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करे।'

संक्षिप्त खबरें

संगरूर मामले में आप ने राहुल गांधी को घेरा, कहा-कांग्रेस कर रही राजनीति

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। 'आप' नेता अनुराग ढांडा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संगरूर मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए। राहुल गांधी ने पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के इस्तीफे और संगरूर के रहने वाले गुलजार सिंह की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की है। राहुल गांधी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से वित्त मंत्री चीमा का इस्तीफा लेने और यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि निष्पक्ष जांच हो और एफआईआर में चीमा का नाम भी शामिल किया जाए। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए ढांडा ने कहा, 'मेरा मानना है कि राहुल गांधी को राजनीति नहीं करनी चाहिए। पंजाब के एक गांव में कांग्रेस के एक विधायक ने ठीक यही करने की कोशिश की लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें धक्का देकर बाहर निकाल दिया और भगा दिया।' ढांडा ने कहा, 'अकाली-भाजपा सरकार ने नशीली दवाओं का प्रसार किया और कांग्रेस सरकार ने उन्हें हर घर तक पहुंचाया। इन दोनों के कार्यकाल में स्थिति भयावह थी। इन लोगों ने पंजाब को नशे की लत में डुबो दिया।

पहली बार हम भविष्य की ओर उम्मीद से देख रहे, बना सकते हैं विकसित भारत : राजीव चंद्रशेखर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के जनसेवा के कार्यकाल के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि इतिहास में पहली बार देश भविष्य की ओर उम्मीद के साथ देख रहा है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भी देश में प्रधानमंत्री और सरकारें रही हैं और उनके बाद भी सरकारें आएंगी। हालांकि, पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति में जो बदलाव लाया है, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने राजनीति में सेवा की भावना पैदा की और राजनीतिक संस्कृति में 'सेवा' को एक बुनियादी बदलाव के रूप में स्थापित किया है। ऐसा बदलाव पहले कभी महसूस नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि 12 वर्षों की लगातार कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों के जीवन और भारत के भविष्य में बड़ा बदलाव लाया है। इसके लिए सभी को आभार व्यक्त करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने विधायकों से लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखने का किया आग्रह

विश्व केसरी■

ईटानगर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को विधायकों से लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने और अरुणाचल प्रदेश तथा देश के विकास और प्रगति के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

ईटानगर में अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने विधायी कामकाज में बातचीत, बहस और चर्चा के महत्व पर जोर दिया। बहस, चर्चा या हंगामे का नतीजा हमेशा किसी फैसले के रूप में निकलना चाहिए। स्वस्थ बहस लोकतंत्र को मजबूत करती है और रचनात्मक सहयोग राज्य और देश को आगे बढ़ाता है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश का रणनीतिक महत्व बहुत ज्यादा है, यहां की सांस्कृतिक विरासत समृद्ध है और प्राकृतिक संसाधन भरपूर हैं और यह देश की सीमाओं की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है। देश के बाकी हिस्सों की सुरक्षा, अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा सीमाओं की सुरक्षा से गहराई से जुड़ी हुई है। अरुणाचल प्रदेश हमारे देश की सीमाओं का गौरवशाली प्रहरी है और भारत की एकता और अखंडता का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि हमारी क्षेत्रीय आवाजें अलग-अलग हैं लेकिन हम एक दस्तावेज-हमारे संविधान, एक विजन-राष्ट्र प्रथम, और एक लक्ष्य-विकसित भारत 2047 से एकजुट हैं। उपराष्ट्रपति मंगलवार को दो दिन की यात्रा पर मणिपुर से अरुणाचल प्रदेश पहुंचे।

उन्होंने ईटानगर में विधानसभा गैलरी-सह-संग्रहालय 'न्येदार नामलो', जवाहरलाल नेहरू राज्य संग्रहालय और सुनने और देखने में अक्षम लोगों के लिए 'डोनी पोलो मिशन स्कूल' का भी दौरा किया।

आधिकारिक एक्स अकाउंट पर मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि ईटानगर में अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का संबोधन सुनना एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव था।

पश्चिम बंगाल : 90 लाख रुपए कीमत के 681 ग्राम सोने के बिस्कुट बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कूचबिहार जिले के दिनहाटा पुलिस स्टेशन के तहत साहिबगंज इलाके में गाड़ियों की रूटीन चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया और 600 ग्राम से ज्यादा वजन के सोने के पांच बिस्कुट जब्त किए, जिनकी कीमत 90 लाख रुपए से ज्यादा है।

सीमा पार तस्करी के बारे में मिली खास जानकारी के आधार पर पुलिस की एक टीम ने मंगलवार रात साहिबगंज रोड पर चेकिंग बढ़ा दी। पुलिस ने चौधरीहाट पंचायत के रहने वाले रेजाउल हक नाम के संदिग्ध व्यक्ति को रोका, जब उसके कपड़ों में छिपा हुआ प्रतिबंधित सामान मिला।

पुलिस के मुताबिक, पुलिसकर्मी सड़क पर नाका चेकिंग कर रहे थे, तभी उन्हें एक व्यक्ति संदिग्ध हरकतें करते हुए दिखाई दिया। तलाशी के दौरान उस व्यक्ति ने अपनी शर्ट ऊपर उठाई, जिसके बाद पुलिस ने उसकी पैंट की बेल्ट में छिपाकर रखे गए सोने के पांच बिस्कुट देखे। पुलिस ने उस व्यक्ति से पूछताछ की, लेकिन शुरू में उसने सोने के स्रोत के बारे में कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। बाद में उसे हिरासत में ले लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया।

कर्नाटक : मंत्री सतीश जारकीहोली के ठिकानों पर 9 घंटे तक ईडी की छापेमारी, समर्थकों ने किया विरोध प्रदर्शन

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली के सरकारी आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी बुधवार को लगातार नौ घंटे तक जारी रही। यह कार्रवाई कथित वित्तीय अनियमितताओं और विदेशी निवेश से जुड़े मामले की जांच के तहत की गई है।

छापेमारी के दौरान जारकीहोली के समर्थक उनके बेंगलुरु स्थित सरकारी आवास के बाहर एकत्र हुए और ईडी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। समर्थकों के हाथों में पोस्टर भी थे, जिन पर 'केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली ईडी', 'नफरत की राजनीति बंद हो, लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाया जाए' और 'ईडी के दबाव की राजनीति के आगे नहीं झुकेंगे' जैसे संदेश लिखे थे। ईडी की कार्रवाई सुबह करीब 7 बजे शुरू हुई और कई घंटों तक जारी रही। सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के तहत कुल 18 स्थानों पर छापेमारी की जा रही थी। मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस तैनात रही, जबकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी मौजूद थे।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान सतीश जारकीहोली से पूछताछ की और उनके बयान दर्ज किए। बेंगलुरु के डॉलर कॉलोनी स्थित उनके आवास की तलाशी पूरी होने के बाद अधिकारी कुछ दस्तावेज और अन्य सामग्री अपने साथ ले गए। जांच के दौरान अधिकारियों ने मंत्री के परिसर में खड़ी गाड़ियों की भी गहन जांच की। बताया गया कि ईडी ने तलाशी के दौरान एक बढ़ई को भी बुलाया, जो एक घंटे से अधिक समय तक घर में रहा। छापेमारी लंबी चलने के कारण ईडी टीम ने बाहर से खाना भी मंगाया।

शपथ पत्र

मै रामबती बघेल आयु 55 वर्ष पति घासीराम बघेल निवासी ग्राम हाउस न0 11 भाटागुडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 छ0ग0 की निवासी हूँ शपथ पूर्वक निम्न कथन प्रस्तुत करती हूँ।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 2358 9575 8649 में नाम रामवती बघेल पति घासीराम **(RAMVATI BAGHEL W/0 GHASIRAM)** दर्ज है जो कि मेरे नाम कि स्पेलिंग त्रुटिपूर्ण है एवं मेरे पति के नाम पर उपनाम बघेल दर्ज नही है जिससे त्रुटिपूर्ण है।

यह कि मेरे मतदाता परिचय पत्र कमांक **MP/020/151/435492** में मेरा नाम रामबती बघेल पति घासीराम बघेल **(RAMBTI BAGHEL W/0 GHASIRAM BAGHEL)** दर्ज है जो कि वास्तविक व सही है।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 2358 9575 8649 मे नाम रामवती बघेल पति घासीराम **(RAMVATI BAGHEL W/O GHASIRAM)** को सुधार कर मेरे मतदाता परिचय पत्र में दर्ज मेरा नाम रामबती बघेल पति घासीराम बघेल **(RAMBTI BAGHEL W/0 GHASIRAM BAGHEL)** को दर्ज कराना चाहती हूँ।

भविष्य में मेरे नाम के संबंध में कोई विवाद या संघर्ष उत्पन्न होता है। तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी।

अतः यह शपथ पत्र मेरे नाम की सूचना छत्तीसगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित किये जाने बाबत् प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
रामबती बघेल

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र /....35061..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35061
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227B00096** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **OMKAR PRASAD THAKUR** पिता / पति श्री/श्रीमती **HARAKCHAND THAKUR** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. प्रतिमा ठाकुर 2. दिव्यांक ठाकुर 3. शुभांक ठाकुर पिता/पति श्री श्रीमती स्व. ओंकार प्रसाद ठाकुर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक पा दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र /....35062..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35062
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227R00549** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. BHUNESHWARI SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **SURYA PRAKASH SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती उपेन्द्र कुमार त्यागी पिता/पति श्री श्रीमती स्व. हरवंश सिंह त्यागी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र /....35171..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35171
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227J0181A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SEKH NAJIR** पिता/पति श्री श्रीमती **USMAN BAKS** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती शेख वसीम पिता/पति श्री श्रीमती स्व. शेख नजीर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सहमती पत्र, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र /....35064..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35064
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227L0132C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANTOSH BAJAJ** पिता/पति श्री श्रीमती **GHANSHAYAM BAJAJ** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/श्रीमती रोशन अंसारी पिता/पति श्री श्रीमती अब्दुल्ला अंसारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र /....35063..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35063
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227100025** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JASMEEN IQUBAL** पिता/पति श्री श्रीमती **ABDUL KARIMAHAMMED** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती सरोज अग्रवाला पिता/पति श्री श्रीमती भजन अग्रवाला** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
-: : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र /....35140..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35140
वार्ड का नाम - 31- नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328L00409** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **DILIP MISHRA** पिता/पति श्री/श्रीमती **A. MISHRA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती श्रीमती प्रकाश वोरा पिता/पति श्री श्रीमती स्व. गोविन्दलाल वोरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र /....35199..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35199
वार्ड का नाम 5 बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR105C0357A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BALLU RAM YADAV** पिता / पति श्री/श्रीमती **PARAS RAM DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **VIKRAM YADAV** पिता / पति श्री / श्रीमती **BALLU RAM YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SEHMATI PATRA sapath patra ta& rasid /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र /....35187..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35187
वार्ड का नाम 5 बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR105C0434A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **ANJU NAIN** पिता / पति श्री/श्रीमती **BHUPENDRA NAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **KUMARI SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **RAM LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **Sapth patra MALMA BIKRI NAMA ADHAR card ta& rasid /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र /....34884..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34884
वार्ड का नाम 5 बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR105D00177** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GIRIRAJ VYAS** पिता / पति श्री / श्रीमती **RAMAN LAL VYAS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती MADHU PANDEY पिता / पति श्री/श्रीमती **RAJU PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

बीएसपी ने निवासियों से जर्जर और अनुपयुक्त आवास खाली करने की अपील

विश्व केसरी■

भिलाई । संरचनात्मक रूप से असुरक्षित मकान निवासियों और परिवारों के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं, खासकर मानसून के दौरान।

भिलाई टाउनशिप में अनाधिकृत कब्जेदारो और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई जारी है।

भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) प्रबंधन ने भिलाई टाउनशिप में रहने के लिए अनुपयुक्त घोषित किए गए क्वार्टरों में रहने वाले निवासियों और अनाधिकृत कब्जेदारो से अपील की है कि वे जर्जर और संरचनात्मक रूप से असुरक्षित इमारतों से उत्पन्न होने वाली दुर्घटनाओं के संभावित जोखिम को देखते हुए जल्द से जल्द ऐसे परिसर खाली कर दें।

भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) प्रबंधन ने ऐसे कई मकानों को आवासीय उपयोग के लिए अनुपयुक्त और असुरक्षित घोषित कर दिया है। समय के साथ संरचनात्मक रूप से कमजोर हो चुकी ये इमारतें, विशेष रूप से मानसून के दौरान,

सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं। इनकी वर्तमान स्थिति को देखते हुए, ऐसे परिसरों में रहना निवासियों और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। देश के विभिन्न हिस्सों में संरचनात्मक रूप से कमजोर इमारतों से जुड़ी हाल की घटनाओं ने भी असुरक्षित ढांचों में रहने से जुड़े जोखिमों को उजागर किया है।

बीएसपी टाउनशिप में घरों पर अनाधिकृत कब्जे को गंभीरता से लेते हुए, नगर सेवा विभाग का प्रवर्तन अनुभाग अनाधिकृत कब्जेदारो और भूमि माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहा है। इन प्रवर्तन उपायों का उद्देश्य टाउनशिप को अनाधिकृत कब्जे और अतिक्रमण से मुक्त करना और एक सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आवासीय वातावरण सुनिश्चित करना है।

बीएसपी प्रबंधन ने दोहराया है कि जर्जर और रहने के अनुपयुक्त घोषित क्वार्टरों में रहना असुरक्षित है। इसलिए, ऐसे परिसरों में वर्तमान में रह रहे निवासियों और अनाधिकृत कब्जेदारो से अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के हित में उन्हें खाली करने का आग्रह किया गया है।

प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आवासों को समय पर खाली कराने से न केवल संभावित दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी, बल्कि इन परिसरों से संबंधित आवश्यक कार्रवाई को सुचारू रूप से पूरा करने में भी सहायता मिलेगी। यह पहल बीएसपी प्रबंधन के सुरक्षा मानकों को मजबूत करने, संरचनात्मक रूप से असुरक्षित इमारतों से उत्पन्न जोखिमों को रोकने और भिलाई टाउनशिप में एक सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवासीय वातावरण बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा

देवपुर जंगल में भालू का आतंक, हमले में दो ग्रामीण घायल

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार। जिले के वन परिक्षेत्र देवपुर में बुधवार तड़के भालू के हमले से दो ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सुबह करीब 5 बजे बीट क्रमांक 298 के जंगल क्षेत्र में हुई। अचानक हुए हमले के बाद इलाके के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, कोसमसरा, बया निवासी डमरू लाल यादव और कोसमसरा निवासी कमलेश बरिहा सुबह किसी कार्यवश जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान जंगल में मौजूद भालू ने दोनों पर अचानक हमला कर दिया। भालू के हमले में दोनों ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और वन विभाग की मदद से घायलों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए पिथौरा रेफर किया गया, जहां दोनों का इलाज जारी है।

घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। वन विभाग द्वारा घायलों के उपचार एवं नियमानुसार सहायता की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। वहीं, भालू के हमले की घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में भय का माहौल है। वन विभाग ने ग्रामीणों को विशेषकर सुबह के समय जंगल की ओर अकेले नहीं जाने और सतर्क रहने की सलाह दी है। वन विभाग की टीम द्वारा क्षेत्र में निगरानी भी की जा रही है।

ग्राम चवेला में ग्राम सभा का बड़ा फैसला, पूर्ण शराबबंदी लागू

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर। थाना भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम चवेला में नशे के खिलाफ ग्रामीणों ने एकजुट होकर बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। ग्राम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से गांव में पूर्ण शराबबंदी लागू करने का निर्णय लिया गया। ग्राम सभा ने स्पष्ट किया कि गांव में शराब का निर्माण करने वालों के खिलाफ ?50 हजार का अर्थदंड लगाया जाएगा। वहीं शराब का सेवन कर सार्वजनिक रूप से उपद्रव या अशांति फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गांव में नशे के खिलाफ लिए गए इस सामूहिक निर्णय को ग्रामीणों की सामाजिक जागरूकता और दृढ़ इच्छाशक्ति का उदाहरण माना जा रहा है। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने कहा कि शराब और अन्य नशीले पदार्थों के कारण परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ने के साथ-साथ सामाजिक वातावरण भी प्रभावित होता है। ऐसे में गांव को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। ग्राम सभा के निर्णय को प्रभावी ढंग से लागू करने और नशे से जुड़ी गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए 16 सदस्यीय नशा उन्मूलन समिति का गठन किया गया है। समिति एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर के नेतृत्व में काम करेगी। समिति के सदस्य गांव में शराब बनाने, बेचने अथवा अन्य नशीली गतिविधियों की जानकारी जुटाने के साथ ही ऐसी गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को देंगे।

समिति का उद्देश्य केवल कार्रवाई तक सीमित न रहकर ग्रामीणों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता पैदा करना और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना भी रहेगा। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस प्रशासन की सक्रिय भूमिका की ग्रामीणों ने सराहना की। ग्रामीणों का कहना है कि एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर द्वारा नशे के खिलाफ जागरूकता के साथ-साथ अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की नीति से ग्रामीणों का पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है।ग्रामीणों ने कहा कि यदि पुलिस और समाज मिलकर नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाएं तो गांवों में अवैध शराब और अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। शराब पीकर उपद्रव करने वालों के खिलाफ पुलिस की सख्ती से गांव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ तेलुगू महासंगम द्वारा नारी संगम, सावन उत्सव एवं शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर । नारी संगम, छत्तीसगढ़ तेलुगु महासंघम, रायपुर द्वारा सावन उत्सव एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन रविवार, 6 सितंबर 2026 को दोपहर 3:00 बजे से शाम 9:00 बजे तक उल्लास भवन, ऑफिसर्स क्लब, WRS कॉलोनी, रायपुर में संपन्न हुवा ।

कार्यक्रम में सावन उत्सव के साथ नृत्य, म्यूजिकल गेम्स, सावन क्वीन एवं गडपा सजावट जैसी मनोरंजक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के साथ ही समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों का सम्मान किया गया । समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी वर्मा, सदस्य राज्यसभा, श्रीनिवास मद्दी, अध्यक्ष CG Beverage Corporation, डॉ.

श्रीमती ममता साहू, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ महिला आयोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डा कृतिका जैन पार्षद देवेन्द्र नगर तथा श्री तेजेश्वर दीवान डी एस पी पुलिस भी उपस्थित थे, दीवान द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को cyber Security Awareness Program के माध्यम से साइबर अपराधों से बचाव एवं डिजिटल सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी ।

यह कि नारी संगम, छत्तीसगढ़ तेलुगु महासंघम, रायपुर का महिला प्रकोष्ठ है जो छत्तीसगढ़ राज्य में तेलुगु समाज की आवाज एवं पहचान को सशक्त बनाने के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्यरत है।

कार्यक्रम आयोजन समिति के ए श्रीदेवी, के उषा, ए कल्याणी, बी अनुराधा , एस झाँसी लक्ष्मी, डी स्वाति, सी गिरिजा , ज्योति प्रसाद , बी अनिता एवं एम इंदु ने अतिथियों का सम्मान किया ।

कार्यक्रम का संचालन राजी पात्रो, श्रीदेवी पटनायक, सीएच ज्योति आर रामलक्ष्मी एवं राधा नायडू ने किया । आभार प्रदर्शन पी गिरिजा ने किया । कार्यक्रम में तेलुगू समाज की लगभग 250 महिलाओं ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लिया ।

सांस फूलती थी, धड़कन बढ़ जाती थी... जांच में मिला दिल में छेद, बिना ओपन हार्ट सर्जरी के हुआ इलाज

विश्व केसरी■

रायपुर । जशपुर के छोटे से गांव जैकुदर की 8 वर्षीय स्वर्णि बाई अब सामान्य जिंदगी की ओर लौट रही है। कभी बार-बार छाती में संक्रमण, सांस लेने में तकलीफ और तेज धड़कन से परेशान रहने वाली स्वर्णि के दिल में जन्मजात विकार का पता चला। समय पर जांच और उचित रेफरल के बाद रायपुर में उसका बिना ओपन हार्ट सर्जरी के सफल उपचार किया गया। दुलदुला विकासखंड के जैकुदर गांव की प्राथमिक शाला में पढ़ने वाली स्वर्णि को लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी थी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) अंतर्गत बच्चे की स्वास्थ्य जांच में हृदय संबंधी रोग का पता चला। जांच में उसके हृदय में Large Type-A PDA (Patent Ductus Arteriosus) पाया गया। छेद का आकार करीब 5.4 मिलीमीटर था और हृदय में रक्त का असामान्य प्रवाह हो रहा था। विशेषज्ञ उपचार के लिए उसे रायपुर स्थित निजी अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल मे भर्ती करने के बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आवश्यक जांच की और बिना ओपन हार्ट सर्जरी के कैथेटर आधारित डिवाइस क्लोजर से PDA को बंद करने का निर्णय लिया। इस दौरान 8/10 mm Lifetech Heart R PDA Occluder की मदद से प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। प्रक्रिया के बाद की जांच में डिवाइस सही स्थिति में पाया गया और किसी तरह का लीकेज या रेजिडुअल शंट नहीं मिला। हृदय की कार्यक्षमता भी सामान्य पाई गई। स्थिति संतोषजनक होने पर स्वर्णि को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

समय पर हुई पहचान, उचित रेफरल और विशेषज्ञ उपचार ने स्वर्णि को गंभीर जन्मजात हृदय रोग से राहत दिलाई। यह मामला इस बात का भी उदाहरण है कि बच्चों में बार-बार छाती में संक्रमण, सांस लेने में परेशानी, जल्दी थकान या असामान्य तेज धड़कन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर स्क्रीनिंग और उपचार से जन्मजात हृदय रोग से प्रभावित बच्चों को स्वस्थ और सामान्य जीवन की ओर लौटाया जा सकता है।

खेल प्रशिक्षकों के सम्मान समारोह में गुरु, लक्ष्य और समर्पण का संदेश

भानुप्रतापपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा खेल एवं फिटनेस अकादमी के प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी अंबर सिंह भारद्वाज ने प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में मानसिक दक्षता के साथ शारीरिक दक्षता और सही मार्गदर्शन भी बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि हर सफलता के पीछे गुरु और प्रशिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिस प्रकार घोड़े को सही दिशा देने के लिए घुड़सवार की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार खिलाड़ी और विद्यार्थी को भी सही दिशा दिखाने के लिए गुरु की जरूरत होती है। जामवंत जी द्वारा हनुमान जी को उनकी शक्ति का स्मरण कराने का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गुरु व्यक्ति को उसकी क्षमता पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।

स्कूल समय से पहले बंद, बच्चों को छुट्टी देकर कहां जाते हैं हेडमास्टर

विश्व केसरी■

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। एक तरफ समाज में डॉक्टर को जीवन बचाने और शिक्षक को ज्ञान देने के कारण सम्मान के साथ भगवान का दर्जा दिया जाता है, वहीं दूसरी तरफ यदि कोई शिक्षक अपने कर्तव्यों से विमुख होकर नौनिहालों की पढ़ाई के साथ लापरवाही करे तो यह पूरी शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ऐसा ही एक मामला कसडोल विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला चकरबाय से सामने आया है, जहां ग्रामीणों की शिकायत के बाद स्कूल पहुंचे शिक्षा विभाग के विधायक प्रतिनिधि को स्कूल में ताला लगा मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल के हेडमास्टर ने निर्धारित समय से पहले ही बच्चों की छुट्टी कर दी और स्वयं भी स्कूल से चले गए। **11:30 बजे ही बच्चों को छुट्टी देने**

का आरोप

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को शिक्षा विभाग के विधायक प्रतिनिधि विजय साहू ग्रामीणों की शिकायत के बाद शासकीय प्राथमिक शाला चकरबाय पहुंचे। इस दौरान स्कूल में ताला लगा हुआ था। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल के हेडमास्टर कुमार रात्रे ने करीब 11:30 बजे ही बच्चों को छुट्टी देकर स्कूल बंद कर दिया और वहां से चले गए।ग्रामीणों का कहना है कि निर्धारित समय से पहले स्कूल बंद किए जाने का यह मामला पहली बार नहीं है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हेडमास्टर द्वारा कथित तौर पर अक्सर बिना पर्याप्त कारण बच्चों को समय से पहले छुट्टी दे दी जाती है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

अंदरूनी क्षेत्रों के स्कूलों में पहुंचीं सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अंजनी मंडावी

दुर्गूकोंदल। विकासखंड के अंदरूनी एवं दुर्गम क्षेत्रों में संचालित विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों की सीखने की स्थिति एवं विद्यालयीन गतिविधियों का जायजा लेने मंगलवार को सहायक खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती अंजनी मंडावी ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान संकुल प्राचार्य श्री ओमप्रकाश भी उनके साथ मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला नरेटी टोला, प्राथमिक शाला सोनपाल, प्राथमिक शाला मिचेवाड़ा एवं माध्यमिक शाला हामतवाही सहित चिखली-1 एवं चिखली-2 संकुल क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। उन्होंने शिक्षक डायरी, विभिन्न पंजियों एवं विद्यालयीन अभिलेखों का निरीक्षण कर उनके नियमित एवं व्यवस्थित संधारण के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को समय-सीमा में दूर करने तथा विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने नवाचार आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता के अनुरूप शिक्षण कार्य करने पर जोर दिया।

सहायक खंड शिक्षा अधिकारी ने जवाहर नवोदय विद्यालय एवं प्रयास प्रवेश परीक्षा की तैयारियों की भी समीक्षा की। जिन विद्यालयों में परीक्षा की तैयारी नियमित रूप से संचालित नहीं हो रही थी, वहां संबंधित विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों को विशेष कक्षाएं प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संकुल स्तर पर भी कोचिंग कक्षाओं का संचालन शुरू करने के लिए संकुल समन्वयकों को निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर प्रतिभावान विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें नियमित अभ्यास कराया जाए।

शिक्षा और गांव के विकास के लिए सरपंच सरपंच संतोष कुमार कश्यप का अनूठा समर्पण

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन झा)। आज जहां ज्यादातर सरपंच ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना और गांवों का विकास करना छोड़ अवैध कमाई में व्यस्त हो जाते हैं, सरकारी धन को लूटने में मगन हो जाते हैं, ऐसे दौर में बस्तर जिले में एक सरपंच ऐसा भी है, जिसने जनसेवा, प्रकृति संरक्षण, ग्राम विकास और गांव में शिक्षा की अलख जगाने को अपना कर्म-सिद्धांत बना लिया है। धुन का पक्का यह सरपंच दिन रात ग्रामीणों की भलाई में लगा रहता है। इस सरपंच की एक बड़ी ही प्रेरणादायक पहल सामने आई, जो शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक है। ये सरपंच जी अपनी पंचायत के विद्यार्थियों को खुद निशुल्क कोचिंग देते आ रहे हैं। अब तो उन्होंने पंचायत में एक उत्कृष्ट कोचिंग सेंटर भी खोल दिया है, जहां सरपंच सहित गांव के

कुछ शिक्षित युवा बच्चों को विषयवार पढ़ाई कराते हैं।

एक सरपंच की यह प्रेरक पहल सामने आई है बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड की ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा से। यहां शिक्षित युवा संतोष कुमार कश्यप सरपंच चुने गए हैं। मूलत: कृषक परिवार से ताल्लुक संतोष कुमार कश्यप ने अन्य युवाओं की तरह सरकारी नौकरी के पीछे भागना छोड़ जनसेवा को अपना मिशन बनाया, अपने शैक्षणिक ज्ञान का उपयोग गांव के बच्चों को प्रतिभाशाली बनाने में करने की ठान ली। पंचायत चुनाव में ग्रामीणों ने उन्हें भरपूर स्नेह देते हुए अपना सरपंच चुन लिया। सबका साथ, सबका, सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने सरपंच चुने के बाद से ही ग्रामीणों के विश्वास पर खरा उतरना शुरू कर दिया। गांव के विकास की योजना ग्रामीणों के साथ मिल बैठकर तैयार करने की नई परंपरा शुरू की गई। शासन की योजनाओं का लाभ गांव के जरूरतमंद और पात्र परिवारों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।ग्रामीणों के हर सुख दुख में हर पल साथ खड़े रहने वाले सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने इसके अलावा ग्रामीण बच्चों की शिक्षा पर विशेष रूप से फोकस किया।

पदोन्नति के पदों पर संविदा भर्ती के विरोध में नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन का तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन

विश्व केसरी■

रायपुर. पदोन्नति के पदों पर की गई संविदा नियुक्तियों के विरोध तथा नर्सिंग संवर्ग से संबंधित विभिन्न मांगों को लेकर नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ द्वारा तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया है। इसी क्रम में प्रदर्शन के प्रथम दिन डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर परिसर में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया गया।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन के माध्यम से नर्सिंग संवर्ग की विभिन्न लंबित मांगों के निराकरण के लिए शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है। संघ द्वारा कुल दस सूत्रीय मांगें

रखी गई हैं।

संघ की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं-

1. नर्सिंग डेमोंस्ट्रेटर एवं सहायक प्राध्यापक पदों पर की गई संविदा नियुक्तियों को निरस्त कर पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, बीएससी नर्सिंग एवं एमएससी नर्सिंग की योग्यता रखने वाले नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारियों को वरिष्ठता सूची के आधार पर नर्सिंग डेमोंस्ट्रेटर एवं सहायक प्राध्यापक पद पर पदोन्नति दी जाए।

2.नर्सिंग डेमोंस्ट्रेटर के 22 तथा सहायक प्राध्यापक के 18 पदों के लिए स्वीकृत सीधी भर्ती के आदेश के बावजूद सीधी भर्ती का विज्ञापन जारी न कर चिकित्सा शिक्षा विभाग के पात्र नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारियों को पदोन्नति का अवसर दिया जाए।

3.चिकित्सा शिक्षा विभाग के नर्सिंग संवर्ग के ग्रेड-पे एवं वेतनमान में वृद्धि से संबंधित प्रस्ताव को शासन स्तर पर भेजकर शीघ्र स्वीकृति आदेश जारी किया जाए।

4.नर्सिंग ऑफिसर एवं सीनियर नर्सिंग ऑफिसर पदनाम से संबंधित घोषणा के अनुरूप आदेश शीघ्र जारी किए जाएं।

5.नर्सिंग अलाउंस 7,200 रुपये तथा वॉशिंग अलाउंस 1,800 रुपये प्रतिमाह प्रदान किया जाए।

6.संविदा एवं कलेक्टर दर पर कार्यरत स्टाफ नर्सों के लिए न्यूनतम 40,000 रुपये प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया जाए।

7.नर्सिंग सिस्टर, सहायक नर्सिंग अधीक्षक, उप नर्सिंग अधीक्षक, डेमोंस्ट्रेटर एवं सह प्राध्यापक के पदों पर लंबित पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए।

8.स्टाफ नर्सों के रिक्त पदों पर नियमित भर्ती की जाए तथा पूर्व से कार्यरत संविदा एवं कलेक्टर दर के स्टाफ नर्सों को नियमित पदों पर प्राथमिकता दी जाए।

9.समयमान वेतनमान से संबंधित आदेश शीघ्र जारी किए जाएं।

10. नर्सिंग छात्र-छात्राओं को वर्ष 1998-99 से 1,500 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है। संघ के अनुसार पिछले 27 वर्षों में इसमें वृद्धि नहीं हुई है। स्टाइपेंड बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रतिमाह किया जाए।

राजिम एसडीओ के सरकारी बंगले में 11 कर्मचारियों की कथित तैनाती; नियम, आदेश और खर्च पर उठे बड़े सवाल

विश्व केसरी■

गरियाबंद/राजिम । सरकारी सेवा में अधिकारियों को शासन की ओर से सुविधाएं इसलिए उपलब्ध कराई जाती हैं, ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन बेहतर तरीके से कर सकें। लेकिन गरियाबंद वन मंडल के राजिम में पदस्थ रहे पूर्व उप वनमंडलाधिकारी विकास चंद्राकर के कार्यकाल को लेकर सामने आ रही चर्चाओं ने सरकारी सुविधाओं के इस्तेमाल और कर्मचारियों की तैनाती पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि राजिम में पदस्थापना के दौरान सरकारी बंगले में अधिकारी की सेवा-सुविधा के लिए एक-दो नहीं, बल्कि कथित तौर पर करीब 11 कर्मचारी लगाए गए थे। दावा किया जा रहा है कि इन कर्मचारियों से खाना बनाने, साफ-सफाई सहित अलग-अलग घरेलू कार्य कराए जाते थे। यदि यह आरोप सही पाया जाता है तो मामला केवल कर्मचारियों की संख्या तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारी मानव संसाधन और सरकारी धन के कथित दुरुपयोग का गंभीर विषय बन सकता है।

'साहब' के सरकारी बंगले में 11 कर्मचारी क्यों ?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सरकारी बंगले में इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों की तैनाती की आवश्यकता क्यों पड़ी ?क्या इन सभी कर्मचारियों को विभागीय कार्य के लिए अधिकृत रूप से तैनात किया गया था ?

क्या इसके लिए सक्षम अधिकारी से लिखित अनुमति ली गई थी ?

क्या कर्मचारियों की तैनाती का कोई आदेश जारी हुआ था ?

क्या उनकी ड्यूटी सरकारी कार्यों में थी या सरकारी आवास की व्यक्तिगत सेवा-सुविधाओं में ?

इन सवालों का जवाब यदि विभागीय रिकॉर्ड में मौजूद है तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सके।

खाना, सफाई और बच्चों की देखरेख तक के आरोप।

संपादकीय

छत्तीसगढ़ का जीवंत उत्सव पोला तिहार

आचार्य ललित मुनि

हमारी लोक संस्कृति के तीज-त्यौहारों में मनुष्य और प्रकृति के बीच बने आत्मीय संबंधों की बेल भी गुंथी हुई दिखाई देती है। लोकपर्वों में कहीं वृक्षों की पूजा होती है, कहीं नदियों और जलस्रोतों की, कहीं अन्न की तो कहीं पशुधन की। छत्तीसगढ़ में भादो मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला पोला (पोरा) तिहार विशेष रूप से बैलों के सम्मान और कृषि जीवन के प्रति कृतज्ञता का पर्व है।

खेती के पुराने दौर को देखें तो बैल किसान के सबसे महत्वपूर्ण साथी रहे हैं। हल चलाने से लेकर खेत तैयार करने और अनाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने तक बैलों का उपयोग होता रहा है। इसीलिए किसान के लिए बैल केवल पशु नहीं, उसकी खेती और गृहस्थी के सदस्य रहे हैं।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'दो बैलों की कथा' याद आती है, जिसमें हीरा और मोती नाम के दो बैल हैं। खेती में जितना परिश्रम मनुष्य करता है, उतना ही परिश्रम बैल भी करते हैं। किसान और बैल अपनी-अपनी शक्ति के अनुसार मिलजुलकर खेती का काम पूरा करते हैं। यही कारण है कि पोला तिहार में किसान अपने इस सहयोगी के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करता है।

पोला का संबंध केवल बैलों से नहीं, खेत में खड़ी धान की फसल से भी है। इस समय धान की बालियों में दूध भरने लगता है। स्थानीय बोली में इसे धान का पोटराना कहा जाता है। बालियों में दूध भरने और उनके विकसित होने की इस प्रक्रिया को ग्रामीण जीवन में गर्भ धारण करने के भाव से देखा गया है। इसी कारण पोला से जुड़ा एक नाम गर्भाही तिहार

भी है। किसान के लिए धान केवल अन्न पैदा करने वाला पौधा नहीं है। वह बेटी की तरह है, जिसके भीतर नया जीवन विकसित हो रहा है। जैसे गर्भ धारण करने वाली बेटी के लिए मायके से सधौरी भेजी जाती है, उसी तरह धान के पौधों में पोटराने पर किसान उसके प्रति अपना स्नेह प्रकट करता है। इसी भाव से पोला के दिन खेत में चीला चढ़ाने की परंपरा है। किसान घर में गेहूं अथवा चावल का चीला बनवाता है, पूजा की सामग्री लेकर खेत की मेड़ पर जाता है और पूजा-अर्चना कर चीला अर्पित करता है। कामना यही होती है कि फसल पुष्ट हो, उसमें रोग-दोष न लगे और खेत अनाज से भर जाए।

पोला की पूर्व रात्रि में जब गांव के अधिकांश लोग निद्रालीन होते हैं, तब गांव के गणमान्य किसान बैगा के साथ मिलकर ग्राम देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। गांव के भीतर और बाहर, खेत-खार में स्थित देवी-देवताओं के स्थानों पर होम-धूप और नारियल चढ़ाया जाता है। अच्छी फसल और रोगमुक्त खेती की कामना की जाती है। इससे पता चलता है कि खेती केवल खेत में बीज डाल देने का काम नहीं थी। खेत, पशुधन, ग्रामदेवता, किसान और प्रकृति सभी एक ही जीवन चक्र का हिस्सा थे।

पोला का एक सुंदर पक्ष बच्चों से जुड़ा है। तिहार के कुछ दिन पहले बाजारों में मिट्टी के नांदिया बैल और गृहस्थी के सामान बिकने लगते हैं। जांता, चूल्हा, हंडी, पोरा, कनौजी जैसे मिट्टी के सामान बच्चों को आकर्षित करते हैं। पूजा के लिए मिट्टी के बैलों का जोड़ा लाया जाता है। उनमें बांस की खपच्चियों से चक्के लगाए जाते हैं, राखी बांधकर श्रृंगार किया जाता है। फिर होम-धूप देकर चीला चढ़ाया जाता है।

पूजा के बाद लड़के नांदिया बैलों को चलाते हैं और लड़कियां मिट्टी के चूल्हा, चक्की, हंडी आदि से घर-गृहस्थी का खेल खेलती हैं। यह खेल देखने में साधारण लगता है, लेकिन इसके भीतर ग्रामीण जीवन की पूरी तस्वीर दिखाई देती है। खेल-खेल में बच्चे खेती, पशुधन और गृहस्थी से जुड़े कामों को समझते हैं। इस तरह लोक परंपरा अगली पीढ़ी तक सहज रूप से पहुंचती रहती है। पोला के दिन सुबह बैलों को नहलाया जाता है। उनके सींगों को रंग से पोता जाता है, देह पर रंग-बिरंगे छल्ले बनाए जाते हैं और खुर भी रंगे जाते हैं। पूजा-पाठ के बाद उनकी आरती उतारी जाती है। नौजवान अपनी बैल जोड़ी को घुंघरू और घंटी से सजाते हैं। जिस बैल के साथ किसान पूरे वर्ष खेत में मेहनत करता है, उसी को इस दिन सजा-संवारकर सम्मान दिया जाता है।

विनोबा भावे के भुदान एवं सर्वोदय में सबका विकास संभव

ललित गर्ग

जब कोई राष्ट्र आर्थिक समृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर बढ़ता है, तब उसके सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा होता है-क्या विकास केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम है अथवा मनुष्य के भीतर नैतिकता, करुणा, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी का विकास भी उसका अनिवार्य हिस्सा है? आज भारत 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'समृद्ध भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आचार्य विनोबा भावे का जीवन और चिंतन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव मनुष्य का चरित्र है। 11 सितंबर को विनोबा भावे की जयंती है। उनका मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। वे महात्मा गांधी के निकट सहयोगी, स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक, अध्यात्मद्रष्टा और सर्वोदय आंदोलन के प्रणेता थे। लेकिन उन्हें केवल गांधीजी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में देखना उनके विराट व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। विनोबा की अपनी स्वतंत्र वैचारिक भूमि थी। वे संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम से प्रेरित थे, भगवद्गीता उनके जीवन का आध्यात्मिक आधार थी और समाज-परिवर्तन उनके चिंतन का व्यावहारिक पक्ष।

विनोबा का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने आध्यात्मिकता को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ा। भूदान आंदोलन इसका अद्भुत उदाहरण है। वे गाँव-गाँव पैदल गए और भूमिधरों से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों के लिए दान करने का आग्रह किया। यह केवल भूमि का हस्तांतरण नहीं था, बल्कि स्वामित्व की मानसिकता से साझेदारी की चेतना की ओर बढ़ने का प्रयास था। आगे चलकर भूदान से ग्रामदान की अवधारणा विकसित हुई-'सारी भूमि गोपाल की।' इसमें आर्थिक न्याय के साथ सामाजिक समरसता और नैतिक उत्तरदायित्व का संदेश छिपा था। विनोबा का विश्वास था कि समाज को केवल कानूनों से नहीं, अंतरात्मा के जागरण से बदला जा सकता है। यही दृष्टि उन्हें सर्वोदय तक ले गई-ऐसा समाज जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और किसी के उत्थान की कीमत दूसरे के शोषण से न चुकानी पड़े। चंबल के डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना उनके नैतिक नेतृत्व की शक्ति का प्रमाण था। उनके भीतर ऐसा विश्वास था कि मनुष्य मूलत: परिवर्तनशील है, आवश्यकता उसके भीतर की अच्छाई को जगाने की है।

विनोबा भावे और अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के बीच भी इसी नैतिक चेतना की गहरी साम्यता थी। जब आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से व्यक्ति-निर्माण और नैतिक जागरण का अभियान प्रारंभ किया, तब अनेक राष्ट्रीय व्यक्तित्वों ने उनके प्रयासों को सहयोग और समर्थन दिया। विनोबा भावे उनमें प्रमुख थे। दोनों महापुरुष समय-समय पर मिलते रहे और देश के निर्माण में नैतिक मूल्यों की अनिवार्यता पर गंभीर विचार-विमर्श करते रहे। उनकी दृष्टि में राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था तभी स्वस्थ हो सकती है, जब उनका संचालन नैतिक मनुष्य के हाथों में हो। दोनों की पदयात्राओं में भी एक आत्मीय जुड़ाव दिखाई देता है। पदयात्रा उनके लिए केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का माध्यम नहीं थी, वह जन-संपर्क, जन-जागरण और आत्म-संपर्क की साधना थी। विनोबा कहा करते थे कि पैदल चलने से धरती का स्पर्श होता है और प्रकृति के साथ संबंध गहरा होता है। उनके विचारों की यह अनुभूति मुझे स्वयं भी हुई। अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी

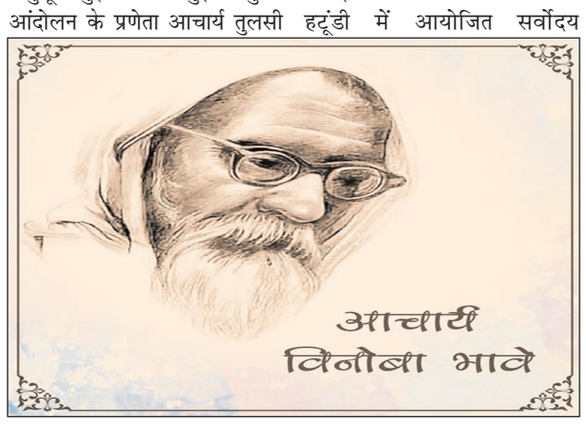

के साथ अनेक वर्षों तक पैदल चलने का अवसर मिला। मैंने अनुभव किया कि पैदल यात्रा केवल शरीर को गतिशील नहीं करती, वह मन और मस्तिष्क के बंद द्वार भी खोलती है। रास्ते में मिलने वाला सामान्य व्यक्ति भी शिक्षक बन जाता है और जीवन स्वयं एक खुली पाठशाला बन जाता है।

मेरे परिवार का विनोबा भावे से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरे लिए अत्यंत भावपूर्ण है। मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूप गर्ग और माता स्व. श्रीमती सत्यभामा गर्ग सर्वोदय कार्य से जुड़े हुए थे। वर्ष 1959 में विनोबा भावे पदयात्रा करते हुए अजमेर आए। उन्हें जानकारी मिली कि उनकी कार्यकर्त्री सत्यभामा गर्ग कैंसर से पीड़ित हैं और जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। वे उनसे मिलने इमली मोहल्ले की संकरी गलियों से होते हुए तीसरी मंजिल तक गए और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। यह घटना बताती है कि विनोबा का नेतृत्व केवल बड़े मंचों और आंदोलनों तक सीमित नहीं था। वे व्यक्ति के दुख को अपना दुख मानने वाले करुणाशील संत थे। इसी क्रम में अजमेर के निकट हटूंडी में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन का प्रसंग भी उल्लेखनीय है। मेरे पिता सर्वोदय के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उस सम्मेलन में वे आचार्य तुलसी के शिष्य मुनि राकेश कुमार जी को भी लेकर गए। वहां विनोबा भावे के साथ उनकी लंबी और सार्थक चर्चाएँ हुईं। यह केवल दो विचारधाराओं का संवाद नहीं था, बल्कि उस समय के दो नैतिक प्रवाहों का मिलन था-सर्वोदय की सामाजिक चेतना और अणुव्रत की व्यक्तिगत नैतिक साधना। दोनों का लक्ष्य अंतत: एक ही था-मनुष्य बदले, समाज बदले और राष्ट्र नैतिक शक्ति के आधार पर आगे बढ़े।

विनोबा का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महान व्यक्तित्वों का मूल्यांकन उनकी उपलब्धियों के साथ उनकी मानवीय सीमाओं और ऐतिहासिक संदर्भों में भी होना चाहिए। आपातकाल के दौरान उनके 'अनुशासन पर्व' संबंधी कथन ने उनके सार्वजनिक जीवन पर प्रश्न भी खड़े किए। किंतु किसी एक राजनीतिक प्रसंग से उनके पूरे जीवन के सामाजिक, आध्यात्मिक और रचनात्मक योगदान को नकारना उचित नहीं होगा। महापुरुषों को मूर्ति बनाकर पूजना जितना आसान है, उनके विचारों को आलोचनात्मक समझ के साथ जीवन में उतारना उतना ही कठिन। विनोबा ने अपने जीवन के अंतिम चरण में जैन धर्म की संलेखना-संथारा की भावना से प्रेरित होकर भोजन और दवा का त्याग किया और 15 नवंबर 1982 को देह का परित्याग किया। उनका जीवन कर्म, चिंतन, त्याग और लोकमंगल की निरंतर यात्रा था।

आज भारत विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत कर रहा है। डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, स्टार्टअप, विज्ञान और तकनीक हमें नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। लेकिन विकसित भारत का वास्तविक अर्थ तब पूरा होगा, जब विकास के साथ विवेक भी बढ़े, संपन्नता के साथ संवेदना बढ़े और अधिकारों के साथ कर्तव्यबोध भी मजबूत हो। यही वह स्थान है जहां विनोबा आज भी हमारे समकालीन बन जाते हैं। भूदान आज भूमि से आगे बढ़कर संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग का संदेश बन सकता है। ग्रामदान आज सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय विकास की प्रेरणा बन सकता है। सर्वोदय आज 'सबका विकास' को केवल नारे से आगे ले जाकर सामाजिक समरसता का आधार बन सकता है और अणुव्रत की चेतना आज सार्वजनिक जीवन में चरित्र, संयम और नैतिक अनुशासन की आवश्यकता को रेखांकित कर सकती है। विनोबा जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके जीवन को इतिहास की पुस्तक में बंद न करें, बल्कि नए भारत के चरित्र-निर्माण की परियोजना से जोड़ें। भारत को विकसित बनाने के लिए हमें केवल तेज गति से चलने वाली अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि सही दिशा में चलने वाला मनुष्य चाहिए। विनोबा की पदयात्रा का यही सबसे बड़ा संदेश है-राष्ट्र की यात्रा बाहर से नहीं, भीतर से शुरू होती है।

भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। इस तरह विनोबा जाति की संकीर्ण दीवारों को तोडऩा चाहते थे, वे कहा करते थे 'जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी।' वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है।

दिल्ली में हादसों के शिकार पढ़ने वाले बच्चे ही क्यों?

संजीव ठाकुर

दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं यह उन लाखों सपनों की राजधानी भी है, जिन्हें लेकर देश के कोने-कोने से बच्चे, युवा और उनके परिवार यहाँ आते हैं। कोई आईएएस बनने का सपना लेकर आता है, कोई डॉक्टर, इंजीनियर या वैज्ञानिक बनने का। कोई छोटे से गाँव से चलकर दिल्ली की किसी कोचिंग की सीढ़ियाँ चढ़ता है और कोई अपने माता-पिता की वर्षों की बचत लेकर एक छोटे-से कमरे में अपना भविष्य खोजता है।

लेकिन विडंबना देखिए,जिस दिल्ली में ये बच्चे भविष्य बनाने आते हैं, वही दिल्ली बार-बार उनके वर्तमान को छीन लेती है।

सवाल अब केवल यह नहीं है कि दिल्ली में हादसे क्यों होते हैं। असली सवाल यह है कि बार-बार वही हादसे क्यों होते हैं और हर हादसे के बाद भी व्यवस्था क्यों नहीं जागती कुव्यवस्था की भयावह तस्वीर हाल की सत्य निकेतन इमारत दुर्घटना ने फिर सामने रख दी। छात्र-आवास वाली बहुमंजिला इमारत ढहने से सात लोगों की मृत्यु की रिपोर्ट सामने आई और अधिकांश पीड़ित विद्यार्थियों के होने से छात्र आवासों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न उठे।

सबसे पीड़ादायक बात यह है कि विद्यार्थी दिल्ली में केवल पढ़ाई की फीस नहीं देते। वे कमरा किराये पर लेते हैं, भोजन के लिए भुगतान करते हैं, परिवहन का खर्च उठाते हैं और अपने परिवारों की आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक कीमत पर अपने सपनों को खरीदने की कोशिश करते हैं।

तो क्या उन्हें बदले में केवल असुरक्षित कमरे मिलेंगे

क्या उनके लिए अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, आपातकालीन निकास और स्वच्छ जलनिकासी जैसी सुविधाएँ विलासिता हैं राजधानी में पढ़ने वाला विद्यार्थी नागरिक नहीं है क्या दिल्ली की प्रशासनिक समस्या का एक और गंभीर पहलू है जिम्मेदारी का बिखराव। नगर निगम, पुलिस, अग्निशमन विभाग, विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन कई संस्थाएँ अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में काम करती हैं। लेकिन जब हादसा होता है तो जिम्मेदारी अक्सर किसी एक छोटे कर्मचारी या किसी संचालक पर जाकर रुक जाती है।

हाल की प्रशासनिक जाँचों के संबंध में रिपोर्टों में यह बात सामने आई है कि कई त्रासदियों में प्रणालीगत खामियाँ और प्रशासनिक लापरवाही चिन्हित हुईं, जबकि कार्रवाई अक्सर निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित रही।

यहीं लोकतंत्र की असली परीक्षा है।

यदि किसी इमारत को वर्षों तक नियमों के विरुद्ध चलने दिया गया, तो केवल चौकीदार या कनिष्ठ कर्मचारी दोषी कैसे हो सकता है 27 जुलाई 2024 को ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राऊ आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया था। वे बच्चे किसी अपराध के लिए नहीं, पढ़ने के लिए दिल्ली आए थे। उनके हाथों में किताबें थीं, आँखों में सपने थे और परिवारों को उनसे उम्मीद थी। लेकिन एक बेसमेंट, बारिश और प्रशासनिक लापरवाही के त्रिकोण ने उन सपनों को हमेशा के लिए डुबो दिया। विडंबना यह है कि घटना के बाद अवैध बेसमेंट, संकरे रास्ते, अग्नि सुरक्षा और भवन नियमों की बातें सामने आईं। कार्रवाई भी हुई। बाद में दिल्ली में सैकड़ों कोचिंग सेंटरों और पुस्तकालयों पर कार्रवाई की गई; फरवरी 2026 तक 370 इकाइयों को सील किए जाने और 899 संस्थानों को कारण बताओ नोटिस दिए जाने की रिपोर्ट सामने आई। लेकिन प्रश्न फिर वही है—यदि इतनी बड़ी संख्या में संस्थान नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, तो हादसे से पहले प्रशासन कहाँ था क्या किसी बच्चे की मृत्यु के बाद ही यह पता चलता है कि बेसमेंट में पुस्तकालय चल रहा था क्या किसी इमारत के गिरने के बाद ही उसके कमजोर होने का प्रमाण मिलता है क्या आग लगने के बाद ही अग्निशमन व्यवस्था की जाँच होती है और क्या किसी बच्ची के साथ अपराध होने के बाद ही सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा याद आती है हाल ही में दिल्ली में एक नाबालिग लड़की के साथ चलती स्लीपर बस में कथित सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने लड़की को बस में बैठाया और उसके साथ अपराध किया; मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

बोध कथा

जैसे को तैसा

एक गुरु के दो शिष्य हमेशा लड़ते रहते थे। वे हमेशा एक-दूसरे को नीचा दिखने की कोशिश में लगे रहते।

एक दिन गुरु ने उन्हें बुलाया और एक कथा सुनाई- एक बार एक जंगल में भैंस और घोड़े में लड़ाई हो गई। भैंस ने सींग मार- मारकर घोड़े को अधमरा कर दिया। घोड़े ने जब देख लिया कि वह भैंस से जीत नहीं सकता तब वह वहां से भागा। वह मनुष्य के पास पहुंचा।

घोड़े ने उससे अपनी सहायता की प्रार्थना की। मनुष्य ने कहा- भैंस की बड़ी-बड़ी सींगें हैं,वह बहुत बलवान है।

मैं उससे कैसे जीत सकूंगा? घोड़े ने समझाया- मेरी पीठ पर बैठ जाओ, एक मोटा डंडा ले लो। मैं जल्दी-जल्दी दौड़ता रहूंगा। तुम डंडे से मार-मारकर भैंस को अधमरी कर देना और फिर रस्सी से बांध देना। मनुष्य ने कहा- मैं उसे बांधकर भला क्या करुंगा ? घोड़े ने बताया- भैंस बड़ा मीठा दूध देती है। तुम उसे पी लिया करना। मनुष्य ने घोड़े की बात मान ली। बेचारी भैंस जब पिटते-पिटते गिर पड़ी, तब मनुष्य ने उसे बांध लिया। घोड़े ने काम समाप्त होने पर कहा-अब मुझे छोड़ दो मैं चरने जाऊंगा। मनुष्य जोर-जोर से हंसने लगा।

उसने कहा-मैं तुमको भी बांध देता हूं। मैं नहीं जानता था कि तुम मेरे चढ़ने के काम आ सकते हो। मैं भैंस का दूध पीऊंगा और तुम्हारे उपर चढ़कर घूमा करूंगा। घोड़ा बहुत रोया और पछताया। पर अब क्या हो सकता था।

कथा समाप्त कर गुरु बोले- तुम दोनों अगर एक-दूसरे के खिलाफ षडयंत्र करोगे तो कोई तीसरा आकर उसका लाभ उठा लेगा। जैसे घोड़े ने भैंस के साथ जो किया वैसा ही फल उसे खुद भोगना पड़ा। दोनों शिष्यों ने उस दिन से लड़ना बंद कर दिया।

कविता

पिंजरे में कहाँ थी नारी

शताब्दी सुबोध पांडे

पिंजरे की
उपमा देकर
किस मुक्ति की
बात करते हो?
जिस नारी ने
युगों से
स्वयं अपना
आकाश रचा,
उसके पंखों का इतिहास
क्यों विस्मृत करते हो?
मैत्रेयी की मेधा थी,
गार्गी का निर्भीक प्रश्न,
लोपामुद्रा की ऋचाओं में
ज्ञान का पावन स्पंदन।
लक्ष्मीबाई का शौर्य बनी,
गाइडिन्ल्यू का स्वाभिमान,
अहिल्याबाई का लोकधर्म,
जिजामाता का संस्कार महान।
वह अब भी
नभ की सीमा लाँघ रही है,
सागर की गहराई नाप रही है।
विज्ञान, चिकित्सा, अर्थनीति—
हर क्षेत्र में
नव कीर्तिमान रच रही है।
राजनीति में नेतृत्व,
क्रीड़ा में पराक्रम,
अंतरिक्ष में विजय—
नारी ने अपने कर्तृत्व से
हर दिशा को आलोकित किया है।
उसे मुक्ति का घोष नहीं,
अवसर का आकाश चाहिए;
दया नहीं, सम्मान चाहिए;
बंधन तोड़ने का नारा नहीं,
अपने सामर्थ्य का विस्तार
चाहिए।

व्यंग्य केसरी

टकराना बड़े आदमी से

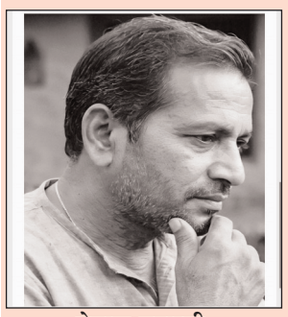

बेबाक बनारसी

छदामीराम के बारे में सभी कहते हैं कि बंदा बड़ा घमंडी है। एक से मैंने पूछा, उसको काहे का घमंड है? शायद अरबपति होगा या किसी बड़े पद में ।' उत्तर मिला, ' ऐसा कुछ नहीं है। वह बिल्कुल सामान्य नागरिक है, लेकिन उसे अपने अच्छे होने का और बड़ा आदमी होने का घमंड है।' वैसे तो विद्वानों ने कहा है कि कभी किसी को घमंड नहीं करना चाहिए । लेकिन घमण्ड ससुरा आ ही जाता है। अब किसी जोड़तोड़क को कोई पद मिल गया हो तो घमंड आना स्वाभाविक भी है। जिसके पास बहुत इफरात धन-दौलत ओवरफ्लो की तरह हो जाए तो वह बंदा भी कभी-कभी घमंडी हो जाता है। या सुंदरता की दौलत से लैस महिला है तो घमंडी हो जाएगी। कवि तुक्कड़श्री ने लिखा भी तो है कि 'दौलत तेरा रूप बड़ा मनभाव्य है/ कोई घमंडी हो जाए सहज संभाव्य है'। बड़े पद पर पहुंचते ही कुछ के भीतर 'घमंडांश' आ जाता है, यानी घमंड का अंश। अपन के शहर के छदामीराम जी भी घमंडी हो गए हैं । मैंने उन की बड़ी तारीफ सुनी तो सोचा, बंदा भले ही घमंडी है, लेकिन कहते हैं, अच्छा आदमी है । किसी पद में भी है पर उसका मद नहीं है। ऐसे व्यक्ति से मुलाकात करके दर्शन लाभ लेने में क्या बुराई है, तो हम एक दिन उनके घर बिना बताए पहुंच गए। दरवाजे की घण्टी बजाई, कुछ देर में द्वार खुला। एक सज्जन भन्नाए हुए बाहर निकले। आड़ा तिरछा मुँह बना कर भड़कते हुए बोले, 'क्या काम है?' मैं हड़बड़ा गया और हाथ जोड़कर बोला, 'बस, आपसे मिलने आया था ' वह बोले, ' एकदम सीधे कैसे आ गए? फोन करके समय लेना चाहिए न! मैं बड़ा व्यस्त आदमी हूँ। ऐसे किसी से नहीं मिलता । अब आप बाद में आइएगा समय लेकर। मेरा पीए बता देगा। धन्यवाद।'

इतना बोल कर उन्होंने दरवाजा बंद कर लिया। दरवाजा इतनी जोर से बंद किया कि धड़ाम की आवाज हुई। मैंने खिड़की से झांक कर देखा, वह आराम से अखबार पढ़ रहे थे। मैं सोचने लगा, यह किस किस्म का बड़ा आदमी है भई। फिर सोचा, कोई बात नहीं। अपन बड़े नहीं है, इस कारण हमें क्या पता कि बड़े लोगों के ऐसे ही लक्षण होते हैं। खैर, फिर कभी फोन करके आ जाएंगे। अच्छे व्यक्ति से मिलने के लिए थोड़ी-बहुत तपस्या भी ज़रूरी है। हो सकता है इनसे मिलने के बाद अपने भीतर भी कुछ बड़प्पन-सडप्पन आ जाए।

दो दिन बाद मैंने फोन किया, तो उधर से आवाज आई, 'किससे बात करनी है।' मैंने कहा, ''छदामीराम से। दो दिन पहले आपके घर आया था मिलने तो उन्होंने मुझे भगा दिया था कि समय लेकर आना इसीलिए फोन किया है। बताइए कब मिलेंगे।' फोन पर बात करने वाले सज्जन ने कहा, 'देखिए, मैं उनका पीए नटवरलाल बोल रहा हूं। अभी तो साहब काफी व्यस्त हैं,जैसे ही फुर्सत होगी,मैं फोन करके सूचित करूंगा।'' इतना कहकर उसने फोन काट दिया। मैंने आवाज पहचानने की कोशिश की : अरे! यह आवाज तो बिल्कुल छदमीराम की है। लेकिन यह आवाज बदलकर क्यों बोल रहे थे! मैंने इस बारे में जब अपने मित्र से बातचीत की तो उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'बड़ा आदमी बनने का यह भी एक अच्छा फार्मूला है। विदाउट वर्क भी खुद को बिजी बताना चाहिए। खुद पीए बन कर बोल दो कि साहब बिजी है ।

इतिहास

10 सितंबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन से जुड़ा है। महत्वपूर्ण घटनाएं1846: एलियास हावे को आधुनिक सिलाई मशीन के लॉकस्टिच डिज़ाइन का पेटेंट मिला।

1939: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कनाडा ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1960: इराक की राजधानी बगदाद में हुए सम्मेलन के बाद पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (OPEC) की स्थापना हुई। 1976: इंडियन एयरलाइंस के एक बोइंग 737 विमान को दिल्ली से उड़ान भरने के बाद अगवा कर लिया गया था, जिसे बाद में सुरक्षित छुड़ाया गया।

2008: जिनेवा में यूरोपीय परमाणु अनुसंधान संगठन (CERN) द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली पार्टिकल कोलाइडर 'लार्ज हैडॉन कोलाइडर' (LHC) शुरू किया गया।

शासकीय भूमि पर बने अवैध निर्माण को निगम ने ढहाया

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। बंधवापारा स्थित सतबहनिया मंदिर के पास शासकीय भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण के खिलाफ नगर निगम ने सोमवार को कार्रवाई की। निगम जोन क्रमांक-8 और अतिक्रमण शाखा की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। निगम के अनुसार सतबहनिया मंदिर बंधवापारा निवासी रंजीत कश्यप द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण किया जा रहा था।

कई बार नोटिस पर ध्यान न दिए जाने पर हुई कार्रवाई

मामला सामने आने के बाद निगम ने निर्माणकर्ता को तीन बार नोटिस जारी कर निर्माण की वैधता से संबंधित दस्तावेज और जवाब प्रस्तुत करने का अवसर दिया था। ह्यह्यअधिकारियों के मुताबिक निर्धारित समय में न तो संबंधित व्यक्ति ने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए और न ही संतोषजनक जवाब दिया। पर्याप्त अवसर दिए जाने के बाद निगम की टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर बिना अनुमति या वैध दस्तावेज के किए जा रहे निर्माण के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

रतनपुर क्षेत्र 'एग्रीकल्चर हब' के रूप में विकसित होगा

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। रतनपुर क्षेत्र को कृषि उत्पादन और कृषि आधारित गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। रतनपुर स्थित माँ महामाया मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मंदिर के आसपास लगभग 30 किलोमीटर के दायरे को 'एग्रीकल्चर हब' के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की गई है। योजना के तहत आसपास के किसानों को आधुनिक और व्यावसायिक खेती से जोड़ा जाएगा। बताया गया है कि इस क्षेत्र के 342 किसान इस पहल से लाभान्वित होंगे।

महामाया मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगा स्थानीय और ताजा कृषि उत्पादों का लाभ

किसानों को फल, फूल, सब्जियों तथा अन्य कृषि उत्पादों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को ताजे एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सकें।

कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के पौधे तैयार किए जा रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बोरा के लगभग तीन लाख पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इससे किसानों को खेती के नए अवसर मिलने के साथ ही क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। योजना के अंतर्गत किसानों को कृषि गतिविधियों के विस्तार के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। पात्र किसानों को आवश्यक सुविधाओं एवं संसाधनों पर 75 प्रतिशत तक सब्सिडी दिए जाने का प्रावधान बताया गया है। इससे किसानों को आधुनिक खेती अपनाने और उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

माँ महामाया मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में एग्रीकल्चर हब विकसित होने से उन्हें स्थानीय स्तर पर फल, फूल, सब्जियां और अन्य कृषि उत्पाद आसानी से उपलब्ध होंगे। वहीं किसानों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर और स्थायी बाजार मिलेगा। यह योजना रतनपुर क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ कृषि, उद्यानिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

पोला पर्व आजः किसानों के लिए बैल दौड़ व साज- सज्जा स्पर्धा

विश्व केसरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकपर्व पोला की संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से आदर्श युवा मंच बिलासपुर द्वारा स्वर्गीय श्री श्रीचंद मनुजा की स्मृति में बैल दौड़ एवं बैल सजा-सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम 10 सितंबर, गुरुवार को शाम 4 बजे रपटा चौपाटी स्थित हैप्पी स्ट्रीट, विसर्जन जूना बिलासपुर पचरीघाट के पास आयोजित होगा। आयोजकों ने बताया कि पोला पर्व हमारी संस्कृति और सभ्यता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पर्व किसानों और उनके सच्चे साथी बैलों के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना को दर्शाता है। आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव के कारण किसानों और बैलों के बीच पहले जैसी निकटता कम होती जा रही है। ऐसे में लुप्त होती परंपराओं को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। पूर्व में प्रतियोगिता का आयोजन लाल बहादुर शास्त्री शाला मैदान में प्रस्तावित था, लेकिन मैदान की स्थिति को देखते हुए कार्यक्रम का स्थान परिवर्तित कर रपटा चौपाटी के पास किया गया है।कार्यक्रम में लोगों के उत्साहवर्धन और मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ लोक कला मंच 'मन भौरा' के कलाकार लाला जी श्रीवास एवं टीम द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम के दौरान किसानों का सम्मान भी किया जाएगा।

आयोजक आदर्श युवा मंच ने पोला पर्व की इस पारंपरिक प्रतियोगिता में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

किसान के खेत से महीनेभर में दो बार मोटर चोरी

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती सक्ती जिले के थाना हसौद अंतर्गत ग्राम पंचायत धमनी में चोरी की घटनाओं से किसान परेशान हैं। यहां एक किसान के खेत से पानी सिंचाई के लिए लगाया गया मोटर महीनेभर के भीतर दो बार चोरी हो गया। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बाद किसान काफी चिंतित और परेशान है।

जहां किसान दिलचंद मधुकर के खेत में सिंचाई के लिए मोटर लगाया गया था। बताया जा रहा है कि किसान नया मोटर खरीदकर खेत में लगाते हैं और रात के समय उसे खेत में छोड़ देते हैं, लेकिन चोर लगातार उनके खेत को ही निशाना बनाते हुए मोटर चोरी कर ले जा रहे हैं। किसान दिलचंद मधुकर के अनुसार, महीनेभर के भीतर उनके खेत से दो बार मोटर चोरी हो चुकी है। हर बार मोटर चोरी होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और खेती-किसानी का काम भी प्रभावित हो रहा है।

बताया गया है कि किसान का खेत थाना हसौद से लगभग डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद चोर बेखौफ होकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। किसान द्वारा दोनों घटनाओं की सूचना थाना हसौद पुलिस को दी गई है, लेकिन अभी तक चोरों पर अंकुश नहीं लग पाने से ग्रामीणों और किसानों में चिंता बनी हुई है।

हसौद थाना में पुलिस बल की कमी के कारण क्षेत्र में नियमित गश्त करने में कठिनाइयां आ रही हैं, जिसका फायदा असामाजिक तत्व उठा रहे हैं लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं।

चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की जल्द पहचान कर कार्रवाई की जाए तथा क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए, ताकि किसानों को इस तरह की लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से राहत मिल सके।

सीजेएम शुभदा गोयल ने किया उपजेल सक्ती का औचक निरीक्षण

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। दिनांक बुधवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री शुभदा गोयल द्वारा नवीन उपजेल सक्ती का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कुमारी अंकिता देवदास साथ में उपस्थित रहीं। जेलर श्री विजय पटेल भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सीजेएम द्वारा बंदियों को प्रदान किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन तैयार करने की प्रक्रिया एवं साफ-सफाई की स्थिति देखी गई इसके साथ ही मुलाकात रजिस्टर का अवलोकन किया गया तथा जेल की सभी बैरकों में जाकर बंदियों की स्थिति एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली गई। इस दौरान जेल में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जेल में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शहर में जल्द शुरू होगा मेडिकल कॉलेज एवं सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं से युक्त नया स्वास्थ्य परिसर

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। शहर की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होने जा रही है। करीब 1500 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त विशाल स्वास्थ्य परिसर तैयार किया जाएगा। परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया को अंतिम रूप दिए जाने के बाद अब निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है। प्रस्तावित परियोजना के तहत नए मेडिकल कॉलेज भवन के साथ ही आधुनिक अस्पताल, हॉस्टल, आवासीय परिसर और अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। नए मेडिकल कॉलेज के शुरू होने से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिलेंगे, वहीं क्षेत्रवासियों को भी उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

परियोजना के अंतर्गत आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं से युक्त अस्पताल विकसित किया जाएगा। परिसर में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के लिए बेहतर अधोसंरचना तैयार की जाएगी। इससे गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए लोगों को दूसरे बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता भी कम होगी।

योजना के अनुसार लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से एक नए अत्याधुनिक अस्पताल भवन का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में बेड, आधुनिक ऑपरेशन थिएटर तथा गंभीर मरीजों के उपचार के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मेडिकल कॉलेज परिसर में डॉक्टरों, मेडिकल विद्यार्थियों और अन्य कर्मचारियों के लिए आवश्यक आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। इससे चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और भविष्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बताया जा रहा है कि परियोजना से संबंधित टेंडर प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ब्रह्माकुमारीज़ हेमूनगर में शिक्षक सम्मान समारोह

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के हेमूनगर स्थित ओम् शान्ति कॉटेज में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में 'शिक्षक: मन-मस्तिष्क के मार्गदर्शक, एकीकृत विश्व के निर्माता' विषय पर शिक्षक सम्मान एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहर के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित पांच विद्यालयों के प्राचार्यों ने इसमें सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर संजय अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि महापौर पूजा विधानी रहीं।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक का कार्य केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा और बड़ी जिम्मेदारी का कार्य है। शिक्षक जिस मेहनत और समर्पण के साथ बच्चों को शिक्षा देकर उनके भविष्य को दिशा देते हैं, उसका समाज निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति जीवन में चाहे कितने ही बड़े पद पर पहुंच जाए, अपने शिक्षक के प्रति उसका सम्मान सदैव बना रहता है और अवसर मिलने पर वह श्रद्धापूर्वक उनके चरण स्पर्श करता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ के सेवाकेंद्र को तपस्या का स्थान बताते हुए यहां के शांत एवं आध्यात्मिक वातावरण की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान उनकी सहजता, सादगी और शिक्षकगण के प्रति आत्मीय व्यवहार ने उपस्थितजनों को प्रभावित किया।

महापौर पूजा विधानी ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी स्वयं की इच्छा भी शिक्षक बनने की थी, लेकिन परिस्थितिवश वे इस क्षेत्र में नहीं आ सकीं। उन्होंने कहा कि अब महापौर के रूप में समाज की सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने शिक्षकगण के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की। हेमूनगर सेवाकेंद्र की संचालिका बीके लता दीदी ने कार्यक्रम के मुख्य विषय पर कहा कि शिक्षक कुम्हार और कलाकार की भांति बच्चों के व्यक्तित्व को गढ़ने का कार्य करता है। वह केवल मस्तिष्क को ज्ञान नहीं देता, बल्कि मन को श्रेष्ठ दिशा देकर संस्कार और चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

धान फसल में कीट व्याधि का प्रकोप, खेतों में पीले पड़ रहे पौधे; गिरदावरी के बीच किसानों को रोकथाम की जानकारी नहीं

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। बेमेतरा जिले में धान की फसल इन दिनों तना छेदक, माहों और लाल कीड़े की चपेट में आने लगी है। ग्राम बेरा और आसपास तथा चदनू, मऊ, सेमरिया बंशापुर मोहतरा,हेमाबंद,दाढ़ी मुरकी,उमरिया चिल्फी,रमपूरा बन्सापुर,लावातरा अतरिया इसके अलावा दर्जनों गांवों में किसानों के खेतों में धान के पौधे पीले पड़कर मुरझा रहे हैं और कई जगह पौधे सूखकर मरने लगे हैं। किसान खेतों में फसल को बचाने के लिए परेशान हैं, लेकिन उनका आरोप है कि अब तक कृषि विभाग के अधिकारी खेतों में पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने नहीं आए हैं। किसानों का कहना है कि समय रहते कीट प्रकोप की रोकथाम के उपाय बताए जाते तो फसल को नुकसान से बचाया जा सकता था।

जिले में इस खरीफ सीजन में करीब सवा दो लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान समेत अन्य फसलों की खेती की जा रही है। अकेले धान का क्षेत्र ही जिले की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बेमेतरा को प्रदेश में धान उत्पादन के प्रमुख जिलों में गिना जाता है और धान उत्पादन के मामले में यह प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। ऐसे में बड़े क्षेत्र में कीट व्याधि का असर किसानों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

खेतों में पौधे पीले, जड़ों में दिख रहा माहों और लाल कीड़े का असर

ग्राम बेरा निवासी किसान सुखनंदन चतुर्वेदी करीब पांच एकड़ में धान की फसल ले रहे हैं। उनका कहना है कि उनके सभी खेतों में कीटों का असर दिखाई दे रहा है। धान के पौधों का रंग पीला पड़ रहा है और धीरे-धीरे पौधे मुरझाकर सूख रहे हैं। उन्होंने बताया कि पौधों की जड़ों के आसपास माहों का असर दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही लाल रंग के छोटे कीड़े भी नजर आ रहे हैं। कीट व्याधि की समस्या बेमेतरा जिले के सभी ब्लॉकों में बराबर बना हुआ है समय रहते हैं अगर इस गंभीर समस्या का निदान नहीं किया जाएगा तो किसानों को व्यापक नुकसान हो सकता है। सुखनंदन के अनुसार, शुरुआत में कुछ पौधों में यह समस्या दिखाई दी, लेकिन धीरे-धीरे इसका प्रभाव बढ़ता गया।

किसानों को आशंका है कि यदि समय रहते इसका उपचार नहीं किया गया तो बड़े क्षेत्र में फसल प्रभावित हो सकती है। गांव के ही किसान भाव दास, सुखसागर शतन, रोहित और मूंगे राम चतुर्वेदी ने भी धान फसल में अत्यधिक कीट प्रकोप की बात कही है। किसानों का कहना है कि फसल में बीमारी या कीट लगने के बाद दवा का छिड़काव कैसे और कितनी मात्रा में किया जाए, इसकी सही जानकारी सभी किसानों को नहीं मिल पा रही है।

देवश्री महोत्सव मेलाः महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की नई मिसाल-सी नवीन कुमार

विश्व केसरी

बिलासपुर। महिलाओं की प्रतिभा, मेहनत और उद्यमशीलता को मंच प्रदान करने की दिशा में देवश्री महोत्सव मेला एक सराहनीय पहल बनकर सामने आया है। यह मेला केवल खरीदारी का स्थान नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके छोटे व्यवसायों को पहचान दिलाने और स्थानीय महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि सी नवीन कुमार ने कही।

देवश्री महोत्सव मेले की शुरुआत मीरा राव, आर. वंजा एवं मणि के नेतृत्व में की गई है। उनके प्रयासों से बिलासपुर की अनेक महिला उद्यमी अपने-अपने व्यवसाय, हुनर और रचनात्मकता के साथ इस मंच से जुड़ी हैं। मेले का उद्देश्य महिलाओं को अपने उत्पादों एवं सेवाओं के प्रदर्शन के लिए अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें ग्राहकों और बाजार से सीधे जोड़ना है।

मेले में स्वर मंगल स्वयं सहायता समूह, जिसकी संचालिका मीरा राव हैं, के साथ रूमा'स इनोवेशन, बस्तर आर्ट, आरवी कलेक्शन, वैष्णो गिफ्ट शॉप, श्याम, प्रसन्ना हेल्थ एंड न्यूट्रिशन क्लब, देविका कलेक्शन, ब्यूटी सॉल्यूशन, वामा, यशस्विनी, स्पार्कल एंड शाइन, अन्नपूर्णा दक्षिण भारतीय स्टॉल तथा Clay and Co जैसे कई छोटे व्यवसाय शामिल हैं।

इन स्टॉलों के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहीं महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों और सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। कला एवं हस्तशिल्प से लेकर परिधान, सौंदर्य सामग्री, उपहार सामग्री, स्वास्थ्य एवं पोषण तथा खाद्य पदार्थों तक, मेले में महिलाओं के हुनर और व्यवसाय की विविधता देखने को मिल रही है।

देवश्री महोत्सव मेले की खासियत यह है कि यहां छोटे स्तर से अपने व्यवसाय की शुरुआत करने वाली महिलाओं को भी आगे बढ़ने के लिए मंच दिया जा रहा है। किसी ने अपने हुनर को व्यवसाय का रूप दिया है, तो किसी ने घर से शुरू किए छोटे प्रयास को एक पहचान देने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

ऐसे आयोजन महिला उद्यमियों को केवल अपने उत्पाद बेचने का अवसर ही नहीं देते, बल्कि उन्हें नए ग्राहकों से जुड़ने, अपने व्यवसाय का प्रचार करने और भविष्य में इसे और विस्तार देने का आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं। इसके साथ ही, एक ही मंच पर अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहीं महिलाओं का एक साथ आना सहयोग, नेटवर्किंग और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूत करता है।

सेंसेक्स 813 अंक फिसला, निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा बिकवाली

विश्व केसरी■

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और ब्रेंट क्रूड के 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचने के कारण भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस बीच प्रमुख बेंचमार्कों निफ्टी और सेंसेक्स में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 813.35 अंकों यानी 1.08 प्रतिशत गिरकर 74,764.23 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 50 203.60 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 23,431.50 पर आ गया।

दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 75,577.58 से 361.36 अंक यानी 0.47 प्रतिशत गिरकर 75,216.22 पर खुला, और कारोबारी सत्र में यह 1 प्रतिशत यानी 813.35 अंक लुढ़ककर 74,764.23 पर पहुंच गया, जो दिन का सबसे निम्नतम स्तर है। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,635.10 से 113 अंक यानी 0.47 प्रतिशत गिरकर 23,522.05 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय यह 203.6 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 23,431.50 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमश: 0.51 प्रतिशत और 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 3.24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज का प्रदर्शन भी कमजोर रहा, जिनमें क्रमश: 2.23 प्रतिशत और 1.23 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी फार्मा भी कमजोरी के साथ बंद हुए। जबकि इसके विपरीत, निफ्टी मेटल में 1.79 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली।

निफ्टी50 इंडेक्स में अदाणी इंटरप्राइजेज, मैक्स हेल्थ, अदाणी पोर्ट्स, कोल इंडिया, टाटा स्टील, हिंडाल्को, अपोलो हॉस्पिटल और एनटीपीसी के शेयरों में 5-1 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई और ये दिन के टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे। वहीं, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाली कंपनियां रहीं।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि बाजार अब मिडिल ईस्ट में लंबे समय तक चलने वाले टकराव को ध्यान में रखकर कीमतें तय कर रहे हैं; उम्मीद है कि लगातार जारी लड़ाई और जवाबी कार्रवाई की वजह से निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी।

एक्सपर्ट ने कहा कि लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण प्रमुख केंद्रीय बैंकों के लिए विकास और महंगाई के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो रहा है।

वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ने से सोना में तेजी, चांदी 2.40 लाख के पार

विश्व केसरी■

मुंबई। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता से सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से सोना और चांदी में बुधवार को तेजी देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोंजिग 1,52,579 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले मामूली कमजोरी के साथ 1,52,120 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

लेकिन शुरुआती कारोबार में ही इसमें बढ़त देखी गई और यह 11:17 पर 547 रुपए या 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,53,126 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,101 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,53,168 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है, जो दिखाता है कि सोने का रुझान तेजी की ओर है।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखी जा रही है।

चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोंजिग 2,39,427 रुपए प्रति किलो के मुकाबले मामूली तेजी के साथ 2,39,620 रुपए प्रति किलो पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह 1,169 रुपए या 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,40,596 रुपए प्रति किलो पर थी।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,38,933 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,40,620 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सोना 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,430 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 67 डॉलर प्रति औंस पर था।

जानकारों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने के कारण सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ गई है, जिससे सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि, अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों को लेकर निवेशकों की सतर्कता के कारण इसमें तेजी सीमित बनी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि फेड की अगली फेड, जो कि अगले हफ्ते है, तक सोने और चांदी में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने विस्तार के लिए वैश्विक निवेशकों से जुटाए 9,825 करोड़ रुपए

विश्व केसरी■

अहमदाबाद। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने बुधवार को ऐलान किया कि उसने वैश्विक निवेशकों के एक कंसोर्टियम से प्राइमरी इक्विटी कैपिटल के रूप में 9,825 करोड़ रुपए (एक अरब डॉलर) जुटाए हैं।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एआईएल) की सहायक कंपनी एएएचएल ने कहा कि उनसे 18 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर अल्फा वेव ग्लोबल, प्रेमजी इन्वेस्ट, टेमासेक और ब्लैकरॉक द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड्स से 9,825 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा, 'यह साझेदारी अदाणी एयरपोर्ट्स प्लेटफॉर्म को बनाने की दिशा में एक अहम पड़ाव है और इस सफर में हमारे साथ इतने बड़े और लंबे समय के लिए निवेश करने वाले निवेशक पाकर हम खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं।'

उन्होंने कहा कि भारत का एविएशन सेक्टर देश की जीडीपी ग्रोथ को तेजी से बढ़ाने वाले सबसे अहम सेक्टर में से एक है। एयर कनेक्टिविटी में हर विस्तार से एयरपोर्ट गेट के बाहर भी व्यापार, पर्यटन, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलता है। जीत अदाणी ने कहा, 'इन पार्टनर्स के सहयोग से, हम इस ग्रोथ से पहले ही निवेश करना जारी रखेंगे। हम अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, शहर-स्तर के डेवलपमेंट और नॉन-एरोनॉटिकल बिजनेस को बड़ा करेंगे ताकि दुनिया के सबसे बेहतरीन इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म में से एक बनाया जा सके।'

इस फंड का इस्तेमाल एएएचएल के पोर्टफोलियो में एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और आधुनिकीकरण, एयरपोर्ट के आस-पास इंटीग्रेटेड अदाणी एयरपोर्ट सिटी इकोसिस्टम के डेवलपमेंट में तेजी लाने (जिसके पहले चरण में 22 मिलियन स्क्वायर फीट में मिक्स्ड-यूज डेवलपमेंट की योजना है) और यात्रियों से जुड़े और अन्य नॉन-एरोनॉटिकल बिजनेस (जैसे ग्राउंड हैंडलिंग बिजनेस) को बढ़ाना के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने कहा कि इन निवेशों से सालाना 20 करोड़ (200 मिलियन) यात्रियों को सेवा देने की क्षमता बढ़ने, कमर्शियल कमाई के मौके बढ़ाने, यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और एएएचएल के इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट इकोसिस्टम को और मजबूत करने की उम्मीद है।

एएएचएल के सीईओ अरुण बंसल ने कहा, 'हम एएएचएल को दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म बनाने के लिए इसकी क्षमताएं बढ़ाना जारी रखेंगे।'

भारत में मैन्युफैक्चरिंग लीजिंग में जबरदस्त उछाल, 2021 से 49 प्रतिशत की सीएजीआर दर्ज

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत का विनिर्माण क्षेत्र तेजी से विस्तार के दौर से गुजर रहा है और इसका सीधा असर औद्योगिक रियल एस्टेट बाजार पर दिखाई दे रहा है। वाणिज्यिक रियल एस्टेट सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी जेएलएल की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 के बाद से भारत में सकल मैन्युफैक्चरिंग लीजिंग बढ़कर 6.9 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गई है। इस दौरान क्षेत्र ने 49 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है, जो देश में विनिर्माण गतिविधियों के तेजी से विस्तार को दर्शाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का विनिर्माण क्षेत्र एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है और वर्ष 2030 तक औद्योगिक रियल एस्टेट बाजार में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस तेजी के साथ विनिर्माण क्षेत्र अब थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) के बाद औद्योगिक परिसंपत्तियों का दूसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता बन गया है। इसे भारत के औद्योगिक रियल एस्टेट ढांचे में एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक बदलाव माना जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में सकल अवशोषण 1.92 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया था, जबकि 2026 की पहली छमाही में ही यह 1.02 करोड़ वर्ग फुट दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। बढ़ती मांग यह संकेत देती है कि देश में विनिर्माण कंपनियां नए उत्पादन केंद्र और आधुनिक औद्योगिक सुविधाएं तेजी से स्थापित कर रही हैं।

रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि वर्ष 2030 तक मैन्युफैक्चरिंग लीजिंग अवशोषण लगभग 4.6 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच सकता है। यह प्रवृत्ति भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में बढ़ते कदमों और विजन 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप मानी जा रही है।

भारत को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के जरिए ग्लोबल साउथ के संबंधों को व्यापार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (फियो) ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाला आगामी 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए ग्लोबल साउथ के साथ बढ़ते रणनीतिक जुड़ाव को निर्यात, निवेश, प्रौद्योगिकी और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के रूप में लाभ में बदलने का बड़ा अवसर है।

फियो ने कहा कि 12-13 सितंबर को होने वाले इस शिखर सम्मेलन में कारोबारियों के लिए कुछ व्यावहारिक परिणामों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इनमें सीमा शुल्क प्रक्रियाओं में तेजी, गैर-टैरिफ बाधाओं में कमी, अधिक नियामकीय पारदर्शिता, मानकों और अनुरूपता मूल्यांकन की पारस्परिक मान्यता, बेहतर लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी, डिजिटल व्यापार दस्तावेज और सीमा पार भुगतान को आसान बनाना शामिल हैं।

फियो के अध्यक्ष एससी रहलान ने कहा, 'ब्रिक्स को रणनीतिक संवाद से आगे बढ़कर ऐसे वाणिज्यिक परिणामों पर ध्यान देना चाहिए जिन्हें मापा जा सके। भारतीय कारोबारियों के लिए इसकी वास्तविक उपयोगिता आसान बाजार पहुंच, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी, निवेश प्रवाह, प्रौद्योगिकी सहयोग और कुशल भुगतान तंत्र में होगी। रहलान ने आगे कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच बेहतर सहयोग से भारत की महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, पूंजी और नई विनिर्माण साझेदारियों तक पहुंच बेहतर हो सकती है।

रहलान ने कहा कि भारत के पास इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, कपड़ा और परिधान, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य एवं कृषि उत्पाद, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में काफी अवसर हैं।

एशिया, अफ्रीका, खाड़ी, लैटिन अमेरिका और यूरेशिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं तक फैला विस्तारित ब्रिक्स समूह भारतीय निर्यातकों को काफी व्यापक आर्थिक पहुंच प्रदान करता है।

ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाएं संयुक्त रूप से वैश्विक व्यापार में करीब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती हैं, जिससे भारत को अपने पारंपरिक बाजारों से आगे निर्यात में विविधता लाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच मिलता है। उन्होंने कहा, 'अवसर केवल ब्रिक्स देशों को अधिक सामान बेचने का नहीं है। भारत को इन अर्थव्यवस्थाओं में विकसित हो रही उत्पादन, सोर्सिंग और वैल्यू चेन का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए। रहलान ने स्थानीय मुद्राओं में ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार के अधिक निपटान के लिए व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य तंत्र विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'भुगतान को लेकर अनिश्चितता खुद एक व्यापार बाधा बन सकती है।

जीएफएफ 2026 में फोनपे के समीर निगम ने वित्तीय समावेशन के अगले दशक का विजन पेश किया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। फोनपे ने बुधवार को ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 में अगले दशक के लिए अपना विजन पेश किया।

मुख्य संबोधन में फोनपे के संस्थापक और सीईओ समीर निगम ने देशभर के लोगों, परिवारों और कारोबारों के लिए डिजिटल प्रगति को आगे बढ़ाने की कंपनी की रणनीतिक रूपरेखा साझा की। यह फोनपे की एक दशक लंबी तकनीकी नवाचार और बड़े पैमाने पर विस्तार की यात्रा को दर्शाता है।

सत्र की शुरुआत करते हुए समीर ने फोनपे के मूल दर्शन और समावेशी विकास पर उसके फोकस के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'वास्तविक प्रगति इस बात से नहीं मापी जाती कि शीर्ष 10 प्रतिशत लोग कितनी तेजी से आगे बढ़ते हैं, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि क्या हम किसी को पीछे छोड़ रहे हैं। पिछले एक दशक में फोनपे ने भारत की प्रगति को दिशा देने वाले एक तकनीकी अग्रणी के रूप में काम किया है। हमारे पूरे इकोसिस्टम में हर उत्पाद को सोच-समझकर इस उद्देश्य के साथ तैयार किया गया है कि प्रगति की राह में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए और वित्तीय सुरक्षा एवं विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे।'

उन्होंने कहा, 'वास्तविक वित्तीय समावेशन कभी भी सामाजिक-आर्थिक वर्गों के आधार पर अलग-अलग उत्पाद बनाने के बारे में नहीं था। इसका मतलब ऐसा एक सिस्टम तैयार करना है, जो इतना लचीला हो कि हर भारतीय की जरूरत के मुताबिक काम कर सके। उन्होंने आगे बताया कि फोनपे ने एनपीसीआई के साथ मिलकर उन 'बाधाओं' को व्यवस्थित रूप से दूर करने पर काम किया है, जिन्होंने लंबे समय तक लोगों को डिजिटल अर्थव्यवस्था से बाहर रखा। इनमें स्मार्टफोन, बैंक खाते और सीमाओं से जुड़ी बाधाएं शामिल हैं।

समीर ने हार्डवेयर से जुड़ी उन बाधाओं पर बात करते हुए यूपीआई 123पे के विस्तार का जिक्र किया, जिनकी वजह से 20 करोड़ से अधिक फीचर फोन यूजर्स डिजिटल अर्थव्यवस्था से बाहर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट के बिना एसएमएस, आईवीआर, मिस्ड कॉल और वॉयस आधारित तकनीक का यह सिस्टम यूपीआई की पूरी सुविधा को सीधे फीचर फोन तक पहुंचाता है।

वर्ल्ड ईवी डे: भारत में अब तक एक करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की हुई बिक्री, 79 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा बाजार

विश्व केसरी■

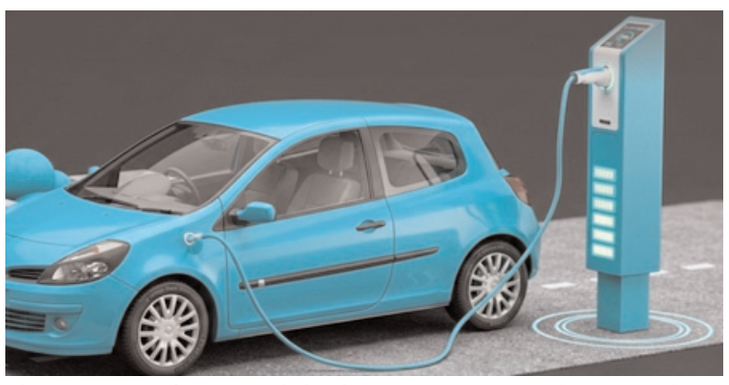

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में बुधवार को 'वर्ल्ड ईवी डे' मनाया जा रहा है और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की तरफ फोकस होने के कारण भारत में भी तेजी इलेक्ट्रिक वाहन बढ़ रहे हैं और देश में अब तक एक करोड़ से ज्यादा ईवी वाहनों की बिक्री हो चुकी है और यह मार्केट बीते 12 वर्षों में 79 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर से बढ़ा है।

वर्ल्ड ईवी डे पर केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि भारत की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ, हरित और अधिक आत्मनिर्भर भविष्य के परिवर्तनकारी विजन को दर्शाती है। उन्होंने पोस्ट में आगे कहा कि 1.01 करोड़ से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन बिकने के साथ, पूरे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाने की रफ्तार बढ़ रही है। देश में ईवी को बढ़ाने में केंद्र सरकार की 'पीएम ई-ड्राइव' जैसी स्कीमें अहम भूमिका निभा रही हैं। इस स्कीम के अंतर्गत अब तक 28.63 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दी गई है। इसमें 25.88 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर, 2.75 लाख इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर और 53 ई-ट्रक शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री ने अपनी इस पोस्ट में लिखा, 'भारी उद्योग मंत्रालय पीएम ई-ड्राइव जैसी पहलों के जरिए इस बदलाव को आगे बढ़ा रहा है। इस पहल के तहत अब तक 28.63 लाख ईवी को मदद मिली है, जिनमें 25.88 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और 2.75 लाख इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर शामिल हैं।'

मंत्रालय के मुताबिक, वित्त वर्ष 2011-12 से सितंबर 2026 तक देश में कुल 1,01,58,449 यूनिट्स वाहनों की बिक्री हुई है। अकेले वित्त वर्ष 2025-26 में 25,45,622 यूनिट्स की बिक्री हुई थी, जो कि किसी एक वर्ष में दर्ज किया गया अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

दरभंगा टावर की फेमस लस्सी: 50 में मलाई-मेवा और केसर का स्वाद, टोकन लेकर लगता है नंबर

दरभंगा टावर की मशहूर लस्सी 50 रुपये में स्वाद और सेहत का संगम है. यह लस्सी अपनी देसी सामग्री, मलाई, मेवे और केसर के साथ कुल्हड़ में परोसी जाती है. शाम को यहां भीड़ उमड़ती है और बिना टोकन के मिलना मुश्किल है. यह शहर की पहचान बन चुकी है.

दरभंगा टावर की शाम अपने आप में खास होती है. चौराहे की रौनक, लोगों की भीड़ और बाजार की हलचल यहां के माहौल को अलग पहचान देती है. लेकिन इस रौनक के बीच एक ऐसी चीज है, जो स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले लोगों को भी अपनी ओर खींचती है दरभंगा टावर की मशहूर लस्सी. कहा जाता है कि अगर दरभंगा आए और टावर की इस लस्सी का स्वाद नहीं लिया, तो शहर का सफर कुछ अधूरा-सा रह जाता है.

टावर चौराहे पर एक छोटे से टेबल से दशकों से लस्सी बेचने का सिलसिला जारी है. दुकान भले ही बड़ी नहीं है, लेकिन इसके स्वाद की चर्चा दूर-दूर तक है. यही वजह है कि शाम होते ही यहां लस्सी पीने वालों की भीड़ जुटने लगती है. अपनी बारी के लिए लोगों को टोकन लेना पड़ता है. नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है.

सिर्फ 50 रुपये में कुल्हड़ वाली लस्सी

गर्मी के मौसम में इसकी मांग और बढ़ जाती है. महज 50 रुपये में मिलने वाली ठंडी-ठंडी लस्सी गर्मी से राहत देने के साथ स्वाद का भी अलग अनुभव कराती है. टोकन सिस्टम के कारण ग्राहकों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन लस्सी का स्वाद इंतजार को आसान बना देता है.

मलाई, मेवे और केसर का स्वाद

इस लस्सी की खासियत इसका देसी अंदाज है. गाढ़ी दही के साथ मलाई और क्रीम मिलाई जाती है।

इसके बाद काजू, पिस्ता, बादाम और केसर से इसे सजाया जाता है. मिट्टी के कुल्हड़ में परोसी जाने वाली लस्सी में देसी स्वाद और खुशबू का एहसास और बढ़ जाता है.

शाम होते ही बढ़ती है भीड़

दरभंगा टावर की यह लस्सी सिर्फ गर्मी में राहत देने वाला पेय नहीं, बल्कि शहर की खान-पान संस्कृति का हिस्सा बन चुकी है. ऑफिस से लौटने वाले लोग हों, कॉलेज के छात्र हों या परिवार के साथ बाजार घूमने निकले लोग कई लोग यहां रुककर लस्सी का स्वाद लेना पसंद करते हैं। छोटी सी जगह से शुरू हुई यह दुकान आज दरभंगा टावर की पहचान से जुड़ चुकी है. यही वजह है कि स्थानीय लोगों के लिए यह लस्सी सिर्फ एक पेय नहीं, बल्कि दरभंगा की शाम और शहर की स्वादिष्ट याद का हिस्सा है।

रिश्तेदारों के घर जाकर बिगड़ते हैं रिश्ते? ये 5 गलतियां रिश्तों में घोल सकती हैं कड़वाहट, चाणक्य नीति की इन बातों का रखें ध्यान

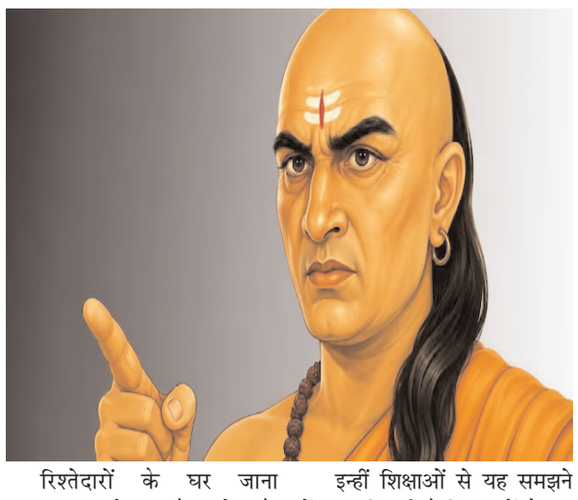

रिश्तेदारों के घर जाना अपनापन बढ़ाने का मौका होता है, लेकिन कुछ छोटी आदतें रिश्तों में दूरी पैदा कर सकती हैं. चाणक्य नीति की इन सीखों को अपनाकर आप अपनी छवि और रिश्ते दोनों बेहतर रख सकते हैं.

रिश्तेदारी में अपनापन जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है सामने वाले की सीमाओं और सुविधा का सम्मान करना. कई बार हम बेहद सामान्य समझकर ऐसी बातें कर देते हैं, जो सामने वाले को बुरी लग सकती हैं. खासकर जब किसी रिश्तेदार के घर मेहमान बनकर जाएं, तब हमारा व्यवहार ही हमारी पहचान बनता है. आचार्य चाणक्य की नीतियों में भी इंसान के व्यवहार, वाणी और सामाजिक संबंधों को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कही गई हैं.

इन्हीं शिक्षाओं से यह समझने में मदद मिलती है कि दूसरों के घर जाते समय किन बातों से बचना चाहिए. आज के समय में रिश्तेदारों से मिलना-जुलना भले पहले की तुलना में कम हो गया हो, लेकिन त्योहार, शादी या किसी खास मौके पर एक-दूसरे के घर जाना आम बात है. ऐसे में अगर कुछ छोटी बातों का ध्यान रखा जाए, तो मुलाकात सुखद रहने के साथ रिश्तों में भी मिठास बनी रहती है.

रिश्तेदारों के घर जाते समय इन बातों का रखें ध्यान

बिना बताए अचानक न पहुंचें

किसी के घर अचानक पहुंच जाना कई बार असहज स्थिति पैदा कर सकता है. जरूरी नहीं कि घर में मौजूद व्यक्ति उस समय आपसे मिलने के लिए तैयार हो. हो सकता है उनका कोई जरूरी काम हो या घर पर कोई दूसरी परेशानी चल रही हो. इसलिए जाने से पहले एक फोन या मैसेज कर देना बेहतर तरीका है. इससे सामने वाला भी आपके आने के लिए अपनी सुविधा के अनुसार समय निकाल सकता है.

रिश्तेदारी का मतलब यह नहीं कि घर के हर फैसले में अपनी राय देना जरूरी है. किसी के बच्चों की पढ़ाई, पति-पत्नी के रिश्ते, खर्च या घरेलू व्यवस्था पर बिना पूछे टिप्पणी करने से बचना चाहिए. कई बार सलाह सही होती है, लेकिन उसका समय और तरीका गलत होने पर बात बिगड़ सकती है. जब सामने वाला खुद राय मांगे, तभी अपनी बात शांत तरीके से रखना ज्यादा समझदारी है.

खाली हाथ जाने से बचें

मेहमान बनकर जाते समय कोई महंगा तोहफा ले जाना जरूरी नहीं है. अपनी क्षमता के अनुसार फल, मिठाई, बच्चों के लिए चॉकलेट या घर में काम आने वाली छोटी चीज ले जाना पर्याप्त है. असल मायने चीज की कीमत के नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपे अपनापन और सम्मान के होते हैं. यही छोटी-सी आदत मुलाकात को और यादगार बना सकती है.

जरूरत से ज्यादा दिन न रुकें

किसी रिश्तेदार के घर कुछ समय रुकना अच्छा लगता है, लेकिन मेहमान को यह भी समझना चाहिए कि मेजबान की अपनी दिनचर्या होती है।

कश्मीर-मनाली से भी खूबसूरतः सितंबर में जन्नत बन जाता है पलामू का ये बांध, पहाड़ और झील देखकर कहेंगे वाह!

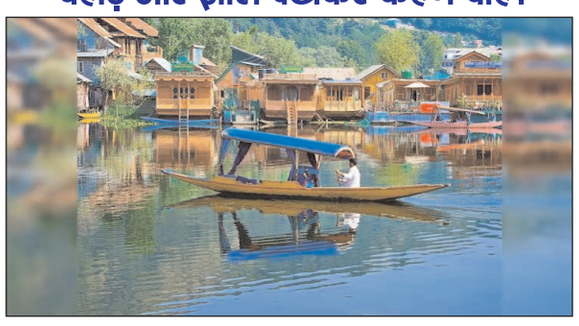

पलामू का काशी सोत बांध सितंबर में घूमने के लिए बेहतरीन जगह है. 2003 में बना यह बांध सिंचाई व मत्स्य पालन के साथ अब पिकनिक स्पॉट बन गया है. इसकी खूबसूरती कश्मीर और मनाली को भी सितंबर माह में फेल कर देती है. यहां झारखंड ही नहीं, बिहार और यूपी से भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं.

बरसात के मौसम के बाद प्राकृतिक धरोहरों की खूबसूरती बढ़ जाती है. ऐसे में झारखंड का पलामू जिला प्राकृतिक सुंदरता और अनछुए पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है. इन्हीं खूबसूरत जगहों में एक नाम काशी सोत बांध का भी है. पहाड़ों की श्रृंखला, शांत वातावरण और जलाशय के मनमोहक दृश्य के बीच स्थित यह बांध सितंबर के महीने में परिवार और दोस्तों के साथ घूमने-पिकनिक मनाने के लिए एक बेहतरीन स्थान बन सकता है. बरसात के बाद सितंबर में यहां की प्राकृतिक छटा और भी आकर्षक नजर आती है.

2003 में हुआ था बांध का निर्माण

काशी सोत नदी पर वर्ष 2003 में इस बांध का निर्माण किया गया था. बांध का नाम इसी नदी के नाम पर काशी सोत बांध रखा गया. इसके निर्माण का मुख्य उद्देश्य सिंचाई और मत्स्य पालन को बढ़ावा देना था. समय के साथ यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण लोगों के बीच पिकनिक और भ्रमण स्थल के रूप में भी पहचान बनाने लगा. बांध के आसपास फैली पहाड़ियां और प्राकृतिक वातावरण यहां आने वाले लोगों को आकर्षित करता है.

स्थानीय लोग बताते है कि बरसात के मौसम के बाद सितंबर में काशी सोत बांध का नजारा बेहद खूबसूरत हो जाता है. आसपास की पहाड़ियां हरियाली से ढक जाती हैं और बांध में जमा पानी प्राकृतिक दृश्य को और आकर्षक बना देता है।

प्यार आधार कार्ड देखकर करना चाहिए... जब इंटरकास्ट मैरिज पर बोले अनिरुद्धाचार्य, लोगों ने कमेंट में दिए ऐसे जवाब

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य अपने विवादित बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में रहते हैं. हाल ही में उन्होंने हरियाणा के करनाल में कथा के दौरान इंटरकास्ट लव मैरिज पर कहा कि आधार कार्ड देखकर ही प्रेम करें. इस पर सोशल मीडिया पर लोगों ने कमेंट पर अलग-अलग तरीके से इसपर रिएक्शन दिया है.

अनिरुद्धाचार्य एक भारतीय हिंदू धार्मिक वक्ता और खुद को गुरु कहने वाले व्यक्ति हैं, जो अपने विवादित बयानों के लिए जाने जाते हैं. आध्यात्मिक प्रवचन देने के साथ-साथ, अनिरुद्धाचार्य जी कई बार कथा के दौरान फ्री काउंसलिंग करते हुए भी नजर आते हैं. बड़ी संख्या में लोग इनमें आस्था रखते हैं और इनकी बातों को गंभीरता से लेते भी हैं. लेकिन सोशल मीडिया पर अनिरुद्धाचार्य के मीम भी खूब देखने के लिए मिलते हैं. जेन-जी इन्हें 'क्षणश्रद्धद्र' बाबा भी कहते हैं. हाल ही में इंटरकास्ट लव मैरिज पर आया आधार कार्ड वाला बयान भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

दरअसल, अनिरुद्धाचार्य करनाल में श्रीमद्भागवत कथा कराने पहुंचे थे. इस बीच लोगों से इंटरेक्शन के लिए Q&A सेशन भी रखा गया था. जहां कोई भी

अपने सवाल सीधे बाबा से पूछ सकता था. ऐसे में एक लड़की ने अपने इंटरकास्ट लव मैरिज और परिवार से दूरी की बात बाबा के सामने रखी ताकि उसे एक मार्गदर्शन मिले. लेकिन बाबा ने पूरे सामाज को ही नसीहत दे डाली. बाबा ने इंटरकास्ट लव मैरिज सुनते ही कहा कि प्यार आधार कार्ड देखकर करना चाहिए. क्योंकि सिर्फ प्यार ही नहीं आगे संतान है पूरी सृष्टि है. कई बार जिसे हम प्यार समझ रहे होते हैं वो सिर्फ एक वासना होती है.

परिवार- संस्कार को समझना जरूरी

लड़की ने बताया कि उसे एक दूसरे जाति के लड़के से प्रेम था, उसने ये बात अपनी मां को भी बतायी थी. साथ ही ये भी कहा था कि अगर उन्हें ये लड़का मिलने पर पसंद नहीं आता है तो वो शादी करने का विचार दिमाग से निकाल देगी. लेकिन इसके बावजूद उसकी मां ने उसे घर में 1 महीने तक बंद रखा. जिसके बाद लड़की ने उस लड़के से परिवार के खिलाफ जाकर शादी कर ली. पर इन सब में उसका अपना परिवार उससे नाराज है, लेकिन वो अपने पति और परिवार के बीच चीजों को बेहतर करना चाहती है.

इस पर अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि धर्म और कानून के अनुसार एक बालिक युवक-युवती अपने पसंद से अपना चुन सकते हैं. इस हिसाब से तुमने कोई गलती नहीं की. लेकिन शादी केवल भावनाओं के आधार पर नहीं की जानी चाहिए. व्यक्ति को सामने वाले के परिवार, संस्कार और भविष्य के बारे में ठीक से विचार करना जरूरी होता है.

आधार कार्ड देखकर करें प्यार

अनिरुद्धाचार्य का मानना है कि व्यक्ति को धर्म से चलना चाहिए. आधार कार्ड देखकर प्यार करें. क्योंकि आपसे ही पीढ़ी बिगड़ती है और बनती है. प्यार सिर्फ चमड़ी से होता है, अगर आप सुंदर हैं तो आपसे कई लोग प्यार करना चाहेंगे. इस बीच लड़की ने कहा कि उसने निस्वार्थ प्रेम किया था. इस पर आचार्य ने कहा कि आपकी मां का प्रेम आपको निस्वार्थ नहीं लगा जिसने आपका बचपन से पालन पोषण किया, सपनों को पूरा करने लायक बनाया. हालांकि आगे आचार्य ने लड़की को अपनी शादीशुदा जीवन की जिम्मेदारियों को पूरा करने और मां से बात करने की सलाह दी.

लोगों ने कमेंट में दिए ऐसे जवाब

सोशल मीडियो पर अनिरुद्धाचार्य के इस बयान के वायरल होते ही लोगों ने कमेंट में अलग-अलग तरीके से अपने रिएक्शन दिए. कुछ लोगों ने बाबा के बात को 100% सही बताया तो किसी ने बाबा को ही अनपढ़ और मदारी कह दिया.वहीं, एक यूजर ने फेसबुक पर ये तक कह दिया कि बाबा योगी से मिला हुआ है।

गोंडा की कुसुम मौर्य का कमालः घर पर तैयार पथरी नाशक आयुर्वेदिक जूस की मुंबई और दिल्ली तक भारी मांग

कभी सिर्फ घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली महिलाएं आज अपने हुनर से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं. उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के वजीरगंज ब्लॉक स्थित रायपुर गांव की कुसुम मौर्य ने ऐसा ही कमाल कर दिखाया है. स्वयं सहायता समूह से जुड़कर जड़ी-बूटियों की समझ विकसित करने वाली कुसुम आज घर पर ही पथरी नाशक आयुर्वेदिक जूस तैयार कर रही हैं, जिसकी मांग अब गोंडा से निकलकर दिल्ली, मुंबई, कानपुर और पंजाब तक पहुंच चुकी है.

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के वजीरगंज ब्लॉक के रायपुर गांव की रहने वाली कुसुम मौर्य घर पर जड़ी-बूटियों से आयुर्वेदिक जूस तैयार कर रही हैं. उनका बनाया गया पथरी नाशक जूस अब गोंडा ही नहीं, बल्कि दिल्ली, कानपुर, मुंबई और पंजाब तक भेजा जा रहा है.

स्वयं सहायता समूह से मिली नई पहचान

कुसुम मौर्य ने बताया कि पहले वह केवल गृहिणी थीं. बाद में स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने औषधीय पौधों पर काम शुरू किया. आज वह कई तरह के आयुर्वेदिक उत्पाद बनाती हैं, जिनमें पथरी नाशक जूस सबसे अधिक पसंद किया जाता है.

घर के बगीचे से कच्चा माल और निर्माण विधि

कुसुम के अनुसार यह जूस कई प्रकार की औषधीय जड़ी-बूटियों को तय मात्रा में मिलाकर बनाया जाता है. उनके घर और बगीचे में ही कई औषधीय पौधे लगे हुए हैं, जिनसे कच्चा माल मिलता है. सभी जड़ी-बूटियों को साफ करके मिश्रण तैयार किया जाता है, फिर उससे जूस बनाया जाता है।

बच्चे का नहीं लगता पढ़ाई में मन? आजमाएं 5 आसान टिप्स, नहीं चुराएगा जी, अपने आप उठाएगा किताब

बच्चे का मन पढ़ाई में नहीं लग रहा है, पढ़ी हुई चीजें याद नहीं रख पाता, चाहता है लेकिन पढ़ नहीं पाता, अच्छे नंबर नहीं आते और मोबाइल ज्यादा देखता है, ये कुछ ऐसे सवाल हैं जो हर घर में सुनाई देते हैं. महिलाएं अक्सर इस तरह की शिकायत करती हैं और पूछती रहती हैं कि वो ऐसा क्या करें कि उनका बच्चा पढ़ने में मन लगाए. एकाग्रचित होकर पढ़ाई करे और उसे पढ़ी हुई चीजें याद रहें. बच्चे का मन पढ़ाई में लगाने के कुछ टिप्स आजमा सकते हैं. ऐसे ही 5 आसान उपाय की हम चर्चा करने जा रहे हैं.

हर पैरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा अच्छी पढ़ाई करे. कई बार प्रयास के बावजूद भी बच्चा पढ़ाई में मन नहीं लगाता. पढ़ी हुई चीजें जल्दी भूल जाता है.पढ़ाई में एकाग्रता के लिए पैरेंट्स कई तरह की ट्रिक्स आजमाते हैं. मोबाइल-कंप्यूटर और रील्स जैसी चीजों ने बच्चों का ध्यान भटकाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. डिजिटल के बढ़ते प्रभाव का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर हुआ है. बच्चों का मन पढ़ने में ज्यादा लगे, इसके लिए आप कुछ आसान उपाय अपना सकते हैं. वो 5 आसान उपाय कौन से हैं, आइये जानते हैं.

हर बच्चे के सोचने-समझने का तरीका अलग होता है. कोई बच्चा सुनकर सीखता है तो कोई प्रैक्टिकल करके. कई बार बच्चे को सब्जेक्ट बोरिंग लगता है. कई बार सब्जेक्ट कठिन लगता है, इसकी वजह से वो पढ़ाई से दूर भागने लगता है. उसका ध्यान बार-बार भटकता है. ऐसे में हमें यह समझना होगा कि छोटे बच्चे अपने आप नहीं पढ़ते. अगर आप चाहते हैं कि वो मन लगाकर पढ़ें तो उनके साथ बैठिए. उन्हें सिखाइये. उन्हें अच्छे से चैप्टर समझाइये. चैप्टर से जुड़ें उदाहरण उसे समझाइये. इससे वो सब्जेक्ट से अच्छे से कनेक्ट हो जाएगा और पढ़ने में रुचि भी लेने लगेगा.

अगर बच्चे को कोई सब्जेक्ट समझ नहीं आएगा तो उसका आत्मविश्वास भी कमजोर होता जाएगा. ऐसे में अगर माता-पिता डांटेंगे तो डर की वजह से वो अपनी कमजोरी के बारे में खुलकर नहीं बताएगा. इस समस्या से निपटने का एक ही तरीका है कि आप बच्चे से इतने फ्रेंडली हो जाएं कि वो अपनी बात बता सके. सिर्फ डांटने या टोकने से कुछ नहीं होगा. धैर्य रखें और क्रिएटिविटी का सहारा लेते हुए बच्चे के अंदर उस चैप्टर-सब्जेक्ट के प्रति रुचि जगाएं.

बच्चा पढ़ाई में मन लगाए, इसके लिए जरूरी है कि उसे घर का माहौल अच्छा मिले. पैरेंट्स पहले खुद में बदलाव लाएं. मोबाइल-रील्स के इस दौर में ज्यादातर पैरेंट्स बच्चों को पढ़ने के लिए बैठाते हैं लेकिन खुद रील्स और मोबाइल देखते रहते हैं. ऐसे में बच्चे का ध्यान भटकता है. जरूरी है कि मोबाइल-फोन से खुद दूरी बरतें. जब भी बच्चे के साथ पढ़ाई के लिए बैठे, मोबाइल से दूर रहें. इस आदत को हर हाल में अपने जीवन में अपनाएं. कुछ ही दिनों में सकारात्मक परिणाम मिलेगा.

हर बच्चे का स्वभाव अलग होता है. कुछ बच्चे स्कूल में टीचर से घुल-मिल जाते हैं तो कुछ इंट्रोवर्ट होने की वजह से अपनी बात नहीं रख पाते. बच्चों की लर्निंग में तेजी से सुधार तब होता है जब टीचर उन्हें व्यक्तिगत रूप से समझाए. बच्चे के कौशल विकास पर फोकस करें. कई बच्चों को सीखने में परेशानी होती हैं. ऐसे में बच्चों को गेम्स खिलाते हुए, रोचक बातें करते हुए चैप्टर की चीजों को आसानी से समझाएं. उससे जुड़े रोचक सवाल पूछें. इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ेगा. बच्चे के जवाब को ध्यान से सुनें, उसका उत्साह बढ़ाएं. जो कमी रह जाए, उसे आसान भाषा में रोचक अंदाज में बताएं.

बच्चे का मन पढ़ाई में लगे, इसके लिए जरूरी है कि एक फिक्स रूटीन हो. कब पढ़ना है, कितनी देर पढ़ना है, इसका रुटीन बनाइये. रूटीन फॉलो करने से पढ़ने की आदत डेवलप होगी. बच्चे के साथ जब पेरेंट्स बैठते हैं तो बच्चे में अनुशासन आता है. जरूरी हो तो चार्ट पेपर, पिक्चर-वीडियो की मदद लें. कोशिश करें कि मोबाइल का इस्तेमाल कम से करना पड़ें. बच्चे की तुलना किसी से ना करें. हर बच्चा अनूठा होता है. बच्चा अगर किसी सब्जेक्ट में कमजोर है तो उस पर अतिरिक्त समय दें।

प्रीति जिंटा ने याद किया 28 साल का फिल्मी सफर, बोलीं- अच्छा काम देने का दबाव आज भी

■ मुंबई । अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने जब 90 के दशक के आखिर में फिल्मों में कदम रखा था, तब बॉलीवुड का माहौल आज से काफी अलग था। कैमरे अलग थे, शूटिंग का तरीका अलग था और कलाकारों के लिए अपनी आवाज और अभिनय को लेकर भी एक अलग तरह की तैयारी करनी पड़ती थी। करीब 28 साल के अपने सफर में प्रीति ने न सिर्फ कई दौर की फिल्मों को देखा, बल्कि खुद उस बदलाव का हिस्सा भी बनीं, जिसने हिंदी सिनेमा को धीरे-धीरे नई दिशा दी।

सिनेमा में आए बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर उन्होंने आईएएनएस से बताया कि एक चीज उन्हें आज भी वैसी ही लगती है और वह है कलाकार पर अच्छा काम देने का दबाव।

'क्या कहना' से मिली नई पहचान

आईएएनएस से खास बातचीत में प्रीति ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, "मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 90 के दशक के आखिर में फिल्मों में आने का मौका मिला। उस समय हिंदी सिनेमा में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। फिल्म 'क्या कहना' एक अलग अनुभव लेकर आई। फिल्म की कहानी उस समय के हिसाब से अलग थी और एक नई अभिनेत्री के तौर पर उसमें काम करना मेरे लिए बेहद खास था।"

'दिल चाहता है' ने बदला फिल्म बनाने का तरीका

प्रीति ने कहा, "मेरे इंडस्ट्री में आने से पहले भी इस तरह की कहानियों पर फिल्में बन चुकी थीं, लेकिन मेरे लिए ऐसी फिल्म से शुरुआत करना काफी अलग बात थी। इसके कुछ ही समय बाद 'दिल चाहता है' आई और फिल्म बनाने के तरीके में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला। फिल्म में लाइव साउंड का इस्तेमाल किया गया, जिससे डबिंग बंद हो गई।"

तकनीक ने बदला सिनेमा का चेहरा

प्रीति ने कहा, "मैं उस बदलाव के समय का हिस्सा थी। मेरे शुरुआती दिनों से लेकर आज तक फिल्में बनाने के तरीके में सबसे बड़ा बदलाव तकनीक का है। पहले फिल्मों की शूटिंग फिल्म कैमरों से होती थी। लेकिन अब डिजिटल कैमरों ने उसकी जगह ले ली है। इसके साथ ही बाद में फिल्म को ठीक करने के कई रास्ते भी मौजूद हैं, जो उनके शुरुआती दौर में नहीं थे। लेकिन एक चीज ऐसी है, जो आज भी नहीं बदली है और वह है कलाकार पर अच्छा काम देने का दबाव।"

कहानियों का बदलता रूप

प्रीति ने बताया कि उनके शुरुआती दौर में विदेश में रहने वाले भारतीयों की प्रेम कहानियां खूब देखने को मिलती थीं। उस समय कई फिल्में भारतीय परिवारों और विदेश की पृष्ठभूमि के बीच घूमती थीं। अब फिल्मों का ध्यान धीरे-धीरे भारत से जुड़ी कहानियों की तरफ ज्यादा गया है। आज भारतीय होने पर गर्व, देश का इतिहास और सेना जैसे विषयों पर फिल्में बन रही हैं। कॉमेडी फिल्मों का अंदाज भी बदला है।

"एक चीज ऐसी है, जो आज भी नहीं बदली है और वह है कलाकार पर अच्छा काम देने का दबाव।"
- प्रीति जिंटा

अली अब्बास जफर की फिल्म 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' को पूरे हुए 15 साल, फिल्मकार ने शेयर किया पोस्टर

विश्व केसरी ■

मुंबई। फिल्ममेकर अली अब्बास जफर की साल 2011 में रिलीज हुई 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' को 15 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अली अब्बास ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और फिल्म को खास बताया।

फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए अली अब्बास जफर ने कैप्शन में लिखा, ' 'फिल्में बनाते हुए 15 साल हो गए हैं। यहीं से सब शुरू हुआ। पहली फिल्म हमेशा खास होती है।'

उन्होंने अपने इस पोस्ट में फिल्म से जुड़े कलाकारों को भी टैग किया। अली अब्बास जफर की बतौर निर्देशक 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' पहली फिल्म थी। फिल्म के निर्देशन के साथ उन्होंने इसकी कहानी भी लिखी थी। इससे पहले वह यशराज फिल्म्स के साथ सहायक निर्देशक के तौर पर काम कर चुके थे। 'झूम बराबर झूम', 'टशन', 'न्यूयॉर्क' और 'बदमाश कंपनी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद उन्हें अपनी कहानी पर्दे पर उतारने का मौका मिला।

अली अब्बास जफर का संबंध देहरादून से रहा है और फिल्म की कहानी का एक हिस्सा भी इसी शहर से जुड़ा था। फिल्म की कहानी कुश अग्निहोत्री के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार इमरान खान ने निभाया था। कुश के बड़े भाई लव अग्निहोत्री यानी अली जफर विदेश में अपना रिश्ता खत्म करने के बाद अपने लिए एक नई दुल्हन की तलाश की जिम्मेदारी छोटे भाई को सौंपते हैं। कुश अपने भाई के लिए लड़की तलाशते हुए अलग-अलग जगहों पर जाता है, लेकिन बात नहीं बनती।

इसी बीच अखबार में शादी का विज्ञापन देने के बाद उसकी मुलाकात डिंपल दीक्षित से होती है, जिसका किरदार कैटरीना कैफ ने निभाया था। डिंपल स्वभाव से बेबाक, मस्तमौला और अपनी ही धुन में रहने वाली लड़की है। कुश उसे पांच साल पहले कॉलेज के दिनों में मिल चुका होता है और अचानक उसे देखकर हैरान रह जाता है। इसके बावजूद वह अपने भाई लव और डिंपल की शादी करवाने के लिए तैयार हो जाता है। डिंपल भी लव से बातचीत के बाद इस रिश्ते के लिए हां कर देती है।

यहीं से कहानी में असली उलझन शुरू होती है, क्योंकि भाई के लिए दुल्हन तलाशने वाला कुश खुद उसी लड़की को दिल दे बैठता है। ऐसे में आगे क्या होता है, यही कहानी को दिलचस्प बनाता है।

फिल्म में इमरान खान, कैटरीना कैफ, अली जफर और तारा डिसूजा मुख्य भूमिकाओं में थे। परिक्षित साहनी ने कुश के पिता का किरदार निभाया था।

रणबीर की ब्रह्मास्त्र ने पूरे किए 4 साल, अस्त्रावर्स की पहली फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर चला था जादू

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'ब्रह्मास्त्र: पहला भाग- शिवा' ने अपनी रिलीज के 4 साल पूरे कर लिए हैं। बुधवार को मेकर्स ने रिलीज का जश्न मनाया। साथ ही फिल्म के पुराने पन्नों को फिर से दोहराया।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सीन का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें फिल्म से जुड़े मुख्य कलाकार नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'सबसे ऊपर प्यार, रोशनी और आस्था। 'ब्रह्मास्त्र: पहला भाग — शिवा' के 4 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।'

'ब्रह्मास्त्र: पहला भाग — शिवा'भारतीय हिंदी-भाषा की काल्पनिक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है, जिसे अयान मुखर्जी ने लिखा और निर्देशित किया है। धर्मा प्रोडक्शंस, स्टार स्टूडियोज और प्राइम फोकस के बैनर तले बनी फिल्म 2022 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में शामिल रही।

यह फिल्म 'अस्त्रावर्स' नामक नए भारतीय सिनेमैटिक यूनिवर्स की पहली कड़ी है। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय और नागार्जुन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में शाहरुख खान भी नजर आए थे। उन्होंने मोहन भार्गव नाम के एक वैज्ञानिक की विशेष भूमिका (कैमियो) निभाई थी। उनका किरदार 'ब्रह्मांश' नामक गुप्त समाज का हिस्सा है और वे वानरास्त्र की शक्ति का उपयोग करते हैं। फिल्म की कहानी शिव (रणबीर कपूर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मुंबई का एक साधारण डीजे है और जिसे आग से कोई नुकसान नहीं होता। सफर के दौरान उसकी मुलाकात ईशा (आलिया भट्ट) से होती है और दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है।

फिल्म जब लोगों के दिलों को छूती है, तो वो छप्पर फाड़ कमाई करती है: श्रेयस तलपड़े

नागपुर। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी की फिल्म 'हनुमान अंश' सिनेमाघरों में ताबड़-तोड़ कमाई कर रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और इसकी कहानी मनोरंजन जगत के सेलेब्स के दिलों को भी छुई हुई है। एक्टर श्रेयस तलपड़े ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि 'हनुमान अंश' को टैक्स-फ्री कर देना चाहिए क्योंकि लोग पहले से ही फिल्म को पसंद कर रहे हैं।

अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने हाल ही में मीडिया संग इंटरेक्शन के दौरान फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि जब कहानी दर्शकों के दिलों को छूती है, तो ताबड़तोड़ कमाई होने लगती है। उन्होंने कहा, 'कहानी लोगों के दिलों में छूनी चाहिए और जब वो छू जाती हैं, तो छप्पर फाड़ बिजनेस करती है। तो मुझे लगता है कि हनुमान अंश वैसी ही एक कहानी है, जो लोगों के दिलों को छू गई और उन्हें अपनी लगी। यही वजह है कि फिल्म अच्छी कमाई कर रही है।

अभिनेता ने शोले के दिनों को याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि फिल्म ने तीसरे, चौथे हफ्ते से अच्छा बिजनेस करना शुरू किया था, जो कि अपने आप में एक अजूबा है। बहुत पहले हम सुना करते थे कि शोले एक ऐसी फिल्म थी, जिसने कुछ हफ्तों के बाद बिजनेस किया था। उसके बाद तो हम आज कल फर्स्ट वीकेंड की बात करते हैं, लेकिन बाद के हफ्तों में ऐसा कुछ हो सकता है। मुझे लगता है कि यह बाबा की कृपा है। मीडिया ने अभिनेता से फिल्म के टैक्स फ्री होने पर सवाल किया, जिस पर अभिनेता ने हामी भरते हुए कहा, 'बिल्कुल, अगर ऐसी फिल्म लोगों को पसंद आ रही है, तो इसे टैक्स फ्री जरूर करना चाहिए, जिससे फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र में आगामी नवरात्रि उत्सव के दौरान गरबा और डांडिया पंडालों में मुसलमानों के प्रवेश पर रोक लगाने और प्रवेश के लिए कड़े नियम लागू करने की घोषणा की है।

'हनुमान अंश' को लेकर सियासी घमासान, राशिद अल्वी के बयान पर आई नेताओं की प्रतिक्रिया

विश्व केसरी ■

मुंबई। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी की फिल्म 'हनुमान अंश' जहां एक तरफ बॉक्स ऑफिस में अच्छा कलेक्शन कर रही हैं, तो दूसरी तरफ विवादों में भी घिरी हुई है। कई लोग इसे टैक्स फ्री करने की मांग कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने इस फिल्म को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी के द्वारा दिए गए बयान और फिल्म को टैक्स फ्री करने पर कई राजनीतिक प्रतिक्रियाएं देखने को मिली।

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने फिल्म को टैक्स फ्री करने पर कहा, 'यह फैसला सीएम योगी का होगा और भारतीय जनता पार्टी को तय करना होगा कि यह फिल्म टैक्स फ्री होगी या नहीं।'

फिल्म 'हनुमान अंश' को लेकर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी के बयान पर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा, 'यह राशिद अल्वी का पूरी तरह से पर्सनल बयान है। मुझे इस बयान पर कमेंट करने की जरूरत नहीं है।'

भाजपा नेता संगीत सोम ने फिल्म को टैक्स फ्री करने पर कहा, 'मेरा मानना है कि ऐसी फिल्मों को टैक्स फ्री किया जाना चाहिए और मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि इस फिल्म को टैक्स फ्री करें। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने कांग्रेस नेता राशिद अल्वी के बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे हर चीज को वोट-बैंक के नजरिए से देखते हैं। उन्होंने कहा, 'वे हर चीज को वोट-बैंक की राजनीति के नजरिए से देखते हैं और लोगों को सांप्रदायिक आधार पर बांटते हैं, जो कि बिल्कुल भी ठीक नहीं है। जब कोई फिल्म राम, हनुमान और संतों की सेवा दिखाती है, तो उन्हें उसमें राजनीति दिखती है। जनता यह सब समझती है। ऐसी फिल्में सनातन संस्कृति और आस्था को मजबूत करती हैं। सनातन आस्था मजबूत होती है और राशिद अल्वी को इसमें वोट देख रही है, लेकिन जनता को सब पता है। जहां हमारे संत की सेवा हो उसे ये राजनीति भावना से देख रहे है। इसलिए कहीं से भी ये उचित नहीं है।'

झारखंड भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा, 'देखिए, 'हनुमान अंश' बहुत अच्छी फिल्म है, जिसमें बाबा नीम करोली की पूरी जिंदगी को बहुत अच्छे से दिखाया गया है। उनके चमत्कारों को भी बिना किसी नाटक के, बिल्कुल साधारण तरीके से दिखाया गया है। कहा जाता है कि वह एक तरह से भगवान हनुमान का ही एक रूप थे। इसलिए, अगर सरकारें इसे टैक्स-फ्री कर दें तो यह बहुत अच्छी पहल होगी। अगर सभी राज्य सरकारें इसे टैक्स-फ्री कर दें, तो ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख पाएंगे और बाबा नीम करौली के जीवन के बारे में जान पाएंगे, किस तरह से उन्होंने निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा की थी।

खतरों के खिलाड़ी के सफर को याद कर भावुक हुए ओरी, बोले-हर मुश्किल के बाद आती है उम्मीद की किरण

विश्व केसरी ■

मुंबई। सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ओरी (ओरहान अवात्रामणि) ने स्टंट आधारित रियलिटी टेलीविजन शो 'खतरों के खिलाड़ी-15' से बाहर हो गए थे। बुधवार को ओरी ने शो में बिताए अपने सफर को याद करते हुए खास पोस्ट किया।

ओरी ने इंस्टाग्राम पर शो के पीछे की कुछ झलकियां शेयर की, जिसमें वे 'खतरों के खिलाड़ी-15' की टीम के साथ 'केप ऑफ गुड होप' में मजे करते नजर आ रहे हैं। ओरी ने लिखा, 'प्रिय रोहित जी, कहते हैं इस जगह का नाम पहले 'केप ऑफ स्टॉर्म्स' था, जिसके बाद में 'केप ऑफ गुड होप' कहा गया। यह वो मोड़ है जहां तूफानी समंदर पार करने के बाद मुसाफिरों को नई रोशनी और आगे का रास्ता दिखता है एक ऐसी उम्मीद जो मुश्किलों के बाद ही मिलती है।'

ओरी ने स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के दिनों को याद करते हुए लिखा, 'आज अफ्रीका के इस आखिरी छोर पर खड़े होकर, जब समंदर की तेज लहरों और हवाओं का रुख देखा, तो हमारे अपने सफर का ख्याल आ गया। कितने ही मोड़, कितनी ही चढ़ाई और तूफानी दौर पीछे छूट गए, तब जाकर हम इस संतुलन और इस खुली क्षितिज तक पहुंचते हैं। हर मुश्किल सफर के बाद एक ऐसी ही उम्मीद की किरण आती है जो आगे बढ़ने का हौसला दे जाती है।'

उन्होंने रोहित शेट्टी के लिए लिखा, 'उम्मीद करते हैं आप भी अपनी नई मंजिलों की तरफ पूरे हौसले से बढ़ रहे होंगे। हमेशा आपकी शुभकामनाओं का आकांक्षी। सदैव आपका ओरी।'

'केप ऑफ गुड होप' दक्षिण अफ्रीका के केप प्रायद्वीप के दक्षिणी छोर पर स्थित एक प्रसिद्ध चट्टानी भू-भाग है। यह दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन शहर से लगभग 50-70 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है।

'खतरों के खिलाड़ी' एक रियलिटी गेम शो है, जहां सेलिब्रिटीज अपने डर का सामना करते हैं और खतरनाक स्टंट्स करते हैं। इस साल के कंटेस्टेंट्स में रुबीना दिलैक, जैस्मीन भसीन, करण वाही, अविनाश मिश्रा, रित्विक धनजानी, गौरव खन्ना, अविका गौर, फरहाना भट्ट, हर्ष गुजराल, विशाल आदित्य सिंह, ओरी, शगुन शर्मा और रुहानिका धवन समेत कई और नाम शामिल हैं।

फिल्म जब लोगों के दिलों को छूती है, तो वो छप्पर फाड़ कमाई करती है: श्रेयस तलपड़े

विश्व केसरी ■

नागपुर। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी की फिल्म 'हनुमान अंश' सिनेमाघरों में ताबड़-तोड़ कमाई कर रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और इसकी कहानी मनोरंजन जगत के सेलेब्स के दिलों को भी छुई हुई है। एक्टर श्रेयस तलपड़े ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि 'हनुमान अंश' को टैक्स-फ्री कर देना चाहिए क्योंकि लोग पहले से ही फिल्म को पसंद कर रहे हैं।

अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने हाल ही में मीडिया संग इंटरेक्शन के दौरान फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि जब कहानी दर्शकों के दिलों को छूती है, तो ताबड़तोड़ कमाई होने लगती है। उन्होंने कहा, 'कहानी लोगों के दिलों में छूनी चाहिए और जब वो छू जाती हैं, तो छप्पर फाड़ बिजनेस करती है। तो मुझे लगता है कि हनुमान अंश वैसी ही एक कहानी है, जो लोगों के दिलों को छू गई और उन्हें अपनी लगी। यही वजह है कि फिल्म अच्छी कमाई कर रही है।'

अभिनेता ने शोले के दिनों को याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि फिल्म ने तीसरे, चौथे हफ्ते से अच्छा बिजनेस करना शुरू किया था, जो कि अपने आप में एक अजूबा है। बहुत पहले हम सुना करते थे कि शोले एक ऐसी फिल्म थी, जिसने कुछ हफ्तों के बाद बिजनेस किया था। उसके बाद तो हम आज कल फर्स्ट वीकेंड की बात करते हैं, लेकिन बाद के हफ्तों में ऐसा कुछ हो सकता है। मुझे लगता है कि यह बाबा की कृपा है।'

मीडिया ने अभिनेता से फिल्म के टैक्स फ्री होने पर सवाल किया, जिस पर अभिनेता ने हामी भरते हुए कहा, 'बिल्कुल, अगर ऐसी फिल्म लोगों को पसंद आ रही है, तो इसे टैक्स फ्री जरूर करना चाहिए, जिससे फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे।'

विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र में आगामी नवरात्रि उत्सव के दौरान गरबा और डांडिया पंडालों में मुसलमानों के प्रवेश पर रोक लगाने और प्रवेश के लिए कड़े नियम लागू करने की घोषणा की है। अभिनेता श्रेयस तलपड़े से विश्व हिंदू परिषद के इस बयान पर सवाल किया गया, तो अभिनेता ने कहा, 'हम सब इतने सालों से सभी त्योहार एक साथ मनाते और एन्जॉय करते आ रहे हैं।

यूक्रेन-रूस के बीच बिना शर्त युद्धविराम जरूरी, यूएन प्रमुख गुटेरेस ने की अपील

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हाल की कूटनीतिक कोशिशों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत फिर से शुरू होगी। यह जानकारी उनके प्रवक्ता ने दी।

मंगलवार (स्थानीय समय) को संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हाल में अमेरिकी वरिष्ठ दूतों की मॉस्को और कीव यात्राओं समेत कई कूटनीतिक प्रयासों से गुटेरेस उत्साहित हैं।

दुजारिक ने कहा, 'महासचिव को उम्मीद है कि हाल की पहल यूक्रेन और रूस के बीच फिर से बातचीत शुरू करने का रास्ता बनाएगी। इससे तुरंत, पूर्ण और बिना किसी शर्त के युद्धविराम की दिशा में प्रगति हो सकती है, जो आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संयुक्त राष्ट्र के संबंधित प्रस्तावों के अनुरूप एक न्यायपूर्ण, व्यापक और स्थायी शांति स्थापित करने में मदद करेगी।

उन्होंने कहा, 'इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र हर सार्थक प्रयास में सहयोग देने के लिए तैयार है।

साथ ही गुटेरेस यूक्रेन और रूस में आम नागरिकों और नागरिक ढांचे पर जारी हमलों को लेकर गहरी चिंता भी जता रहे हैं। उनके प्रवक्ता ने कहा कि महासचिव इन हमलों को तुरंत रोकने की अपील करते हैं और दोनों पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करें।

इससे पहले, स्लोवाकिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री जुराज ब्लानार ने टीएएसआर टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं को यूक्रेन संघर्ष का कूटनीतिक समाधान खोजने में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए थी। ब्लानार ने कहा कि इस समय शांति प्रक्रिया में अमेरिका की भूमिका काफी बढ़ गई है, जबकि यूरोप ने यूक्रेन को बड़े पैमाने पर आर्थिक सहायता प्रदान की है।

उन्होंने कहा, 'फिलहाल हमारी स्थिति ऐसी है कि हम बातचीत की मेज पर भी नहीं हैं। हम बस इससे जुड़े सभी खर्च उठा रहे हैं। सि?न्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूरोपियन एक्सटर्नल एक्शन सर्विस के आंकड़ों से पता चलता है कि युद्ध शुरू होने के बाद से यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों ने यूक्रेन को वित्तीय, सैन्य, मानवीय और शरणार्थी सहायता के रूप में 226 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की मदद उपलब्ध कराई है।

ब्लानार ने कहा कि स्लोवाकिया, वीशेग्राद फोर (वी4) समूह के अपने साझेदार देशों, यानी चेक गणराज्य, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया के साथ इस बात पर सहमति बना सकता है कि शांति प्रक्रिया में यूरोपीय संघ को अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। हालांकि, युद्धविराम कैसे हासिल किया जाए, इस पर चारों देशों की राय अलग-अलग है।

उन्होंने बताया कि स्लोवाकिया, हंगरी और चेक गणराज्य यूक्रेन के लिए 90 अरब यूरो (करीब 104.5 अरब डॉलर) के कर्ज की गारंटी में हिस्सा नहीं लेंगे, जबकि पोलैंड ने इसमें भाग लेने का फैसला किया है।

ब्लानार ने कहा, भले ही हमारे विचार अलग-अलग हों, फिर भी हम इन मुद्दों पर साथ बैठकर चर्चा करने में सक्षम हैं।

ईरान का जवाबी हमला, तेल टैंकरों पर कार्रवाई के जवाब में जॉर्डन में अमेरिकी बेस को निशाना बनाने का दावा

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बुधवार तड़के घोषणा की कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने जॉर्डन में स्थित एक अमेरिकी एयर बेस पर हमला किया है। आईआरजीसी का कहना है कि यह कार्रवाई ईरानी तेल टैंकरों पर अमेरिका के 'आक्रामक' हमलों के जवाब में की गई।

आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हैंगर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसके वायु रक्षा सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया। सेना के अनुसार, बाकी दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरीं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

इससे पहले, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा था कि अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच कच्चा तेल ले जाने वाले टैंकरों को नष्ट कर दिया है। सेंटकॉम के मुताबिक, आईआरजीसी ने दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से एक अमेरिकी युद्धपोत को निशाना बनाने की कोशिश की थी।

अमेरिका के अनुसार, ये हमले मंगलवार (स्थानीय समय) को ओमान की खाड़ी और ईरान के खार्ग द्वीप के पास किए गए। खार्ग द्वीप ईरान के तेल निर्यात का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी युद्धपोत पिछले दो दिनों के दौरान हुए दोनों कथित हमलों से सुरक्षित बच निकला और किसी भी अमेरिकी सैनिक को चोट नहीं आई।

अमेरिकी सेना ने बताया कि ओमान की खाड़ी में नष्ट किए गए टैंकरों के नाम एम/टी कविज, एम/टी चारमीनार, एम/टी होराइजन-1 और एम/टी रिस्को थे। पांचवां टैंकर एम/टी डेर्या था, जिसे खार्ग द्वीप के पास निशाना बनाया गया।

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के दावों को किया खारिज, दो जहाजों पर हमले का बताया 'सच'

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के दो अमेरिकी जहाजों पर हमले के दावे को सिरे से खारिज किया है। बुधवार को एक बयान जारी कर 'सच' बताया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फैक्ट बताया। उनके मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) फोर्स ने दावा किया कि उन्होंने मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी नौसेना के दो डिस्ट्रॉयर पर हमला किया। यह पूरी तरह से गलत है। सच्चाई से रूबरू कराते हुए आगे कहा, 'अमेरिकी नौसेना के किसी भी युद्धपोत पर हमला नहीं हुआ है; आईआरजीसी के सभी हमले नाकाम रहे। वहीं, अमेरिकी सेना ने पिछले एक हफ्ते में ईरान के 10 टैंकरों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया है। ये जहाज एक ऐसे अरबों डॉलर के 'शैडो नेटवर्क' का हिस्सा थे जो आईआरजीसी को फंड देता है, और ईरान इनकी रक्षा नहीं कर सकता।

सऊदी अरब के अहम केंद्रों पर हूती हमलों की भारत ने निंदा की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को इसे लेकर बयान जारी किया।

हूती विद्रोहियों के हमले को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में एमईए प्रवक्ता ने कहा कि सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर हुए हमलों की भारत निंदा करता है, खासकर आम नागरिकों और आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया जाना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं और बाब-अल-मंदेब में आवाजाही की आजादी के लिए खतरा पैदा करते हैं, स्वीकार्य नहीं हैं। मंगलवार को यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के कई नागरिक और आर्थिक ठिकानों पर हमले किए। हमले में 73 लोगों के घायल होने की पुष्टि स्थानीय प्रशासन ने की। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उनके दक्षिणी हिस्से में मौजूद कई ऊर्जा और तेल कारखानों को निशाना बनाया गया। वहीं, हूती विद्रोहियों का आरोप है कि सऊदी अरब ने उनकी एक जेल पर हमला किया जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। यमन के ज्यादा आबादी वाले और उत्तरी हिस्सों पर नियंत्रण रखने वाले हूती विद्रोहियों ने मिसाइल और ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली। विद्रोहियों के अनुसार उन्होंने सीमा के करीब स्थित आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, किंग खालिद एयर बेस और सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी अरामको के आभा और जिजान में मौजूद ठिकानों को निशाना बनाया।

डीआर कांगो में इबोला का प्रकोपः अलग-अलग रूप ले रही महामारी, मृत्यु दर में तेजी ने बढ़ाई चिंता

विश्व केसरी

किंशासा। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में फैला इबोला संक्रमण अब तेजी से अलग-अलग रूप लेता हुआ दिखाई दे रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा बाहरी स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित प्रांतों और स्वास्थ्य क्षेत्रों में संक्रमण का फैलाव एक जैसा नहीं है। कुछ इलाकों में मामले कम हो रहे हैं, जबकि अन्य जगहों पर संक्रमण बढ़ रहा है और नए क्षेत्रों तक फैल रहा है।

मंगलवार (स्थानीय समय) को जारी रिपोर्ट में कहा गया है, 'यह स्थिति दिखाती है कि महामारी अब अलग-अलग क्षेत्रों में अलग रुख अपना रही है। कुछ जगहों पर संक्रमण कम हो रहा है, लेकिन दूसरी जगहों पर यह तेजी से बढ़ रहा है और नए इलाकों में फैल रहा है।

रिपोर्ट में एक चिंताजनक पहलू यह बताया गया है कि अब अधिक लोग स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने से पहले ही समुदाय के भीतर अपनी जान गंवा रहे हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच, पुष्टि किए गए कुल मौतों में से 75 प्रतिशत मौतें समुदाय के भीतर हुईं। रिपोर्टिंग अवधि में यह सबसे अधिक साप्ताहिक अनुपात है। दो सप्ताह पहले यह आंकड़ा 56.6 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, यह अंतर चिंता की बात है क्योंकि इलाज केंद्रों में होने वाली मौतों में कमी जारी रहने के बावजूद समुदाय में मौतों की संख्या बढ़ रही है। इससे पता चलता है कि कुल मृत्यु दर में पहले जो गिरावट देखी गई थी, वह अब बरकरार नहीं रह पाई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि समुदाय में लगातार अधिक मौतों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। इनमें बीमारी की देर से पहचान होना, मामलों की जानकारी देर से मिलना, मरीजों को समय पर इलाज केंद्रों तक न पहुंचा पाना, लोगों द्वारा बीमारी की गंभीरता को न समझना, दूरदराज इलाकों और परिवहन की समस्याएं, औपचारिक स्वास्थ्य केंद्रों की बजाय अन्य जगहों पर इलाज कराना, और स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों का भरोसा कम होना शामिल हैं।

ईरान को आर्थिक सहारा देने वालों को भुगतने होंगे परिणामः स्कॉट बेसेंट

विश्व केसरी

वॉशिंगटन । अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के तहत हमने जो चेतावनी दी थी उस पर अब कार्रवाई भी शुरू कर दी है। ईरानी सरकार को आर्थिक सहारा देने वालों पर कार्रवाई करते हुए अमेरिका ने उन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं जो अब भी 'महान एयर' का समर्थन कर रही हैं।

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में जानकारी साझा करते हुए कहा कि ईरान की बाकी एयरलाइंस के साथ कारोबार करने वाले सभी लोगों के लिए एक चेतावनी है।

बेसेंट ने पोस्ट में लिखा, 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के तहत हमने वादा किया था कि ईरानी सरकार को आर्थिक सहारा देने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आज हमने उस वादे को पूरा करते हुए उन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं जो अब भी 'महान एयर' का समर्थन कर रही हैं।''

उन्होंने लिखा, ''इसे ईरान की बाकी एयरलाइंस के साथ कारोबार करने वाले सभी लोगों के लिए एक चेतावनी समझा जाए। आज हमने उन सभी एयरलाइंस पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। यदि आप उनके साथ व्यापार करते हैं, तो आपको वैश्विक वित्तीय प्रणाली से बाहर किए जाने का जोखिम उठाना पड़ सकता है।

इससे पहले ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कह चुके हैं कि अमेरिका का लक्ष्य तेहरान की आर्थिक जीवनरेखाओं को काटकर उसे पूरी तरह अलग-थलग करना है। हमारा लक्ष्य इस दमनकारी शासन को सहारा देने वाली हर आर्थिक जीवनरेखा को काट देना है, जब तक कि तेहरान पूरी तरह अकेला न पड़ जाए। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी ट्रेजरी विभाग इस शासन को सहारा देने वाली हर आर्थिक मदद और संसाधन के रास्ते को बंद करता रहेगा, जब तक कि तेहरान पूरी तरह अलग-थलग न पड़ जाए। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य इस दमनकारी शासन को सहारा देने वाली हर आर्थिक जीवनरेखा को काट देना है, जब तक कि तेहरान पूरी तरह अकेला न पड़ जाए।

आईआरजीसी का दावाः होर्मुज स्ट्रेट से पकड़ी अमेरिका की आधुनिक और उन्नत मानव रहित पनडुब्बी

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने अमेरिकी पनडुब्बी को पड़ने का दावा किया। आईआरजीसी ने बताया कि यह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश क्षेत्र में की गई। कब्जे में ली गई यह पनडुब्बी अमेरिकी सेना की सबसे आधुनिक और उन्नत मानव रहित पनडुब्बियों में से एक है।

मंगलवार (स्थानीय समय) को आईआरजीसी की आधिकारिक समाचार एजेंसी सेपाह न्यूज में जारी बयान के अनुसार, इस मानव रहित पानी के भीतर काम करने वाले वाहन को एक जटिल खुफिया और सैन्य अभियान के दौरान कब्जे में लिया गया।

आईआरजीसी ने बताया कि इस पानी के भीतर चलने वाले वाहन की पहचान 'डाइव-एलडी' के रूप में हुई है। उसके अनुसार, यह दुनिया की सबसे आधुनिक अंडरवॉटर वाहन तकनीक से लैस है। संगठन ने कहा कि इसकी तस्वीरें अगले कुछ घंटों में जारी की जाएंगी।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने सेपाह न्यूज के हवाले बताया कि आईआरजीसी ने मंगलवार को एक अलग बयान में कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर उड़ रहे एक एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है।

आईआरजीसी के इस दावे के बाद अमेरिकी सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि उसका एक पानी के भीतर काम करने वाला ड्रोन क्षेत्रीय जल क्षेत्र के सर्वेक्षण के दौरान एक दिन पहले तकनीकी खराबी का शिकार हो गया था। हालांकि, अमेरिकी सेना ने यह नहीं बताया कि उस उपकरण को ईरान ने कब्जे में लिया है या नहीं।

इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मंगलवार को कहा कि उनका देश पूरी ताकत के साथ अपना प्रतिरोध जारी रखेगा, जब तक कि 'आक्रमण करने वालों' को अपने कदमों पर पूरी तरह पछतावा न हो जाए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान हमेशा युद्ध का विरोध करता रहा है।

पेजेश्कियन ने लिखा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान हमेशा युद्ध के खिलाफ रहा है। हमारा मानना है कि लोगों के हितों की रक्षा और पश्चिम एशिया क्षेत्र की सुरक्षा बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका युद्ध भड़काने से बचना है। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जिस तरह ईरान ने अब तक साहस के साथ हर आक्रमण का मुकाबला किया है, उसी तरह वह आगे भी पूरी ताकत के साथ अपना प्रतिरोध जारी रखेगा, जब तक कि आक्रमण करने वालों को अपने किए पर पूरा पछतावा न हो जाए। ईरान अपने महान लोगों के अधिकारों की रक्षा करता रहेगा।'

दक्षिण कोरिया-अमेरिका के शीर्ष कमांडरों ने किया डीएमजेड इलाकों का दौरा , संयुक्त तैयारी पर जोर

विश्व केसरी

सोल। हाल के हफ्तों में उत्तर कोरिया की सीमा पर अनचाही गतिविधियां बढ़ गई है। बुधवार को दक्षिण कोरिया और यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) के शीर्ष सैन्य कमांडरों ने पूर्वी सीमावर्ती इकाइयों का दौरा किया और संयुक्त तैयारी व अपनी रणनीतिक क्षमता को मजबूत करने (डिटरेंस) पर जोर दिया।

जेसीएस ने एक बयान जारी किया। इसके अनुसार, जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएम) के चेयरमैन जनरल जिन योंग-सुंग और यूएसएफके के कमांडर जनरल जेवियर ब्रंसन ने उत्तर-दक्षिण कोरिया को अलग करने वाले असैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) के साथ ऑपरेशन और तैयारी का निरीक्षण करने के लिए पूर्वी सीमा चौकियों का दौरा किया।

जेसीएस ने कहा, 'कमांडरों ने दक्षिण कोरिया-यूएस की मजबूत संयुक्त रक्षा स्थिति की पुष्टि की और बदलते सुरक्षा माहौल का प्रभावी ढंग से जवाब देने और मजबूत प्रतिरोध बनाए रखने के लिए क्षमताओं, तैयारी और इंटरऑपरेबिलिटी (आपसी तालमेल) को और मजबूत करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी गार्ड पोस्ट का निरीक्षण करते हुए, कमांडरों ने डीएमजेड बफर जोन के अंदर मिलिट्री डिमार्केशन लाइन (एमडीएल यानी सैन्य सीमांकन रेखा) के पास हालिया उत्तर कोरियाई सैन्य अभियानों का मूल्यांकन किया और सीमावर्ती इकाइयों की तैयारी की जांच की।

यह निरीक्षण पूर्वी मोर्चे पर उत्तर कोरियाई सैनिकों द्वारा सीमा में घुसपैठ की घटनाओं में भारी वृद्धि के बाद किया गया है; दक्षिण कोरियाई सेना ने अकेले अगस्त में ऐसी 20 से अधिक घटनाएं दर्ज कीं, जो 2025 में दर्ज की गई 17 समान घटनाओं से अधिक हैं।

प्योंगयांग ने सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ लगाने और बारूदी सुरंगें बिछाने का काम भी तेज कर दिया है; इस कदम को दक्षिण कोरिया को एक शत्रुतापूर्ण देश मानने की अपनी नीति के अनुरूप रणनीतिक रूप से सीमा को मजबूत करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। एमडीएल के पास उत्तर कोरियाई गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, जिन ने अधिक सतर्कता बरतने का आह्वान किया और कहा कि गर्मियों में घनी हरियाली और अक्सर छाने वाला कोहरा निगरानी अभियानों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थितियां पैदा कर सकता है।

मोरक्को के प्रतिनिधिमंडल ने किया आर्मी बेस वर्कशॉप का दौरा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मोरक्को के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय सेना की 505 आर्मी बेस वर्कशॉप का दौरा किया है। मोरक्को के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ब्रिगेडियर जनरल अब्देल्लाह अथामानी कर रहे हैं। इस दौरान मोरक्को के अधिकारियों को आर्मी बेस वर्कशॉप की उन्नत तकनीकी क्षमताओं और विभिन्न सैन्य उपकरणों के रखरखाव एवं मरम्मत से जुड़ी विशेषज्ञता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रतिनिधिमंडल को विशेष रूप से टैंकों, इंजन और उनके विभिन्न कलपुर्जों की मरम्मत तथा बड़े स्तर पर सुधार की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इस दौरान कार्यशाला में तकनीक के समावेश, स्वचालन, नवाचार, स्वदेशीकरण और अत्याधुनिक तकनीक को आत्मसात करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर फोकस रहा। रक्षा उपकरणों के रखरखाव और उनकी ऑपरेशन क्षमता बनाए रखने में कार्यशाला की भूमिका से प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया गया। गौरतलब है कि मंगलवार को दोनों देशों के बीच पहली संयुक्त रक्षा समिति की बैठक हुई थी। नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक में ट्रेनिंग और शिक्षा, शांति स्थापना मिशन, सैन्य अभ्यास, सैन्य चिकित्सा, साइबर रक्षा तथा रक्षा उद्योग सहित आपसी हित के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने भारत-मोरक्को रक्षा संबंधों को और व्यापक बनाने पर सहमति जताई।

वर्ष 2027 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐसे में रक्षा क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने के लिए यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। भारत और मोरक्को के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग को संस्थागत रूप देने की दिशा में सितंबर 2025 में महत्वपूर्ण पहल हुई थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सितंबर 2025 में मोरक्को यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। वहीं मंगलवार को हुई बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद और मोरक्को के ब्रिगेडियर जनरल अब्देल्लाह अथमानी ने की। यहां दोनों देशों ने मौजूदा रक्षा संबंधों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य में सहयोग के नए क्षेत्रों की संभावनाओं पर भी विचार किया।

खाड़ी में बढ़ा तनावः सेंटकॉम ने नष्ट किए ईरान के पांच कच्चे तेल टैंकर, कार्रवाई को बताया जवाबी हमला

विश्व केसरी

वॉशिंगटन । ओमान की खाड़ी में तनाव चरम पर है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के कच्चे तेल ले जा रहे पांच टैंकरों को नष्ट करने का दावा किया। सेंटकॉम ने इसे उस हमले की जवाबी कार्रवाई बताया जिसमें ईरान ने दो दिन में दो बार अमेरिकी युद्धपोत पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले की कोशिश की थी।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में इस जवाबी कार्रवाई की जानकारी साझा की।

पोस्ट में सेंटकॉम ने लिखा, ''अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने 8 सितंबर को ईरान के पांच कच्चा तेल ढोने वाले जहाजों को नष्ट कर दिया। इससे पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने पिछले दो दिनों में दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत को निशाना बनाने की कोशिश की थी।''

सेंटकॉम को कहना है कि उनका युद्धपोत ईरान के इन हमलों से सफलतापूर्वक बच निकला और क्षेत्रीय जल क्षेत्र में अपनी गश्त जारी रखी। इस घटना में किसी भी अमेरिकी सैनिक को नुकसान नहीं पहुंचा।

सेंटकॉम ने बताया कि ईरान के हालिया असफल हमलों के जवाब में ओमान की खाड़ी में मौजूद आईआरजीसी के तेल टैंकर एम/टी कविज, एम/टी चारमीनार, एम/टी होराइजन-1 और एम/टी रिस्को को नष्ट कर दिया। इसके अलावा, खार्ग द्वीप के पास मौजूद एम/टी डेर्या को भी निशाना बनाया गया। अमेरिकी बलों ने हमला करने से पहले जहाजों के चालक दल को जहाज छोड़ने का निर्देश दिया, जिसके बाद इन जहाजों पर हमला कर उन्हें काम करने लायक नहीं छोड़ा गया। अमेरिका का आरोप है कि ईरान इन तेल टैंकरों का इस्तेमाल एक बहु-अरब डॉलर के गुप्त नेटवर्क के हिस्से के रूप में करता रहा है, जिससे आईआरजीसी और उससे जुड़े क्षेत्रीय समूहों को धन मिलता है। सेंटकॉम ने यह भी कहा कि ईरान के पास इन जहाजों की रक्षा करने का कोई प्रभावी साधन नहीं है।

सेंटकॉम के मुताबिक, पांच सितंबर को भी अमेरिकी बलों ने ईरान के तीन तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया था। उस समय आईआरजीसी ने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक जहाज पर हमला करने की कोशिश की थी।

अमेरिका का कहना है कि अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों को निशाना बनाने की आईआरजीसी की सभी कोशिशें अब तक असफल रही हैं।

35 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं के कांग्रेस प्रवेश पर सियासत गरमाई, भाजपा ने दावे को बताया कोरा झूठ

कांग्रेस का दावा विधायक विक्रम मंडावी के जनकल्याणकारी कार्यों से प्रभावित होकर थामा कांग्रेस का हाथ, भाजपा बोली अपने ही कार्यकर्ताओं को टोपी पहनाकर किया जा रहा गुमराह

विश्व केसरी■

बीजापुर (के. संतोष)। ग्राम पंचायत गदामली के 35 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं के कांग्रेस में प्रवेश को लेकर बीजापुर की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने पार्टी की रीति-नीति और बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी के जनकल्याणकारी कार्यों से प्रभावित होकर कांग्रेस का हाथ थामा है। वहीं भाजपा ने कांग्रेस के इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए इसे झूठा और जनता को गुमराह करने वाला राजनीतिक हथकंडा बताया है।बुधवार को जिला मुख्यालय बीजापुर में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर ने गदामली से आए लोगों को कांग्रेस का गमछा पहनाकर और फूलमाला से स्वागत करते हुए पार्टी में प्रवेश कराया। कांग्रेस की ओर से जारी सूची में रामपाल यादव, दिनेश ठाकुर, सुनील कंडिक, अजय उरसा, चन्नू कुरसाम, राकेश सकनी, अजय लेकाम, बामन कुड़ियम, राकेश तेलम, रमेश कोरसा, नागेंद्र सकनी सहित 35 से अधिक लोगों के नाम शामिल बताए गए हैं।

कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा सरकार को ढाई साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन चुनाव के दौरान किए गए वादों में से कई वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि किसान, युवा, आदिवासी, महिलाएं और आम जनता भाजपा सरकार से निराश हैं और आने वाले समय में कांग्रेस के पक्ष में जनसमर्थन बढ़ेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा कि गदामली के भाजपा कार्यकर्ताओं का कांग्रेस में शामिल होना भाजपा की नीतियों के प्रति बढ़ते असंतोष का संकेत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बस्तर के जल, जंगल, जमीन और आदिवासी अधिकारों की रक्षा के साथ विकास की लड़ाई जारी रखेगी।

कांग्रेस के इस दावे के सामने आते ही भाजपा ने पलटवार किया। भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने कहा कि कांग्रेस में प्रवेश करने वालों में एक भी भाजपा का वास्तविक कार्यकर्ता शामिल नहीं है। उन्होंने कांग्रेस के दावे को पूरी तरह गलत, भ्रामक और बेबुनियाद बताया।

घासीराम नाग ने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री अरुण साव के बीजापुर प्रवास को देखते हुए कांग्रेस ने अपने ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को टोपी पहनाकर उन्हें भाजपा कार्यकर्ता बताने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि अपने ही कार्यकर्ताओं को भाजपा का बताकर कांग्रेस जनता को गुमराह कर रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की राजनीति कांग्रेस की हताशा को दर्शाती है। उनका आरोप है कि चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस विधायक और कांग्रेस जिला अध्यक्ष इस तरह के राजनीतिक हथकंडों का सहारा लेते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा संगठन मजबूत है और उसके कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ पार्टी के साथ खड़े हैं।

"सेवा संकल्प अभियान" 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर से सेवा संकल्प अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के समग्र क्रियान्वयन, अंतर्विभागीय समन्वय एवं निगरानी के लिए कलेक्टर कुन्दन कुमार द्वारा जिला, विकासखंड तथा ग्राम, वार्ड स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। अभियान की समस्त गतिविधियों के जिला स्तरीय समन्वय एवं अंतर्विभागीय सामंजस्य तथा निगरानी के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी को जिला प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितम्बर को संध्या काल में जिले के प्रमख स्थलों विभिन्न पर्यटन केन्द्रों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाने का कार्यक्रम निर्धारित है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी उप संचालक पंचायत स्टेला खलखो तथा सहयोगी मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को बनाया गया है। '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' कार्यक्रम के तहत 17 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक स्कूलों में ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद को नोडल अधिकारी तथा सहायक आयुक्त आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी सहयोगी अधिकारी होंगे। 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक प्रमुख स्थलों पर नमो सेवा गाथा (नुक्कड़ नाट्य)' के लिए संस्कृति विभाग के प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर आस्था बोरकर को नोडल अधिकारी तथा जिला शिक्षा अधिकारी एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य सहायक रहेंगे। 25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृत्व संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें माताओं सहित बच्चे आमंत्रित होंगे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सार्वजनिक सम्मान किया जाएगा, 'आंगन का उत्सव' गतिविधि के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग समीर पाण्डे को नोडल अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहयोगी होंगे।

सेवा संकल्प अभियान के सम्पूर्ण अवधि में 'कहानी बदलाव की' अंतर्गत लाभार्थियों के वास्तवित कहानियों के लिए जिला जनसंपर्क अधिकारी सुरेन्द्र ठाकुर को नोडल अधिकारी होंगे, जिसमें जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सहयोग करेंगे। अभियान अवधि के दौरान 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' आयोजित की जाएगी, जिसके लिए जिला पर्यटन अधिकारी, प्रभारी अधिकारी विनोद अहिरवार को नोडल अधिकारी तथा प्राचार्य, शासकीय तकनीकी शिक्षा संस्थान और जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सहयोगी होंगे। 07 अक्टूबर को 'सेवा ज्योति यात्रा' आयोजित की जाएगी जिसके लिए जिला परिवहन अधिकारी प्रकाश रावटे को नोडल अधिकारी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहयोग

उप नेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

विश्व केसरी■

बकावंड। विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सतोषा में बस्तर विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल के पहुंचने पर ग्रामीणों एवं अलेख महिमा समाज के पदाधिकारियों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं बाजे-गाजे के साथ भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया।

विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सतोषा में विधानसभा क्षेत्र बस्तर के विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल के पहुंचने पर ग्रामीणों एवं अलेख महिमा समाज के पदाधिकारियों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं बाजे-गाजे के साथ भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया विधायक के आगमन को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला ग्रामीणों ने फूल-मालाएं एवं पारंपरिक गमछा पहनाकर विधायक बघेल का आत्मीय अभिनंदन किया। अलेख महिमा समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में छत्तीसगढ़ महतारी एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर अलेख महिमा समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने समाज की गतिविधियों, सामाजिक कार्यों तथा समाज के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कार, सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारा एवं जनकल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

महिला मोर्चा मंडल अंतागढ़ ने धूमधाम से मनाया सावन उत्सव

अंतागढ़ (डम्पी खान)। भाजपा महिला मोर्चा मंडल अंतागढ़ के तत्वावधान में सावन उत्सव का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अंतागढ़ मंडल क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता निभाई। सावन की उमंग और पारंपरिक रंगों से सजे इस आयोजन में महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं, भजन एवं नृत्य कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। सावन उत्सव के दौरान मटका फोड़, कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। इसके साथ ही भजन एवं डांस की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। महिलाओं की प्रस्तुतियों पर उपस्थित लोगों ने जमकर तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता प्रतिभागियों को महिला मोर्चा की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विधायक सावित्री मंडावी एवं जनपद अध्यक्ष गोपी बढ़ाई के प्रयास रंग लाए

विश्व केसरी■

दुर्गूकोंदल (दीपक शर्मा)। गोडपाल एवं कोषपराली नदी क्षेत्र के ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित पुल निर्माण की मांग आखिरकार स्वीकृत हो गई है। पुल निर्माण को मंजूरी मिलने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। मौसम खुलते ही निर्माण कार्य प्रारंभ होने की उम्मीद है। पुल बनने से बरसात के दिनों में आवागमन की गंभीर समस्या से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी।

पुल निर्माण की मांग को लेकर जनपद अध्यक्ष गोपी बढ़ाई लगातार प्रयासरत थे। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए इस सत्र में ग्रामवासियों एवं जनपद अध्यक्ष के नेतृत्व में नदी में जल सत्याग्रह करने की तैयारी भी की जा रही थी। इसी बीच विभाग एवं क्षेत्रीय विधायक सावित्री मनोज मंडावी के प्रयासों से पुल निर्माण को स्वीकृति मिलने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

गोडपाल एवं कोषपराली नदी क्षेत्र में पुल नहीं होने के कारण बरसात के मौसम में ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नदी में पानी का जलस्तर बढ़ने पर कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो जाता था। विद्यार्थियों, किसानों, मजदूरों एवं जरूरतमंद ग्रामीणों को आने-जाने में जोखिम उठाना पड़ता था। ग्रामीण लंबे समय से पुल निर्माण की मांग शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखते आ रहे थे।

विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए क्षेत्र का दो से तीन बार दौरा कर नदी एवं आवागमन की स्थिति का जायजा लिया था। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी परेशानी को समझा और पुल निर्माण के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए। वहीं जनपद अध्यक्ष गोपी बढ़ाई ने भी लगातार अधिकारियों एवं संबंधित स्तर पर पुल निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाया।

इन लगातार प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया और आखिरकार पुल निर्माण कार्य स्वीकृत हो गया। पुल निर्माण की खबर से क्षेत्र के ग्रामीणों में उत्साह है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल बनने से आवागमन सुगम होने के साथ ही क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने, विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज जाने तथा मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में विशेष सुविधा मिलेगी।

कच्ची सड़कों और उफनती इंद्रावती को पार कर गांव पहुंचा स्वास्थ्य अमला, 405 मरीजों को मिली उपचार की सुविधा

विश्व केसरी■

बीजापुर (के. संतोष)। कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी ग्राम बोड़गा और ताकिलोड में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का संकल्प निभाया। कच्ची और दुर्गम सड़कों से गुजरते हुए तथा रात्रि में पैदल इंद्रावती नदी पार कर स्वास्थ्य अमला ग्रामीणों की सेवा के लिए गांव तक पहुंचा। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों का उपचार और स्वास्थ्य परीक्षण किया।

शिविर में कुल 405 मरीजों का उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 21 मलेरिया, 70 बुखार, 2 टीबी, 2 कुष्ठ रोग, 5 मोतियाबिंद और 10 खुजली के मरीज मिले। वहीं 179 लोगों की बीपी एवं शुगर जांच की गई तथा 53 अन्य मरीजों का भी उपचार किया गया। इसके अलावा 8 गर्भवती माताओं और 12 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

स्वास्थ्य अमले की तत्परता उस समय भी सामने आई, जब रात करीब 2 बजे ग्राम झिल्ली में सर्पदंश की सूचना मिली। सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को झाड़-फूंक कराया जा रहा था। सूचना मिलते ही सीएमएचओ डॉ. बी.आर. पुजारी एवं बीएमओ की उपस्थिति में पीड़ित को तत्काल अस्पताल लाकर उपचार शुरू कराया गया। समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने से मरीज को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सका।शिविर में डॉ. आदित्य साहू, डॉ. रमेश, क्ष्श्वज्ञह्र बी.आर. कोर्राम, ष्ट।ह्र लोकेश, चिरंजीव, सोहन, निशा, पायल, फील्ड कोऑर्डिनेटर सुलोचना, क्रा।ह्र रमेश, रेणुका, बलराम, अतुल, नीलम तथा रूञ्ज अजय सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला मौजूद रहा।

दुर्गम रास्तों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा गांव तक पहुंचकर ग्रामीणों को उपचार उपलब्ध कराना स्वास्थ्य सेवा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

सिर्फ अभियान नहीं, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प है सेवा संकल्पः किरण देव

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अरुण पाढ़ी)। भारतीय जनता पार्टी नानगुर मंडल द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत नानगुर मंडल कार्यसमिति की बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। देव ने अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए एवं ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर सेवा और सुशासन की मजबूत कड़ी बने।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष निवास मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता मंडल के हर घर तक पहुंचकर योजनाओं की जानकारी दें और पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। मिश्रा ने कार्यकर्ताओं से सेवा, समर्पण और जनसंपर्क की भावना के साथ अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं, बल्कि जनसेवा को अपना संकल्प मानकर समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़ा है।

गणेश उत्सव को लेकर पुलिस एवं गणेश उत्सव समितियों की संयुक्त बैठक आयोजित

विश्व केसरी■

कांकेर। सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर समितियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश । शहर के समस्त गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारी बैठक में हुए शामिल । गणेश उत्सव के दौरान शहर में सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय कांकेर में प्रशासन - पुलिस विभाग एवं गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, भापुसे के निर्देशन में , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू, एसडीओपी हरीश पाटिल एवं एसडीएम श्रीमती सरस्वती बंजारे तथा थाना प्रभारी कांकेर जितेंद्र कुमार साहू की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में यातायात पुलिस सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तथा शहर के गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य गणेश पंडालों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, भीड़ को व्यवस्थित रखने तथा पंडालों के आसपास यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना रहा।

साक्षरता दिवस पर संकुल आमागढ़ में शिक्षकों का हुआ सम्मान

विश्व केसरी■

दुर्गूकोंदल (दीपक शर्मा)। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर संकुल आमागढ़ का संकुल स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह प्राथमिक शाला नवागांव में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में संकुल अंतर्गत 9 प्राथमिक, 2 पूर्व माध्यमिक एवं 1 उच्च विद्यालय सहित कुल 12 विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संकुल प्राचार्य उदे राम भुआर्य थे, जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक रामदयाल यादव ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन सुरेन्द्र उइके ने किया। आयोजन के दौरान शिक्षकों की शैक्षणिक सेवाओं, समर्पण एवं विद्यालयों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई।

इस अवसर पर डॉ. संजय वस्त्रकार ने प्रेरणादायक उद्बोधन देते हुए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम 'लोगों, पृथ्वी और समृद्धि के लिए साक्षरता' को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा एवं साक्षरता प्रत्येक व्यक्ति का महत्वपूर्ण अधिकार है और इसके माध्यम से समाज में जागरूकता, आत्मनिर्भरता तथा सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

आत्मा राम तारमे को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान

समारोह का मुख्य आकर्षण संकुल स्तरीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान रहा, जो शिक्षक आत्मा राम तारमे को प्रदान किया गया। उनकी उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। उनके सम्मान पर उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया। वहीं वरिष्ठ शिक्षक रामदयाल यादव को उनके सेवाकाल के अंतिम वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में दशकों तक अपनी सेवाएं देकर अनेक विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा दी। उनके सम्मान का क्षण भावुक और प्रेरणादायक रहा। उपस्थित लोगों ने उनके दीर्घकालीन योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की।

शिक्षकों ने खेल प्रतियोगिताओं में लिया उत्साह से हिस्सा

सम्मान समारोह के साथ शिक्षकों के लिए मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इनमें गुब्बारा फुलाना, रिंग को बकेट में डालना तथा गुब्बारे को फूंक मारकर हवा में उड़ाते हुए दूसरे छोर तक पहुंचाने जैसी रोचक प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन में मनोरंजन और उमंग का रंग भर दिया। प्रतियोगिता में शिक्षिका ममता रावटे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजय हासिल की। उनकी जीत पर उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणों ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि उदे राम भुआर्य ने कहा कि 'शिक्षक की गरिमा ही समाज की गरिमा है। आत्मा राम तारमे एवं रामदयाल यादव जैसे अनुभवी शिक्षकों का सम्मान पूरे संकुल के लिए प्रेरणा है।

कार्यक्रम में सबल दीवान, विनोद साहू, बृजेश साहू, रामनाथ गोटा, भानुमति मानकर, चन्द्रिका सहारे, मेघ दीपिका साहू, यामिनी केमरो, भुनेश उसेंडी, अनिल वर्मा, नरेश बनपेला एवं किशोर पटेल सहित संकुल के सभी विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अंत में सबल दीवान ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, ग्रामीणों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन को ऐतिहासिक बताया।

जेपरा में 'मिशन रक्षक' के तहत निःशुल्क फिजिकल प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग

विश्व केसरी■

जेपरा (संदीप मेश्राम)। ग्राम जेपरा एवं आसपास के युवाओं ने पुलिस एवं विभिन्न सुरक्षा बलों में भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए जेपरा में 'मिशन रक्षक' के तहत नि:शुल्क फिजिकल प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने की मांग की है।

इस संबंध में ग्रामवासियों एवं युवाओं की ओर से पुलिस अधीक्षक, उत्तर बस्तर कांकेर को आवेदन सौंपा गया है। आवेदन में बताया गया है कि जेपरा सहित आसपास के ग्रामों के सैकड़ों युवा बस्तर फाइटर्स, पुलिस, आर्मी, स्ष्ट्र-त्रष्ठ सहित विभिन्न सुरक्षा बलों की भर्ती की तैयारी कर रहे हैं। वर्तमान में मिशन रक्षक के अंतर्गत नि:शुल्क प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन विकासखंड चारामा क्षेत्र में प्रशिक्षण केंद्र नहीं होने के कारण क्षेत्र के युवाओं को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। आवेदन में बताया गया कि वर्तमान प्रशिक्षण में 100 मीटर दौड़, 1500 मीटर दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद एवं ऊंची कूद सहित शारीरिक दक्षता की तैयारी कराई जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जेपरा में पूर्व से संचालित 'मावा मॉडल लाइब्रेरी' परिसर को मिशन रक्षक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में चयनित किया जाए। इससे युवाओं को एक ही स्थान पर शारीरिक एवं लिखित परीक्षा की तैयारी का अवसर मिल सकेगा। ग्रामीणों का कहना है कि जेपरा में प्रशिक्षण केंद्र शुरू होने से जेपरा के साथ आसपास के गांवों के आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को भी नि:शुल्क प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा और उन्हें पुलिस एवं सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। आवेदन के माध्यम से पुलिस प्रशासन से जेपरा में शीघ्र 'मिशन रक्षक' नि:शुल्क प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ करने की मांग की गई है।

यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को ग्लोबल साउथ तक ले जाने की तैयारी: वाणिज्य सचिव

विश्व केसरी ■

मुंबई। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि भारत को अपनी फिनटेक क्षमताओं, विशेष रूप से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के अनुभव का उपयोग करते हुए वैश्विक बाजारों में विस्तार करना चाहिए।

मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोलते हुए अग्रवाल ने कहा कि भारत के पास विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों में अपनी डिजिटल भुगतान और वित्तीय प्रौद्योगिकी सेवाओं का विस्तार करने का बड़ा अवसर है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर फिनटेक सेवाओं का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और यदि भारत इस व्यापार में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी भी हासिल कर लेता है, तो देश का फिनटेक सेवा निर्यात मौजूदा 8 अरब डॉलर से बढ़कर 60 से 80 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

राजेश अग्रवाल ने कहा, 'फिनटेक सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। यदि हम इसमें 10 प्रतिशत योगदान भी हासिल करते हैं, तो यह 8 अरब डॉलर से 60-80 अरब डॉलर के निर्यात तक पहुंचने की यात्रा हो सकती है।'

उन्होंने बताया कि भारत पहले से ही अपने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना मॉडल को अन्य देशों तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहा है। इस उद्देश्य से भारत ने अब तक लगभग 23 देशों के साथ डीपीआई सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, सरकार कई देशों के साथ भुगतान प्रणालियों को परस्पर जोड़ने की दिशा में भी काम कर रही है, विशेष रूप से उन देशों में जहां भारतीय प्रवासियों की बड़ी आबादी रहती है।

अग्रवाल ने कहा, 'हमने डीपीआई सहयोग के लिए लगभग 23 देशों के साथ समझौते किए हैं। हम जिन भी मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत करते हैं, उनमें भुगतान प्रणालियों के समन्वय पर भी चर्चा करते हैं, खासकर उन देशों के साथ जहां भारतीय मूल के लोगों की बड़ी संख्या मौजूद है।' उन्होंने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी वित्तीय सेवाओं की लागत कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। विशेष रूप से प्रेषण (रेमिटेंस), ऋण वितरण और भुगतान सेवाओं को अधिक सस्ता एवं सुलभ बनाने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणालियों और भारत की फिनटेक क्षमताओं का वैश्विक स्तर पर विस्तार किया जा सकता है।

वाणिज्य सचिव ने फिनटेक क्षेत्र के विकास में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न व्यापार समझौतों के दौरान वित्तीय विनियमन, दूरसंचार, सीमा-पार डेटा प्रवाह, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), निवेश और पेशेवरों की आवाजाही से संबंधित बाधाओं को दूर करने का प्रयास करता है, ताकि फिनटेक क्षेत्र के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा, 'जब हम एफटीए पर बातचीत करते हैं, तो वित्तीय विनियमन, दूरसंचार, डेटा प्रवाह, एआई, निवेश और पेशेवरों की आवाजाही से जुड़ी बाधाओं को कम करने का प्रयास करते हैं, ताकि फिनटेक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सके।'

अग्रवाल ने कहा कि सेवा व्यापार एफटीए वार्ताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, जिसके तहत वित्तीय सेवाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि विदेशी बैंकों को भारत में अवसर मिलने के साथ-साथ भारतीय बैंक और वित्तीय संस्थान भी अन्य देशों में विस्तार कर सकें।

उन्होंने कहा, 'पिछले चार से पांच वर्षों में भारत नौ मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है, जिनके दायरे में आने वाले देशों की संयुक्त अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 60 ट्रिलियन डॉलर है।'

डेटा लीक को लेकर दक्षिण कोरिया गंभीर

विश्व केसरी ■

सोल। दक्षिण कोरिया में डेटा लीक को लेकर फिक्र जाहिर की गई है। महिलाओं और परिवार से जुड़े मामलों के मंत्रालय ने डेटा लीक मामले में गूगल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की संभावना पर विचार शुरू कर दिया है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब देश में संवेदनशील सरकारी और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय इस बात की जांच कर रहा है कि डेटा लीक कैसे हुआ और इसमें गूगल की सेवाओं या उसके डेटा प्रबंधन तंत्र की क्या भूमिका रही। अधिकारियों का मानना है कि यदि जांच में कंपनी की लापरवाही या कानूनी जिम्मेदारी सामने आती है, तो उसके खिलाफ उचित कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं।

दक्षिण कोरिया में यह मुद्दा इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि सरकार पिछले कुछ समय से डिजिटल अपराधों, खासकर महिलाओं से जुड़े ऑनलाइन अपराधों और अवैध यौन सामग्री के प्रसार के खिलाफ अभियान तेज कर रही है। सरकार की चिंता केवल यह नहीं है कि आपत्तिजनक सामग्री इंटरनेट पर मौजूद है, बल्कि यह भी है कि एक बार सामग्री हटाए जाने के बाद वह दूसरे प्लेटफॉर्म या नए वेबसाइट पते के जरिए फिर सामने आ जाती है। इसी वजह से प्रशासन अब ऐसे नेटवर्क के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की रणनीति पर काम कर रहा है।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में दक्षिण कोरिया में डिजिटल यौन अपराधों के 17,629 मामले दर्ज किए गए। यह संख्या 2024 की तुलना में 4.7 प्रतिशत अधिक है। सरकार का कहना है कि उसने इस दौरान 15 लाख से ज्यादा आपत्तिजनक यौन सामग्री हटाने की कार्रवाई की और 53,000 से अधिक पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराई।

अधिकारियों का मानना है कि डिजिटल अपराधों की प्रकृति तेजी से बदल रही है। अपराधी तकनीक और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके पीड़ितों की निजी तस्वीरों या जानकारी का दुरुपयोग कर रहे हैं।

ऐसे में केवल अपराधियों को पकड़ना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उन तकनीकी प्रणालियों की जवाबदेही भी तय करनी होगी जिनके जरिए इस तरह की सामग्री या डेटा का प्रसार होता है। इसी व्यापक संदर्भ में गूगल के खिलाफ संभावित कानूनी कार्रवाई को देखा जा रहा है। यदि मंत्रालय आगे बढ़कर मामला दर्ज करता है, तो यह दक्षिण कोरिया में बड़ी टेक कंपनियों की जवाबदेही को लेकर एक महत्वपूर्ण मिसाल बन सकता है। दक्षिण कोरिया सरकार पहले ही डिजिटल प्लेटफॉर्मों से अवैध और नुकसानदेह सामग्री पर तेजी से कार्रवाई करने की अपेक्षा कर रही है।

भारत में एंडोमेट्रियोसिस से 5 करोड़ महिलाएं प्रभावित

एक रिसर्च अध्ययन में सामने आए रिजल्ट

विश्व केसरी ■

रायपुर। एंडोमेट्रियोसिस दुनिया भर में जन्म आयु से लगभग 10% महिलाएं प्रभावित होती हैं। अनुमान के मुताबिक, विश्व स्तर पर लगभग 24.7 करोड़ महिलाएं और भारत में लगभग 5 करोड़ महिलाएं इस बीमारी से प्रभावित हैं। यह लंबे समय तक रहने वाली एक बीमारी है, जिसमें गर्भाशय के ऊपरी हिस्से के समान ट्यूमर के लक्षण शामिल हैं। इसके कारण मासिक धर्म के दौरान तेज दर्द, लंबे समय तक पेल्विक दर्द, संभोग के दौरान दर्द, थकान, बांझपन, चिंता, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता में कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर भारत में इसके निदान में देरी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

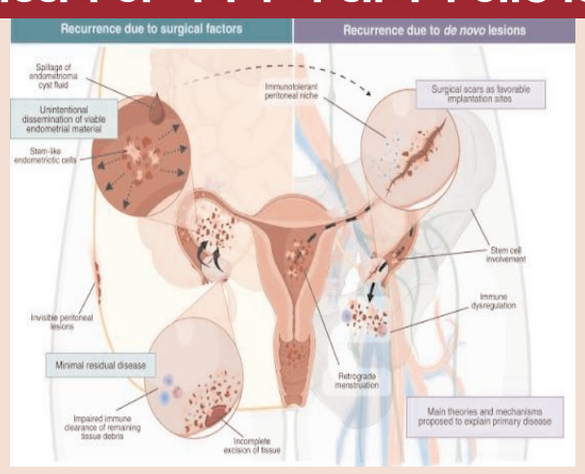

भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े शोध में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर किया गया, आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन वुमेन हेल्थ (आईसीएमआर-एनआईआरडब्ल्यूओएच), मुंबई ने भारतीय महिलाओं में एंडोमेट्रियोसिस के आनुवंशिक जोखिम को समझने के लिए पहला जीनोम-वाइड एसोसिएशन अध्ययन (जीडब्ल्यूएएस) किया है। यह स्टडी साइंटिफिक रिपोर्ट्स, स्प्रिंगर नेचर की एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित हुई है। अध्ययन का शीर्षक है: 'भारतीय महिलाओं में एंडोमेट्रियोसिस का जीनोम-वाइड एसोसिएशन विश्लेषण साझा आनुवंशिक संवेदनशीलता और विचारोत्तेजक जनसंख्या-विशिष्ट संकेतों का समर्थन करता है।

यह अध्ययन एंडोमेट्रियोसिस क्लिनिकल एंड जेनेटिक रिसर्च इन इंडिया (ईसीजीआरआई) का पहला भाग है, जिसका नेतृत्व डॉ. राहुल के. गजभिये, वैज्ञानिक ई एवं प्रमुख, क्लिनिकल रिसर्च लेबोरेटरी, आईसीएमआर-एनआईआरडब्ल्यूओएच नेकिया। इस बहुकेंद्रीय अध्ययन में यूनेस्को के 18 अभिलेखों ने भाग लिया। अलग-अलग क्षेत्रों और सामाजिक-भूमिकाओं में महिलाओं को शामिल किया गया, सर्जरी द्वारा पुष्टि की गई एंडोमेट्रियोसिस के रोगी और नियंत्रण समूह शामिल थे। एम्स रायपुर भी एक महत्वपूर्ण अध्ययन सहभागी केंद्र था। चार वर्षों की अवधि में एम्स रायपुर में कुल 400 फैक्ट्रियों को शामिल किया गया था, जिनमें 200 एंडोमेट्रियोसिस के रोगी और 200 कंट्रोल रूम शामिल थे।

इस अध्ययन में ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ग्रांट डब्ल्यू मोंटगोमरी, प्रोफेसर गीता डी. मिश्रा और डॉ. सैली मोर्टलॉक की मदद ली गई। इस अध्ययन से भारतीय महिलाओं में एंडोमेट्रियोसिस से संबंधित आनुवंशिक जोखिम को समझने के लिए महत्वपूर्ण प्रारंभिक जानकारी मिली है। इसमें भविष्य में बीमारी के लक्षण, आनुवांशिक जोखिम की पहचान, प्रारंभिक निदान और व्यक्तिगत उपचार से संबंधित शोध के लिए आधार तैयार किया जा सकता है।

डॉ. निलयकुमार बागड़े, प्रोफेसर, एम्स रायपुर स्टडीज के सह-लेखक ने कहा, 'इस अध्ययन की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसमें भारत की विभिन्न विचारधारा वाली महिलाओं को शामिल किया गया है, जिसमें ग्रामीण और ग्रामीण महिलाएं भी शामिल हैं।

जो आनुवंशिकी अनुसंधान में कम प्रतिनिधि विशेषज्ञ हैं।

गौतमबुद्ध नगर में बढ़ा बीमारियों का खतरा, स्वाइन फ्लू के मरीज 313 पहुंचे; लंपी को लेकर भी अलर्ट

विश्व केसरी ■

नोएडा। मानसून के अंतिम दौर में मौसम में बनी नमी और तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव के बीच गौतमबुद्ध नगर में मौसमी और संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। डेंगू और मलेरिया के बाद अब स्वाइन फ्लू के मामलों में भी तेजी से इजाफा हुआ है। जिले में स्वाइन फ्लू से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 313 पहुंच गई है। वहीं, पशुओं में फैलने वाली लंपी स्किन डिजीज को लेकर भी प्रशासन और पशुपालन विभाग अलर्ट मोड पर हैं। जिले में लंपी जैसे लक्षण वाले करीब 40 गोवंश सामने आने की जानकारी के बाद निगरानी और जांच का दायरा बढ़ाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के पिछले आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर की शुरुआत में ही जिले में स्वाइन फ्लू के 232 मामले सामने आ चुके थे। 3 सितंबर को एक ही दिन में 12 नए स्वाइन फ्लू मरीज और तीन डेंगू मरीज मिलने की जानकारी सामने आई थी। उस समय डेंगू के कुल मामले 60 और मलेरिया के 44 तक पहुंच चुके थे। अब स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या 313 तक पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई है।

इससे पहले अगस्त के अंतिम सप्ताह में भी स्वाइन फ्लू के मामलों में लगातार तेजी देखी गई थी। 27 अगस्त को जिले में 20 नए मरीज मिलने के बाद कुल संख्या 140 हो गई थी, जबकि 29 अगस्त तक यह आंकड़ा 192 तक पहुंच गया था। महज कुछ दिनों में मरीजों की संख्या में हुई बढ़ोतरी संक्रमण की रफ्तार को दर्शाती है। बारिश और उसके बाद वातावरण में बढ़ी नमी मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा कर रही है। इसी वजह से डेंगू और मलेरिया के मामलों पर भी स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी रख रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बारिश के बाद पानी जमा होने और तापमान में उतार-चढ़ाव से मच्छरजनित बीमारियों के साथ वायरल और अन्य संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है।

टीबी के खिलाफ जंग तेज, डब्ल्यूएचओ के साउथ-ईस्ट एशिया क्षेत्र के देशों ने मिलकर उठाए ठोस कदम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के सदस्य देशों ने बुधवार टीबी को खत्म करने के लिए एक ठोस कदम उठाया है, जिसके तहत बीमारी की जल्द पहचान, रोकथाम और इलाज की बेहतर सुविधा, परिवारों के लिए आर्थिक मदद और नई टीबी वैक्सीन की तैयारियों पर जोर दिया जाएगा।

डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. नीलेश बुद्धा ने डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय समिति के 79वें सत्र में कहा, 'टीबी का इलाज संभव है और इसे रोका भी जा सकता है, फिर भी हमारे क्षेत्र में हर साल लाखों लोगों की जान इससे चली जाती है और कई परिवार गरीबी में चले जाते हैं। हमारे पास इसे बदलने के साधन हैं। जरूरत इस बात की है कि ये साधन जरूरतमंद हर व्यक्ति तक समय पर, बराबरी से और अच्छी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के तहत पहुंचें।'

डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में दुनिया की लगभग एक चौथाई आबादी रहती है लेकिन साल 2024 में दुनिया में टीबी के कुल नए मामलों में से लगभग 34 प्रतिशत मामले यहीं से थे। अनुमान है कि यहां करीब 36.8 लाख नए मामले सामने आए और लगभग 4.33 लाख लोगों की मौत हुई हैं।

करीब 1.5 लाख लोगों में मल्टीड्रग और रिफाम्पिसिन-रेजिस्टेंट टीबी पाई गई, जो दुनिया के कुल मामलों का 38 प्रतिशत से ज्यादा है। देशों ने इस बात पर सहमति जताई है।

औषधीय गुणों से भरपूर है बेल का पेड़, आयुष मंत्रालय ने बताए इसके चमत्कारी गुण

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में पेड़-पौधों का महत्व सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि प्राचीन समय से ही कई पौधों का इस्तेमाल औषधीय जरूरतों के लिए भी किया जाता रहा है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पौधा है बेल, जिसे संस्कृत में बिल्व और अंग्रेजी में वुड एप्पल कहा जाता है। नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड, आयुष मंत्राल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेल के औषधीय महत्व से जुड़ी जानकारी साझा की है।

वनस्पति विज्ञान में बेल का नाम एगल मार्मेलोस है और यह रैसेसी परिवार से संबंधित है। यह पेड़ मुख्य रूप से भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया का मूल निवासी माना जाता है। भारत में यह सूखे जंगलों और मैदानी क्षेत्रों में आमतौर पर देखने को मिलता है। खास बात यह है कि बेल अलग-अलग तरह की जलवायु में भी आसानी से पनप सकता है और कम उपजाऊ मिट्टी में भी अच्छी तरह बढ़ने की क्षमता रखता है।

बेल का पेड़ मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष होता है, जिसकी ऊंचाई करीब 15 मीटर तक पहुंच सकती है। इसकी पत्तियां तीन पत्तियों वाले समूह यानी त्रिपर्णी होती हैं और इनमें हल्की सुगंध होती है। बेल के फूल हरे-सफेद रंग के और सुगंधित होते हैं। इसका फल कच्चा और सूखने के बाद भी कई पारंपरिक उपयोगों में काम आता है।

कमर दर्द और गर्दन की अकड़न से हैं परेशान; रोज करें ये योगासन, रीढ़ रहेगी मजबूत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में दफ्तर में घंटों तक कंप्यूटर के सामने बैठे रहना और गलत पोस्चर में काम करने से थकान और शारीरिक गतिविधियों की कमी से कम उम्र में ही कमर दर्द, गर्दन में अकड़न और स्पाइन से जुड़ी समस्याएं आम होती जा रही हैं। ऐसे में योग रीढ़ को स्वस्थ और लचीला बनाए रखने का सबसे आसान और प्राकृतिक तरीका है। योग के नियमित अभ्यास से न सिर्फ रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है बल्कि शरीर का पोस्चर भी सुधरता है और दर्द से राहत मिलती है। हम आपको ऐसे कुछ आसनों के बारे में बताएंगे, जो स्वस्थ रीढ़ के लिए प्रभावकारी हैं।

ताड़ासन - यह योग की सामान्य मुद्राओं में से एक माना जाता है, जो पूरे शरीर को हल्का खिंचाव देकर (पोश्चर) को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत और सीधा रखता है, कंधों और गर्दन की जकड़न कम करता है, शरीर के संतुलन और स्थिरता को बढ़ाता है।

ऊर्ध्व हस्तोत्तानासन - यह एक खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ, लचीला और मजबूत बनाने में मदद करता है। साइड में झुकने से पसलियों की मांसपेशियां खुलती हैं, जिससे फेफड़ों को ऑक्सीजन लेने के लिए अधिक जगह मिलती है।

अर्ध चक्रासन - आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्ध चक्रासन (हाफ व्हील पोज) एक बेहतरीन बैकबेंडिंग (पीछे की ओर झुकने वाला) योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और फेफड़ों की कार्यप्रणाली में सुधार करने में अत्यधिक प्रभावी है। इस आसन को करने के दौरान शरीर पीछे की ओर झुकता है, जिससे रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक दबाव पड़ता है और लचीलापन सुधरता है।

त्रिकोणासन - त्रिकोणासन रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और मजबूती के लिए बेहद प्रभावकारी योग आसन है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को दोनों तरफ एक बेहतरीन खिंचाव देता है, जिससे पीठ का दर्द कम होता है और शारीरिक मुद्रा में सुधार होता है।

मार्जारीआसन - यह रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाने वाला एक बेहद सरल और असरदार योगासन है। एक्सपर्ट बताते हैं कि रोजाना कुछ मिनट मार्जरी आसन को करने से दर्द से निजात पाया जा सकता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर बिल्ली की मुद्रा में होता है। इसको करते समय रीढ़ की हड्डी को आगे-पीछे लहर की तरह हिलाया जाता है, जिससे पूरा स्पाइन लचीला और मजबूत बनता है।

वक्रासन- इस आसन को रीढ़ की हड्डी और कमर के लिए उपयोगी माना जाता है। इसका नियमित अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कमर और कंधों में होने वाले खिंचाव और दर्द से राहत पाने में भी यह उपयोगी माना जाता है।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत-ए टीम का ऐलान, पडिक्कल बने कप्तान, हार्दिक पांड्या की वापसी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होने वाले मल्टी-डे और वनडे मैचों के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत-ए टीम का ऐलान कर दिया है। मल्टी-डे मुकाबलों के लिए टीम की कमान देवदत्त पडिक्कल के हाथों में सौंपी गई है। वहीं, वनडे मैचों के लिए ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया है।

वनडे फॉर्मेट की टीम में हार्दिक पांड्या को भी शामिल किया गया है। हालांकि, हार्दिक इस सीरीज में तभी हिस्सा ले पाएंगे, जब वह अपना फिटनेस टेस्ट पास करने में सफल रहेंगे। भारत-ए को ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ दो मल्टी-डे मुकाबले और तीन वनडे मैच खेलने हैं, जिसकी शुरुआत 22 सितंबर से होनी है।

मल्टी-डे मुकाबलों के लिए साई सुदर्शन की वापसी हुई है। सुदर्शन इंजरी के कारण श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके थे। इसके साथ ही अमन मोखड़े, आयुष पांडे को भी जगह दी गई है। दलीप ट्रॉफ में ईस्ट जोन की तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाले कुमार कुशाग्र को भी टीम में शामिल किया गया है।

यश राठौड़ टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं, जबकि शम्स मुलानी और तनुष कोटियान को भी मल्टी-डे मुकाबलों के लिए टीम में रखा गया है। तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज और प्रफुल्ल हिंगे तेज गेंदबाजी की कमान संभालते हुए नजर आएंगे। प्रफुल्ल ने आईपीएल 2026 में अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था। एन जगदीशन मल्टी-डे मैचों में विकेटकीपर की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

वनडे टीम में देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रियांश आर्या के साथ साई सुदर्शन को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र और नमन धीर मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, शानदार फॉर्म में चल रहे प्रभसिमरन सिंह से भी इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दूसरा मल्टी-डे मुकाबला 29 सितंबर से खेला जाएगा। वहीं, वनडे सीरीज का आगाज 6 अक्टूबर से होगा। दूसरा मुकाबला 9 अक्टूबर और अंतिम मैच 11 अक्टूबर को खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मल्टी-डे मैचों के लिए भारत ए का स्क्वॉड: अमन मोखड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल्ल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे, वी वैश्य।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वन-डे मैचों के लिए भारत ए का स्क्वॉड: प्रियांश आर्य, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विपराज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अरशद खान, नमन धीर, हार्दिक पंड्या*, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजापनीत सिंह और यश ठाकुर।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की महिला टीम वार्म-अप मैच खेलेगी

एजेंसी ■

सिडनी। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की महिला टीम अक्टूबर में मेजबान टीम के खिलाफ अपनी-अपनी व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया में वार्म-अप मैच खेलेंगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दोनों मेहमान टीमों के शेड्यूल की पुष्टि कर दी है।

न्यूजीलैंड की महिला टीम 15 अक्टूबर को नॉर्थ सिडनी ओवल में गवर्नर-जनरल इलेवन का सामना करेगी, जो उसी जगह पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टी20 से तीन दिन पहले होगा।

यह मैच न्यूजीलैंड टीम के लिए अहम होगा। टीम सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और ली ताहुहू के संन्यास के बाद अपना नया सफर शुरू कर रही है। न्यूजीलैंड का नेतृत्व अमेलिया केर करेंगी।

गवर्नर-जनरल इलेवन टीम की घोषणा मैच के करीब की जाएगी। उम्मीद है कि इसमें ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए और अनुभवी खिलाड़ी शामिल होंगे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हेड ऑफ परफॉर्मेंस और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेग्लर ने कहा, 'गवर्नर-जनरल इलेवन में चुना जाना एक खास सम्मान और एक ऐसा मौका है जिसकी खिलाड़ी सच में कद्र करते हैं। यह मैच खिलाड़ियों के लिए टी20 सीरीज से पहले अभ्यास का बढ़िया मौका है। हम ऐसी गवर्नर-जनरल इलेवन चुनने के लिए उत्साहित हैं जो इस मैच की क्वालिटी और अहमियत को दिखाए।

यह मैच टी20 स्प्रिंग चैलेंज के दौरान होगा, जिसमें एसीटी के साथ सभी आठ विमेंस बीबीएल क्लब शामिल हैं, जिसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के अनुबंधित घरेलू खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल सिडनी में होगा।

गवर्नर-जनरल सैम मोस्टिन एसी लगातार तीसरी गर्मियों में इलेवन का नेतृत्व करेंगी। लंबे समय से चली आ रही परंपरा के अनुसार टीम में ऑस्ट्रेलियन डिफेंस फोर्स का एक खिलाड़ी भी शामिल होगा। लेफ्टिनेंट मीरा हैदराबाद, जो एक विकेटकीपर-बैटर और रॉयल रेजिमेंट ऑफ ऑस्ट्रेलियन आर्टिलरी में आर्टिलरी ऑफिसर हैं, को मैच के लिए कन्फर्म कर दिया गया है।

बांग्लादेश टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले अभ्यास का मौका मिलेगा। वे 6 अक्टूबर को नॉर्थ्स में क्वींसलैंड इलेवन से भिड़ेंगे।

बांग्लादेश टी20 सीरीज के तीन मैच 9, 11 और 14 अक्टूबर खेलेगी, जबकि न्यूजीलैंड के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैच 18, 20 और 22 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

जापान की पिच स्पिनरों के लिए मददगार हो सकती है: वरुण चक्रवर्ती

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने के लिए तैयार है। टीम इंडिया के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि स्पिनर एशियन गेम्स में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मौसम के बदलते हालात ही तय करेंगे कि टूर्नामेंट के दौरान पिचें कैसा बर्ताव करेंगी।

एएसआईसीएस इंडिया की तरफ से आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में चक्रवर्ती ने कहा, हर मैच और हर टूर्नामेंट के लिए तैयारी की जरूरी होती है। हमें वो करना ही होगा। यह हर दूसरे टूर्नामेंट की तरह ही है। हम अच्छी तैयारी करेंगे और जो भी हमारे रास्ते में आएगा, हम उसे हराएंगे। गेंदबाजी यूनिट को वहां की स्थिति के मुताबिक ढलना होगा।

उन्होंने कहा, मैंने देखा है कि पिचें थोड़ी कम तैयार हो सकती हैं। इसलिए स्पिन को मदद मिल सकती है। मुझे नहीं पता कि जापान का मौसम पिचों के बर्ताव पर क्या असर डालेगा। हम बस हर तरह के हालात का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं।

टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे चक्रवर्ती ने कहा, अब तक का सफर बहुत अच्छा रहा है। हमने इस बार वर्ल्ड कप जीता। मेरी चोट की वजह से मुझे दिक्कत हुई थी, लेकिन मैं वापस आ गया हूं और ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं।

विमेंस एशिया कप: बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में उतरेगी भारतीय टीम, आठवें खिताब पर निगाहें

विश्व केसरी ■

दुबई। भारतीय टीम गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ विमेंस एशिया कप 2026 का 'सेमीफाइनल-1' खेलेगी, जिसे जीतने वाली टीम 13 सितंबर को खिताबी मैच में उतरेगी। ग्रुप-ए में टॉप पर रहने वाली भारतीय टीम इस मुकाबले में पसंदीदा टीम के तौर पर उतरी है। हालांकि, उसकी बैटिंग लाइन-अप में कभी-कभी कमजोरी नजर आई है, जिसका बांग्लादेश पूरा फायदा उठाना चाहेगा।

भारतीय महिला टीम की निगाहें रिकॉर्ड आठवीं बार एशिया कप खिताब जीतने पर हैं। 'विमेन इन ब्लू' ने अब तक 4 बार वनडे फॉर्मेट में इस खिताब को जीता है, जबकि टी20 प्रारूप में तीन बार टीम इंडिया चैंपियन बन चुकी है।

भारत ने भले ही इस संस्करण के शुरुआती तीनों मुकाबलों में जीत हासिल की है, लेकिन थाईलैंड के विरुद्ध 108 के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद टीम का 9वां विकेट सिर्फ 137 रन पर गिर गया था, जिसने बल्लेबाजी में कमी को उजागर किया है।

वहीं, बांग्लादेश को भी अपनी बैटिंग की दिक्कतों का ध्यान रखना है, लेकिन फॉर्म में चल रही पेसर मारूफा अख्तर ने इस टूर्नामेंट के प्रत्येक मैच में अपने शुरुआती स्पेल में रन बनाए हैं, और उनका इकॉनमी रेट 3.27 का शानदार रहा है। नई गेंद को मूव करने की उनकी काबिलियत भारतीय टॉप ऑर्डर के लिए खतरा बन सकती है।

चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह तीसरे नंबर पर खेल रहीं प्रतीका ने 3 पारियों में 109.09 के स्ट्राइक रेट से 36 रन बनाए हैं। यह हाई-स्टेक सेमीफाइनल उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ अहम योगदान देने का सही समय पर मौका देता है।

दुबई के स्पिन-फ्रेंडली हालात में, भारतीय बॉलिंग अटैक उनके स्पिनर्स के जरिए बहुत अच्छा रहा है, जिन्होंने टूर्नामेंट में 21 विकेट लिए हैं। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी अपने पिछले आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 21 विकेट लेकर असरदार रही हैं। यहां पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने अब तक खेले गए 12 मुकाबलों में से 8 जीते हैं।भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ अब तक 24 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 21 मुकाबले जीते, जबकि 3 मुकाबले बांग्लादेश के पक्ष में रहे हैं।

भारतीय टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, प्रेमा रावत, राधा यादव, श्री चरणी, रेणुका सिंह ठाकुर, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़ और प्रतीक रावल।

बांग्लादेशी टीम: निगार सुल्ताना (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उप-कप्तान), दिलारा अख्तर, फरजाना इस्मिन, जुएरिया फिरदौस, शर्मिन अख्तर सुप्ता, सरमिन सुल्ताना, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, फाहिमा खातून, राबिया खान, मारूफा अख्तर, सुल्ताना खातून और संजीदा अख्तर मेघला।

प्रत्युषा के तूफानी 89 से छत्तीसगढ़ की शानदार जीत, ओडिशा को 16 रन से हराया

विश्व केसरी■

उदयपुर । राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की मेजबानी में खेली जा रही MPMSC सीनियर वूमेन्स आमंत्रण टी-20 ट्रॉफी 2026 में छत्तीसगढ़ ने रोमांचक मुकाबले में ओडिशा को 16 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। उदयपुर के मीराज क्रिकेट मैदान पर खेले गए मुकाबले में ओडिशा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए छत्तीसगढ़ ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत शानदार रही। प्रत्युषा और शिल्पा साहू ने पहले विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत आधार दिया। इसके बाद प्रत्युषा और कप्तान कृति गुप्ता के बीच दूसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी हुई। प्रत्युषा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 89 रन की बेहतरीन पारी खेली। कप्तान कृति गुप्ता ने 36 रन, जबकि शिल्पा साहू ने 32 रन का योगदान दिया। ओडिशा की ओर से सुप्रीति दिव्यदर्शिनी ने दो विकेट हासिल किए। 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 160 रन ही बना सकी। ओडिशा की कप्तान शुभा स्वैन ने 57 रन की पारी खेली। उनके अलावा अल्पिसा और विजयलक्ष्मी ने 24-24 रन बनाए।

छत्तीसगढ़ की गेंदबाजों ने लक्ष्य का बचाव करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। गेंदबाजों ने ओडिशा के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। छत्तीसगढ़ की ओर से उर्मिला, कृति गुप्ता, प्रीति यादव, श्रद्धा वैष्णव और श्रेया श्रीवास ने एक-एक विकेट हासिल किया। इस तरह छत्तीसगढ़ ने 16 रन से मुकाबला अपने नाम किया। शानदार 89 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली प्रत्युषा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

डब्ल्यूबीबीएल सीजन 12: ब्रिस्बेन हीट ने ऑल-राउंडर ओर्ला प्रेंडरगास्ट को साइन किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ब्रिस्बेन हीट ने आगामी विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन के लिए आयरलैंड की सीम-बॉलिंग ऑल-राउंडर ओर्ला प्रेंडरगास्ट को अपनी टीम में शामिल किया है।

एक बेहतरीन राइट-आर्म पेसर और टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज, ओर्ला इस फ्रेंचाइजी की दूसरी विदेशी खिलाड़ी हैं, जिन्हें साइन किया गया है। इससे पहले, पिछले हफ्ते इंग्लैंड की लेग-स्पिनर सारा ग्लेन की वापसी की घोषणा की गई थी। ओर्ला ने पहले डब्ल्यूबीबीएल सीजन 10 में एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेला था, जिसमें उन्होंने 9 मुकाबलों में 110 रन बनाए और 6 विकेट लिए थे।

ओर्ला ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें साइन करने का फैसला किया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ओर्ला ने 5 मुकाबलों में 125.69 के स्ट्राइक रेट से 181 रन बनाए और 6 विकेट लिए, जिससे उन्हें 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' में जगह मिली। इससे पहले, साल 2023 के टूर्नामेंट में भी उन्हें यह सम्मान मिला था।

हेड कोच मार्क सोरेल ने कहा, 'ओर्ला वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ी हैं। वर्ल्ड कप में उनके प्रदर्शन को देखकर ही यह पता चल जाता है। हम उनके हीट में आने से बहुत खुश हैं। वह हमारे लिए कई तरह की भूमिकाएं निभा सकती हैं, जैसे पावरप्ले की शुरुआत में या बाद में पावर सर्ज के दौरान बॉलिंग करना, जबकि उनकी बैटिंग हमें ऊपरी या मध्य क्रम में एक और मजबूत विकल्प देती है।

ओर्ला को चोटिल सोफी डिवाइन की जगह 'द हंड्रेड' में वेल्श फायर के लिए बुलाया गया और उन्होंने टूर्नामेंट के अपने दूसरे ही मैच में 18/4 का आंकड़ा दर्ज किया। डब्ल्यूबीबीएल के बदले हुए नियमों के तहत, विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट को हटाकर सीधे खिलाड़ियों को साइन करने की प्रक्रिया अपनाई गई, और क्लबों के लिए तीन इंटरनेशनल स्लॉट भरना जरूरी नहीं रह गया।

ओर्ला के आने से हीट के पेस अटैक को और मजबूती मिलेगी, जिसमें पहले से ही लूसी हैमिल्टन, सियाना जिंजर और लिली बैसिंगथवेट शामिल हैं और वे अपनी टीम को अंतिम रूप दे रहे हैं। सोरेल ने बताया कि इंटरनेशनल शेड्यूल और चोटों ने इस सीजन में फ्रेंचाइजी की रिक्रूटमेंट स्ट्रैटेजी को प्रभावित किया है, जिससे उनके पास भरने के लिए अधिक से अधिक एक विदेशी खिलाड़ी का स्लॉट बचा है।

आईसीसी रैंकिंग : एस्टरहुइजेन-प्रेटोरियस को शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम, इरास्मस ने 16 पायदान की लगाई छलांग

विश्व केसरी ■

दुबई। नामीबिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई ट्राई सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम साउथ अफ्रीका के दाएं हाथ के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजेन को आईसीसी की ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में मिला है।

एस्टरहुइजेन ने ताजा रैंकिंग में 65 पायदान की छलांग लगाई है। 25 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने ट्राई सीरीज की 5 पारियों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 126 रन बनाए। नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में एस्टरहुइजेन का प्रदर्शन दमदार रहा और उन्होंने 88 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

ट्राई-सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद साउथ अफ्रीका के युवा खिलाड़ी लुआन-ड्रे प्रेटोरियस को भी काफी फायदा पहुंचा है। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने चार पारियों में 226 रन बनाकर 61 पायदान ऊपर चढ़े हैं और वह टी20 इंटरनेशनल में बल्लेबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 43वें स्थान पर आ गए हैं। भले ही नामीबिया ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहा, लेकिन टीम के दो बल्लेबाजों को ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है।

टूर्नामेंट में बल्ले से योगदान देने के बाद कप्तान गेरहार्ड इरास्मस 16 स्थान ऊपर चढ़कर 55वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप 32 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 73वें स्थान पर आ गए हैं। टी20 इंटरनेशनल में गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्रैड इवांस को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचा है। उन्होंने 4 स्थान की छलांग लगाई है और वह 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ट्राई सीरीज में 15.80 की औसत से 10 विकेट निकाले थे।

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा भी गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका के गेंदबाज क्वेना मफाका 16 स्थान ऊपर चढ़कर 38वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं, ब्योर्न फोर्टुइन ने 37 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई है और संयुक्त रूप से 78वें स्थान पर आ गए हैं।

इरास्मस ने टी20 इंटरनेशनल में ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी चार पायदान की छलांग लगाई है और वह आठवें स्थान पर आ गए हैं। ट्राई सीरीज के दौरान उन्होंने 149 रन बनाने के साथ-साथ पांच विकेट चटकाए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251